बट घाट की शोभा

छत्री पांच ऊपरा ऊपर, जानों रचिया भोम समार ।
एक भोम रेती तले, ऊपर भोम बट चार ।।

बट पुल से मरोड़ तक यमुना जी की शोभा

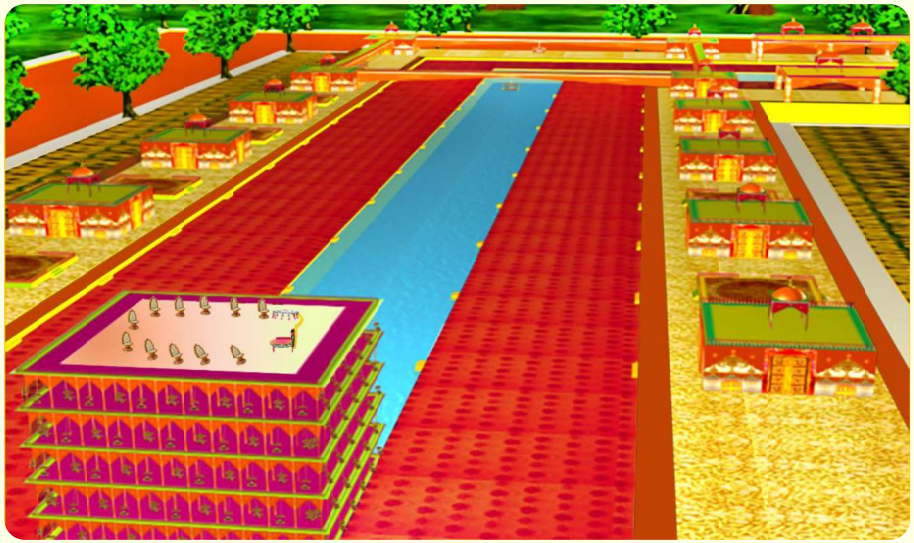

90 देहुरियाँ (पाल पर, मरोड़ से हौजकौसर तक)

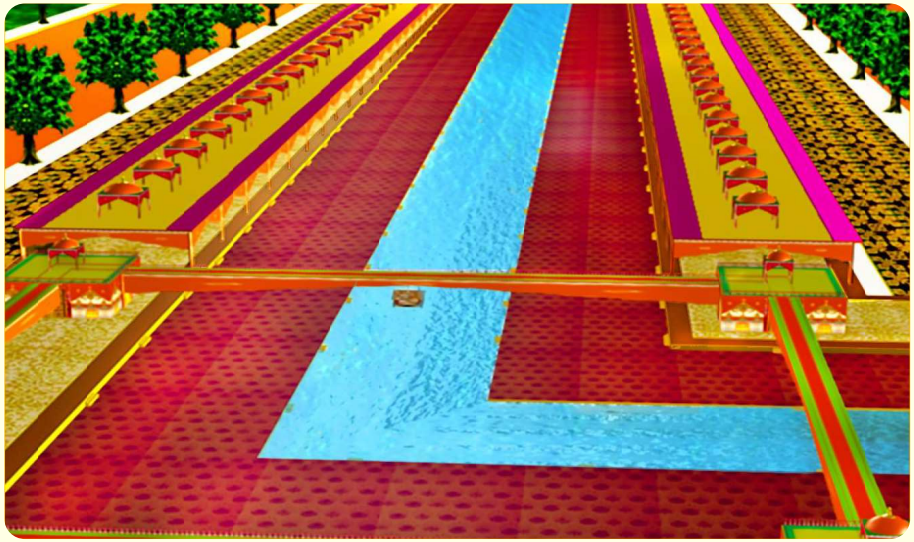

नक्शा नं. 64 हौज कौसर तालाब की शोभा

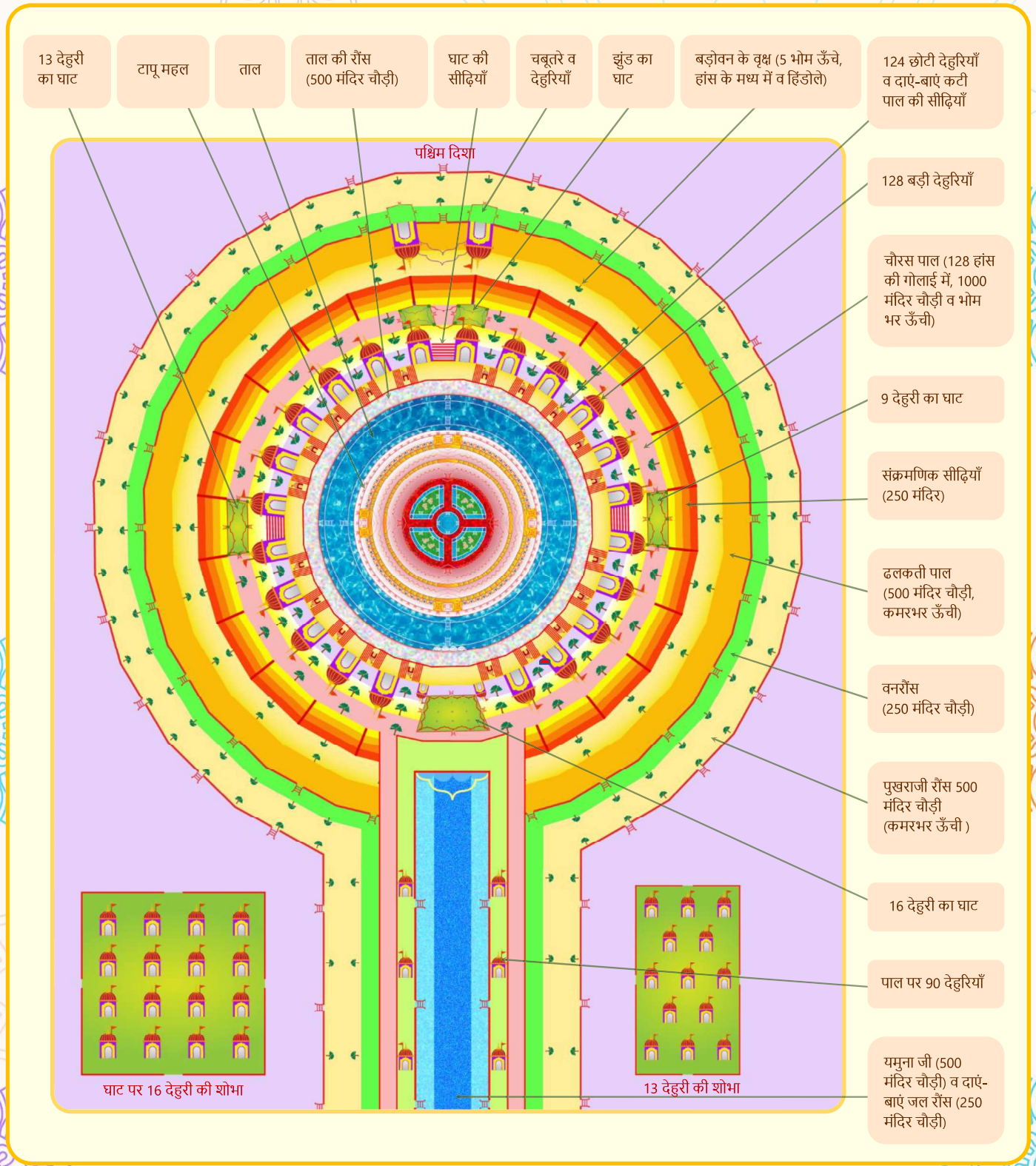

हौज कौसर ताल/तालाब की शोभा

नक्शा नं. 65(अ) हौज कौसर ताल : 9 देहुरी का घाट व 13 देहुरी का घाट

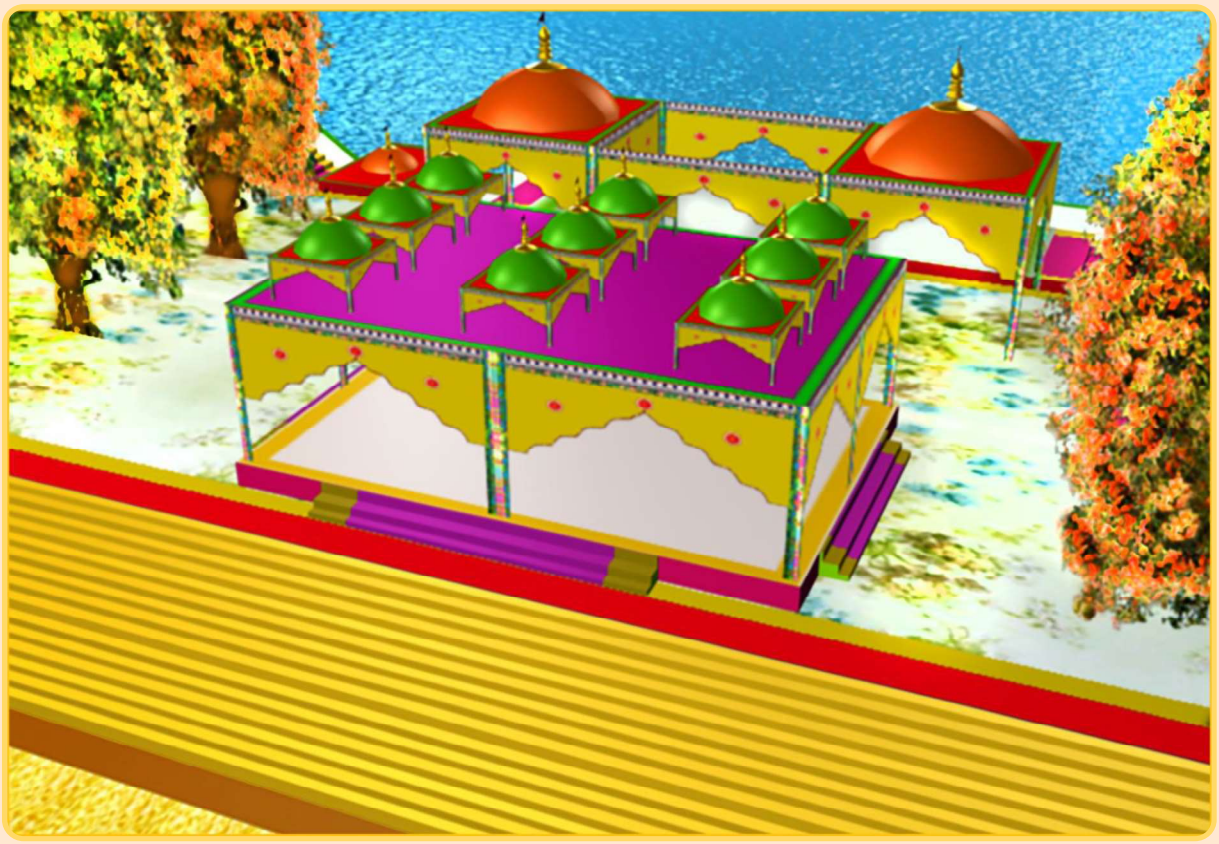

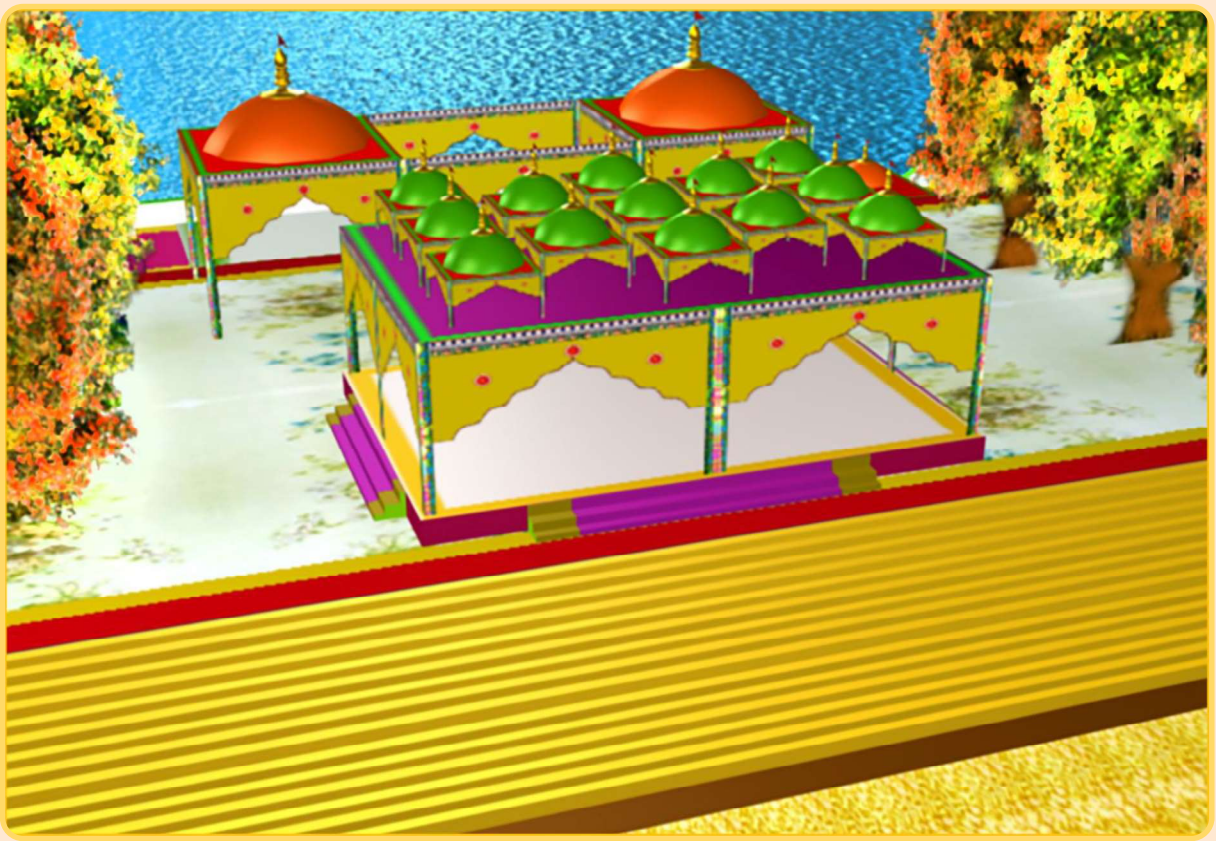

नक्शा नं. 65(ब) हौज कौसर ताल : झुंड के घाट की शोभा

नक्शा नं. 66(अ) हौज कौसर तालाब : पाल के अंदर के महल/मंदिर

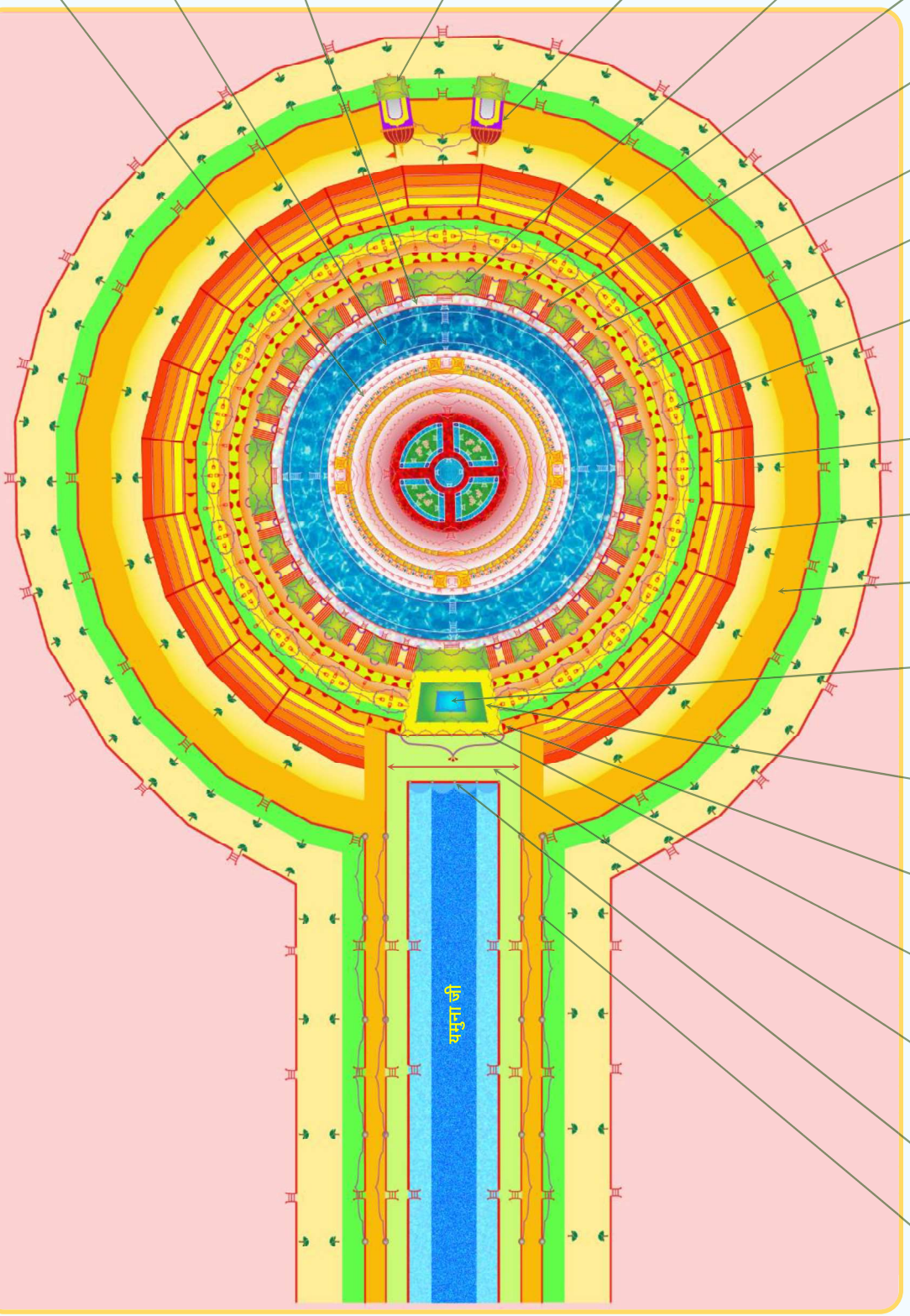

नक्शा नं. 66(ब) हौज कौसर तालाब : पाल के नीचे की शोभा

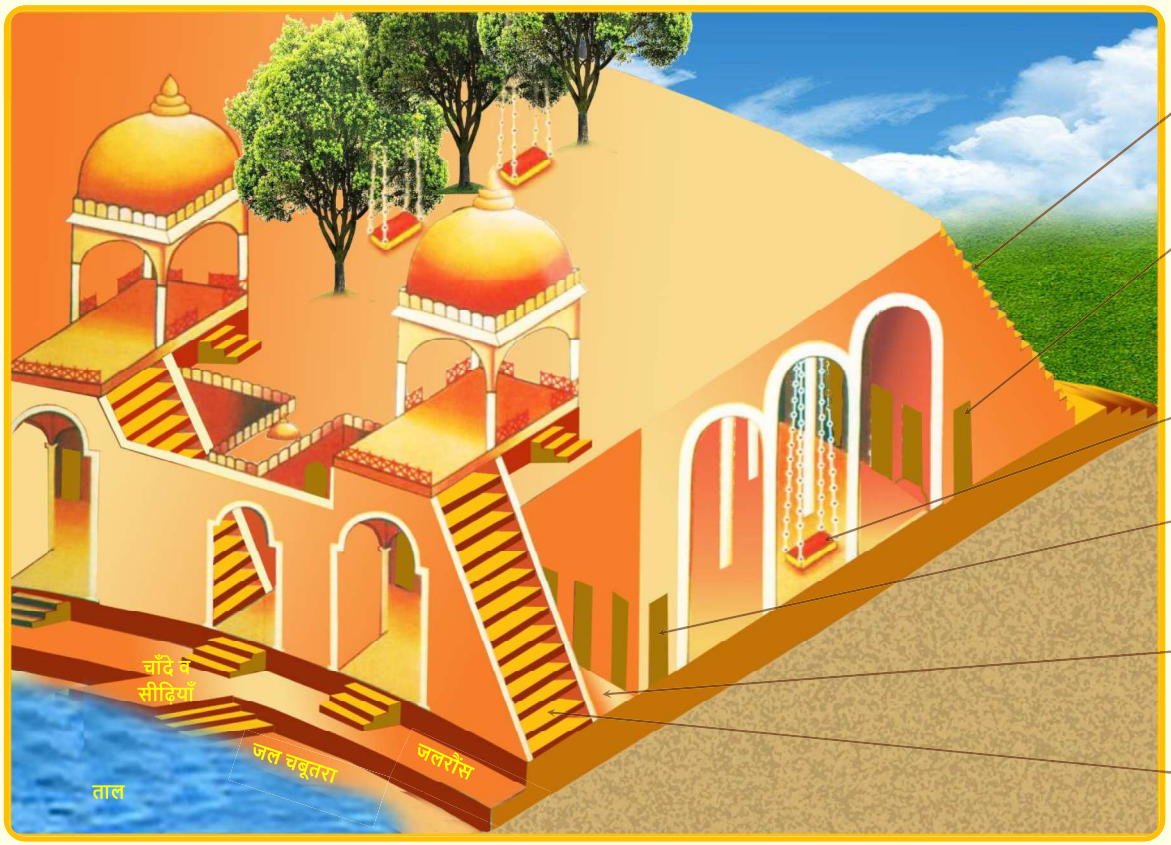

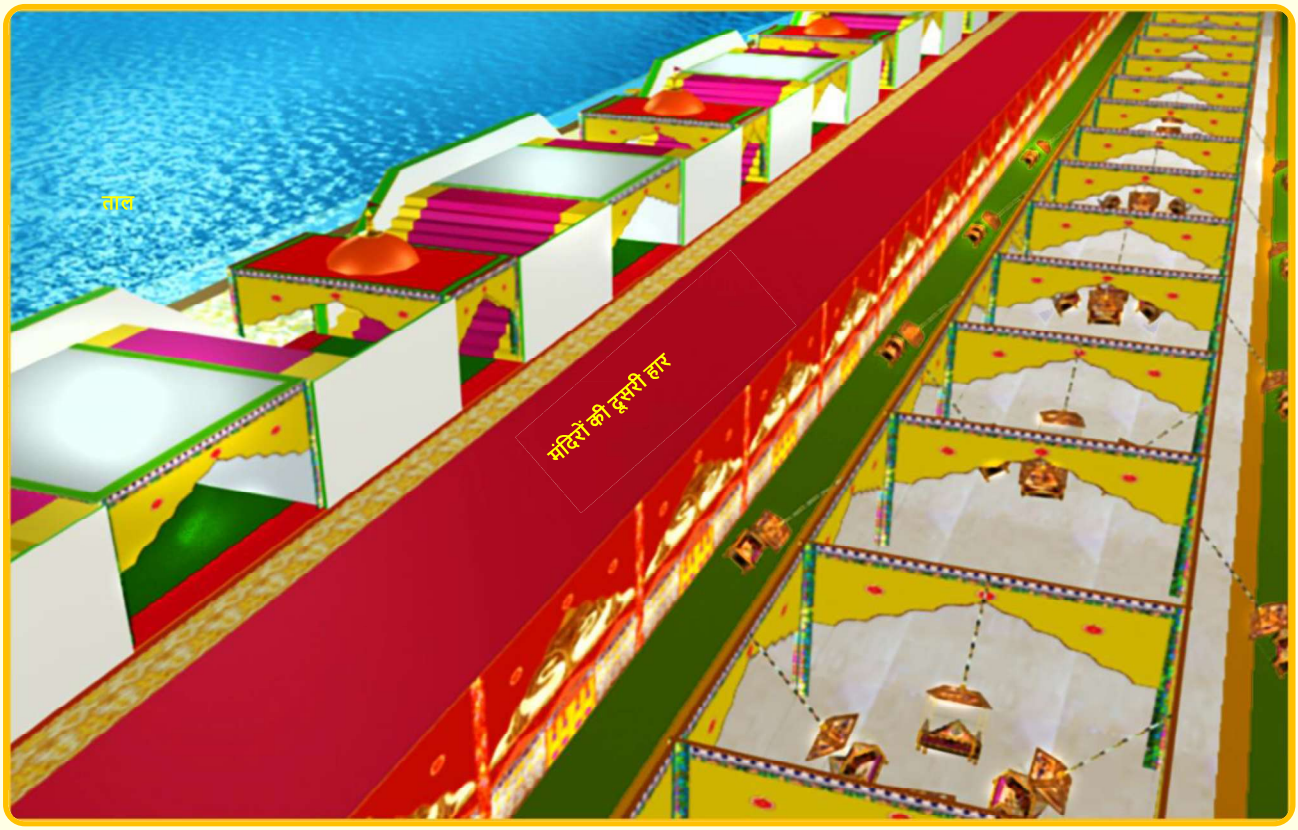

नक्शा नं. 67 सोलह देहुरी के घाट की शोभा

16 देहुरी के घाट की शोभा

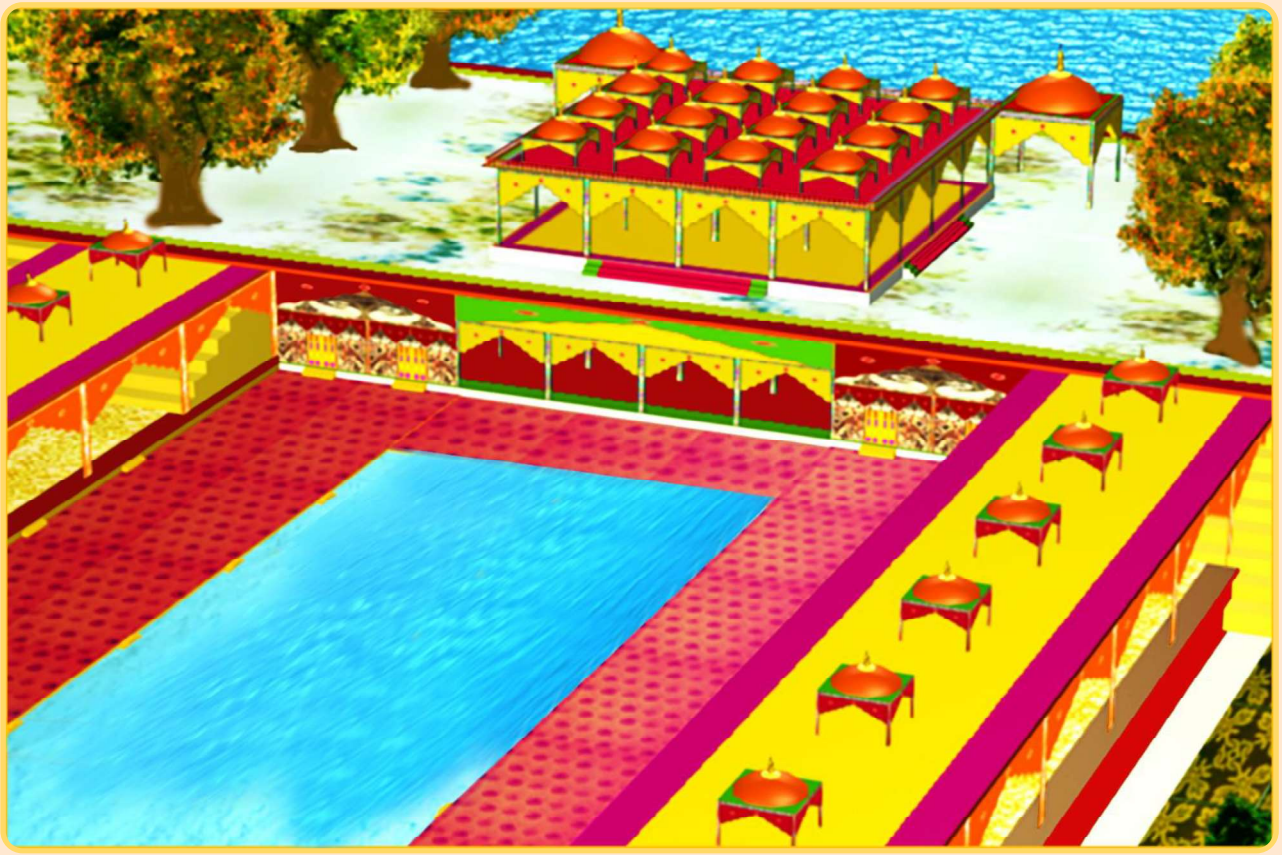

16 देहुरी के घाट की प्रथम भोम की शोभा

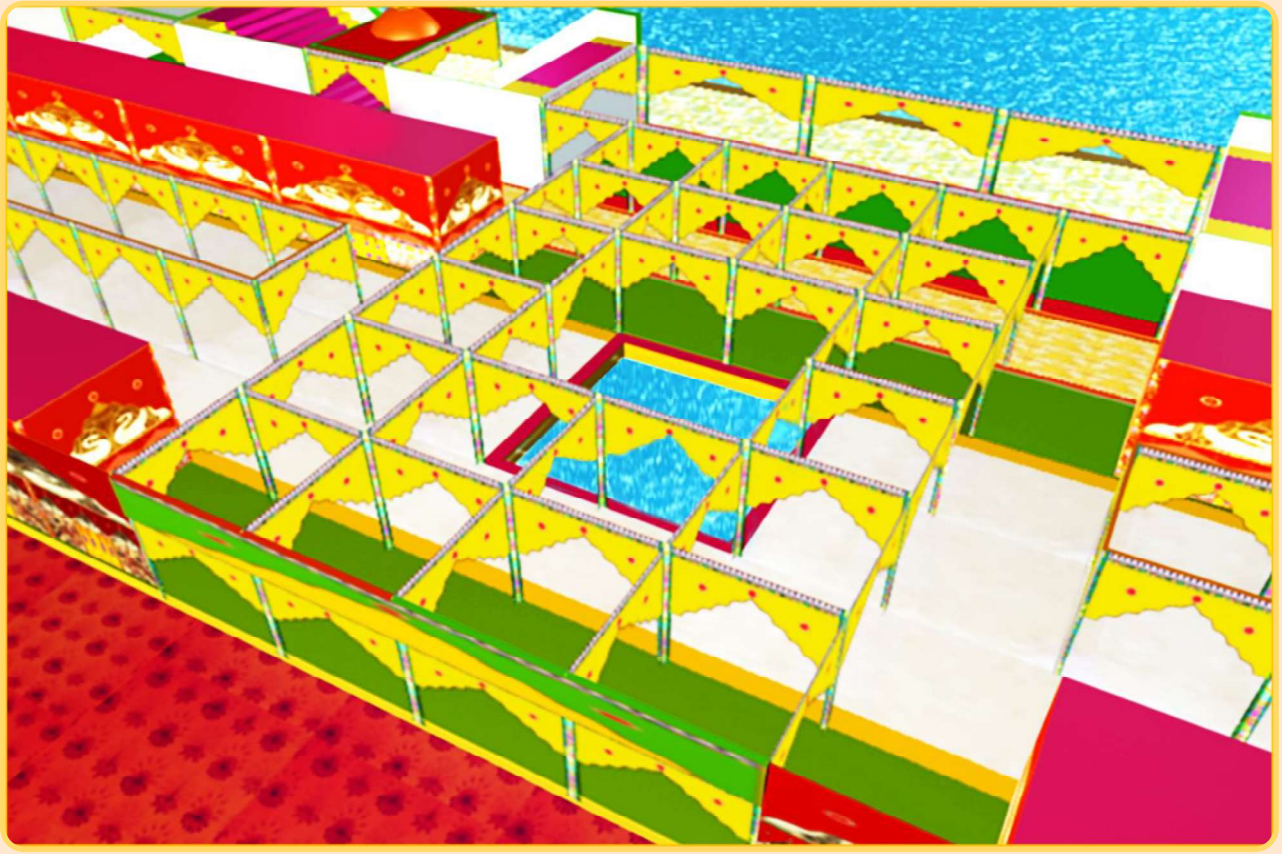

¡¡ नक्शा नं. 68 चौरस पाल पर बड़ी देहुरियाँ, छोटी देहुरियाँ व कटी पाल की शोभा ¡¡

हौज कौसर ताल : चौरस पाल व कटी पाल की शोभा

कटी पाल की शोभा

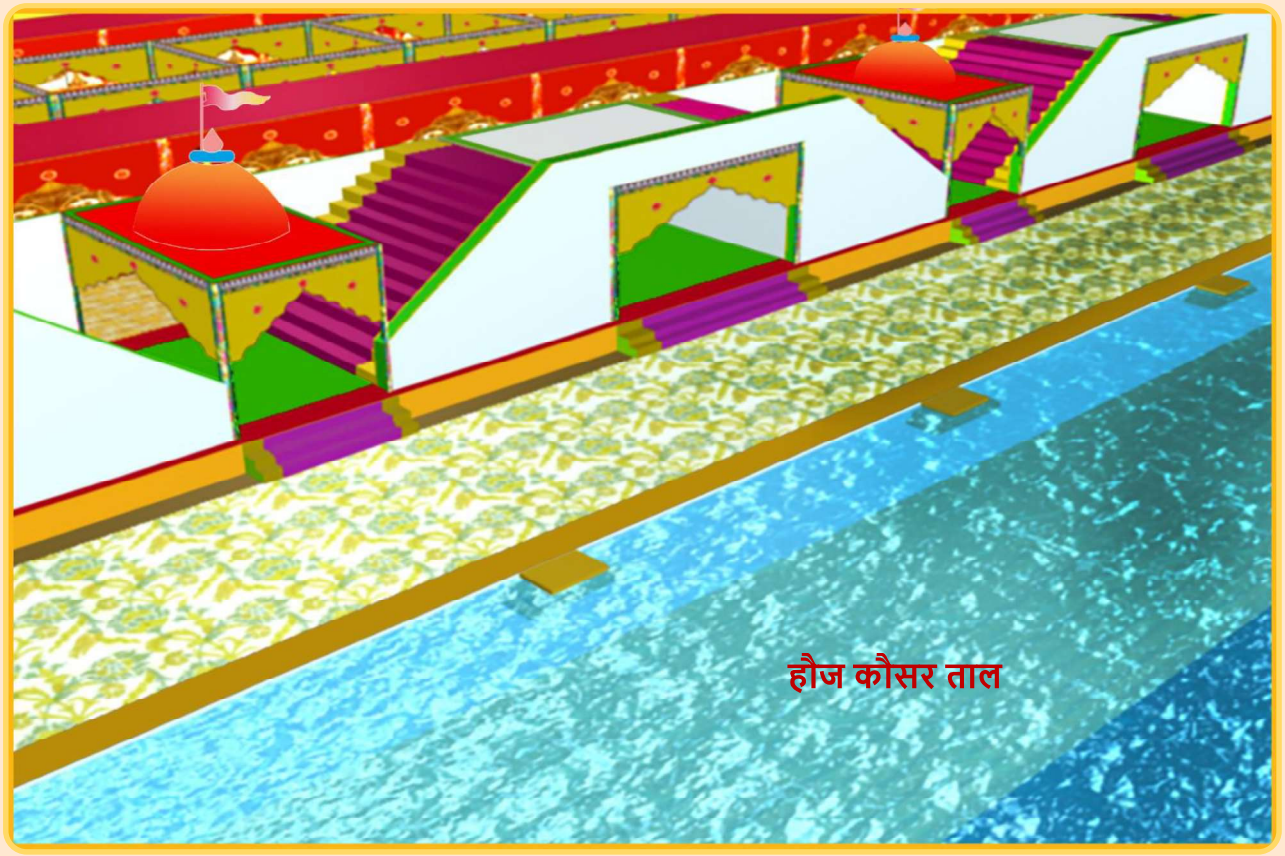

कटी पाल की शोभा

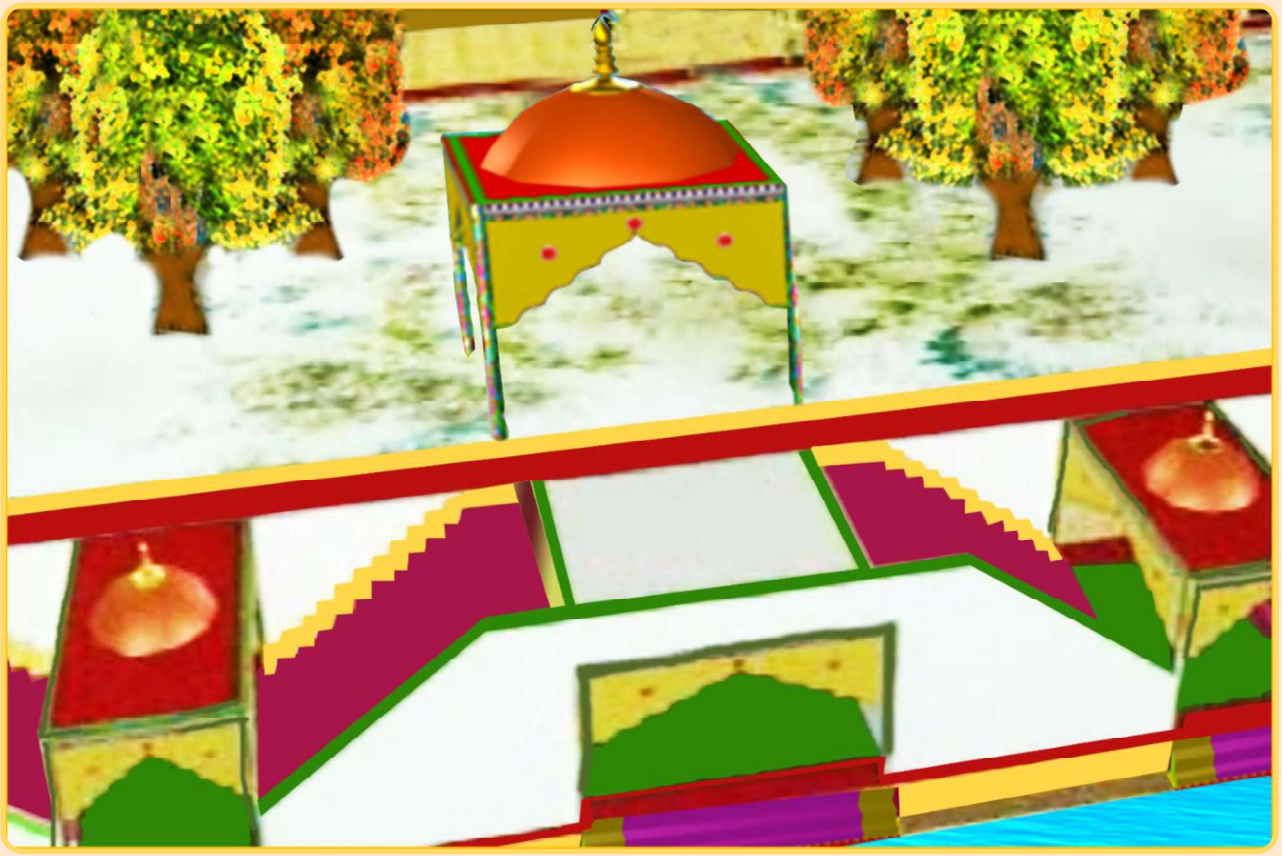

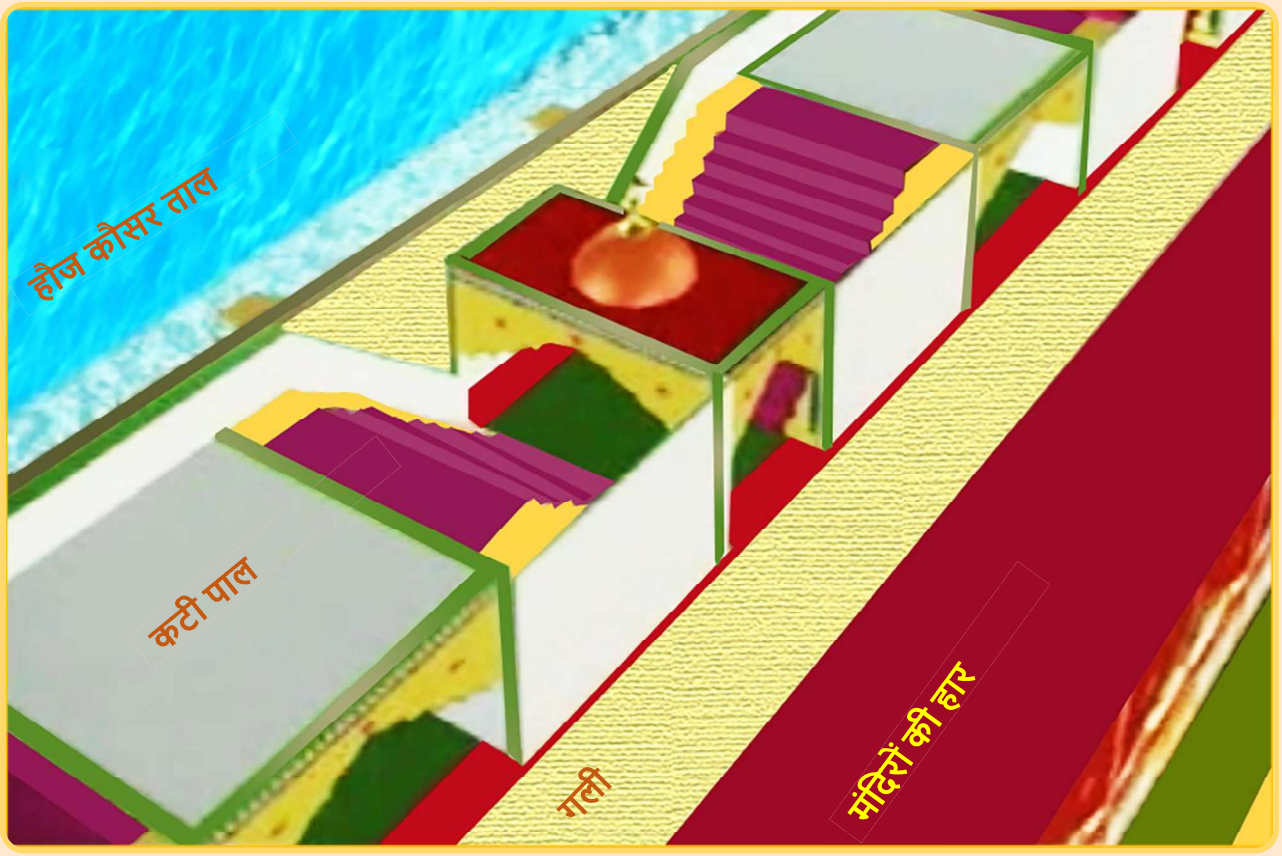

नक्शा नं. 69 हौज कौसर ताल : टापू महल की शोभा

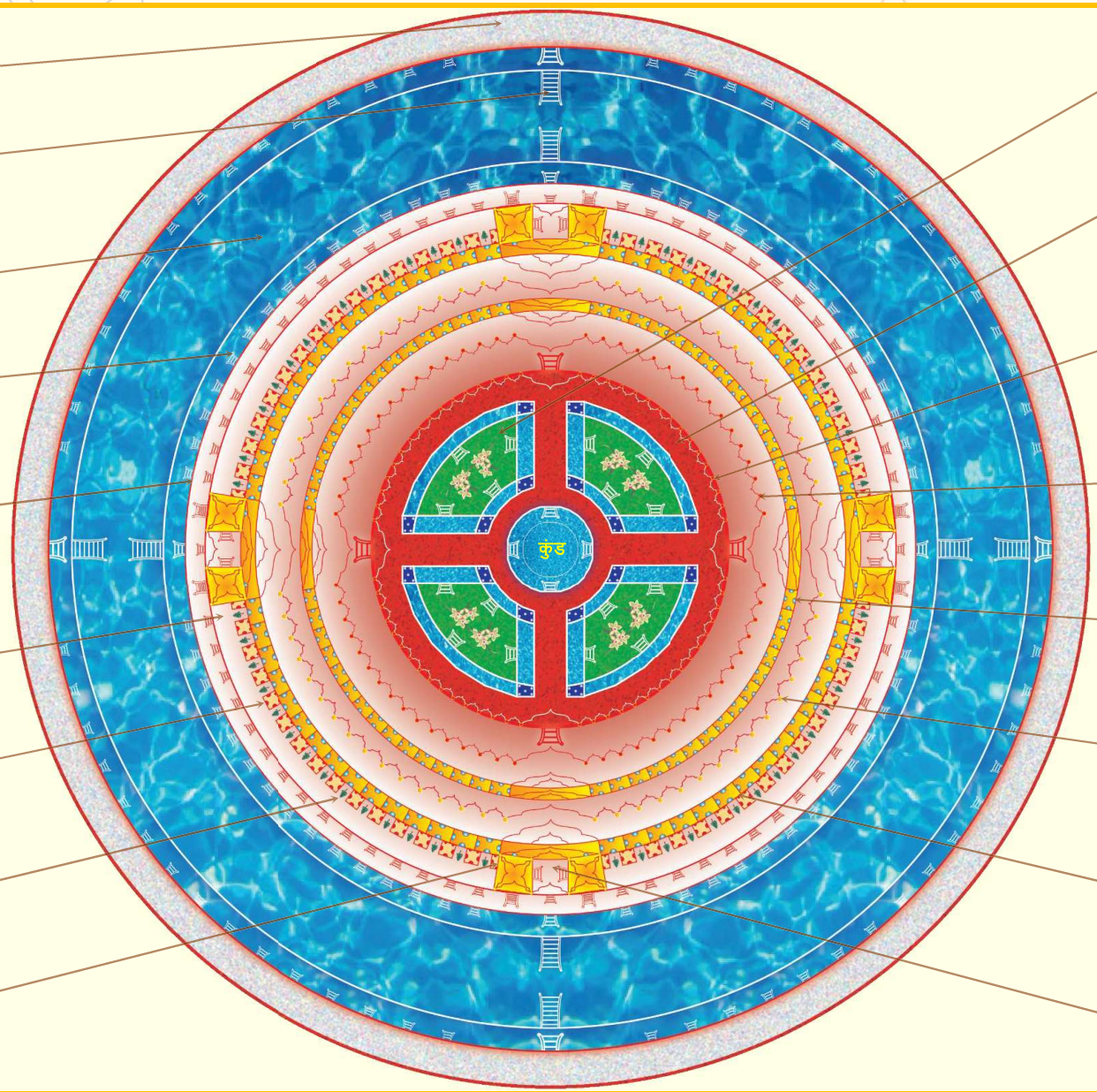

जल रौंस

सीढ़ियाँ
(जल की जमीन तक)

हौज कौसर ताल

3 सीढ़ियाँ (जल चबूतरे पर)
(कमरभर गहरे जल में)

टापूमहल (6000 मंदिर लम्बा-चौड़ा, 64 पहल का, 3 भोम ऊँचा)

परिक्रमा रौंस
(250 मंदिर चौड़ी)

64 गुर्ज
(125 मंदिर लम्बे-चौड़े)

वन

आधे गुर्ज बड़े दरवाजे के दाएं-बाएं (62.5 मंदिर चौड़े 125 मंदिर लम्बे)

बगीचे

बैठक

चबूतरा (कमरभर ऊँचा) व किनार पर थंभों की तीसरी हार

थंभों की दूसरी हार

मंदिरों की दूसरी हार व 4 बड़े दरवाजे

थंभों की पहली हार

60 मंदिर की पहली हार व 4 बड़े दरवाजे

बड़ा दरवाजा व चबूतरा

हौज कौसर ताल में टापू महल की शोभा

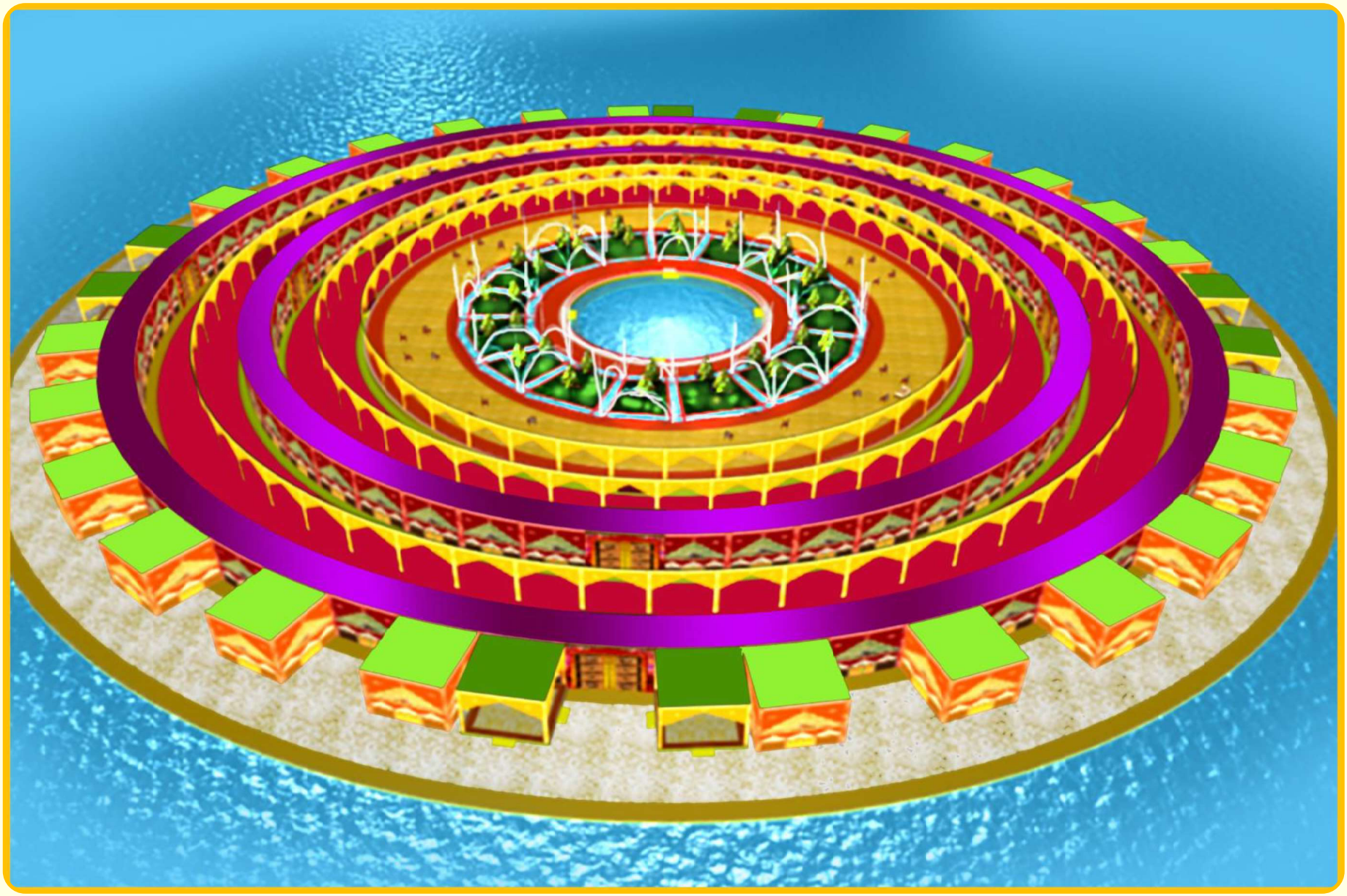

नक्शा नं. 70 हौज कौसर : टापू महल की चाँदनी

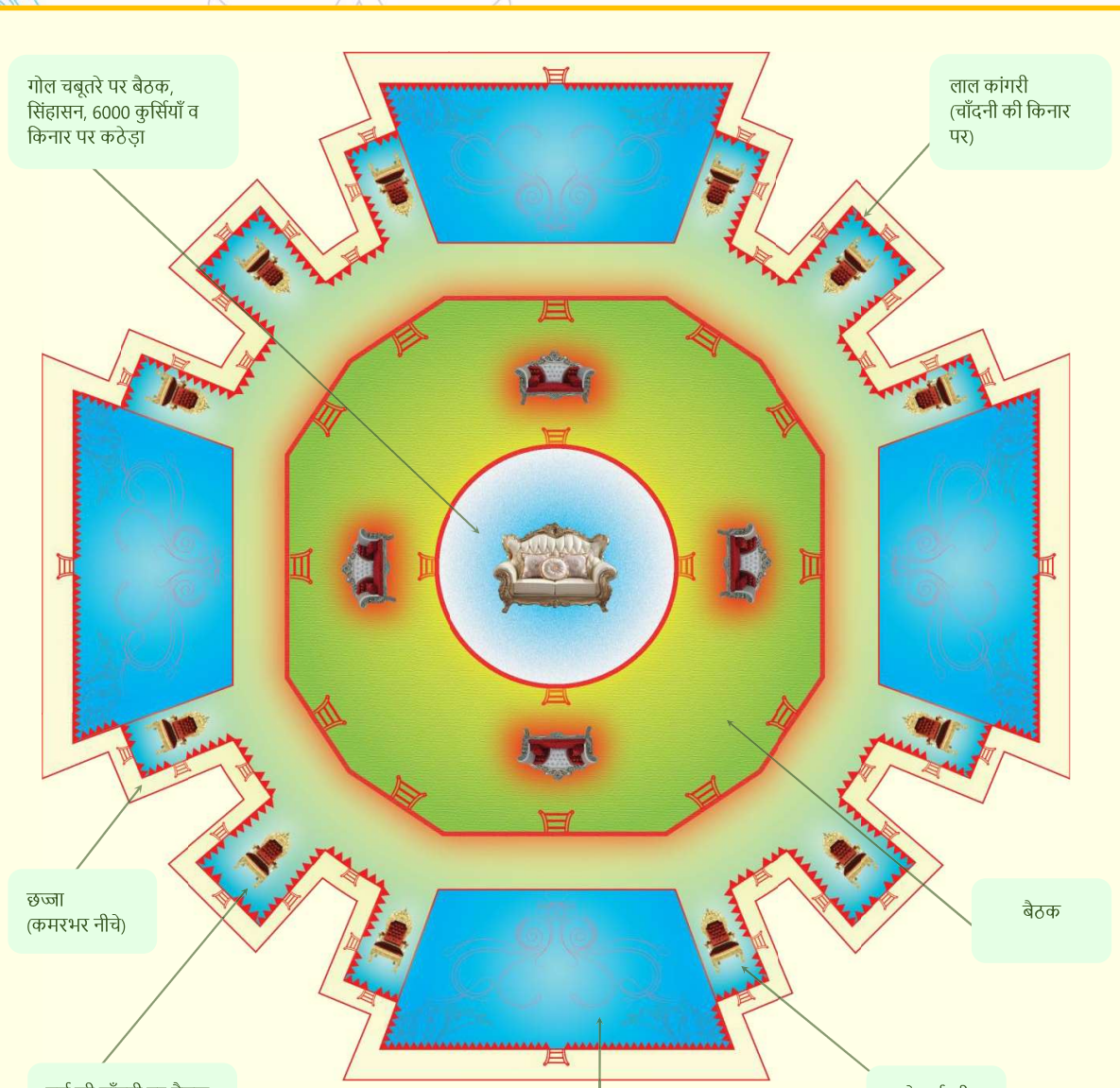

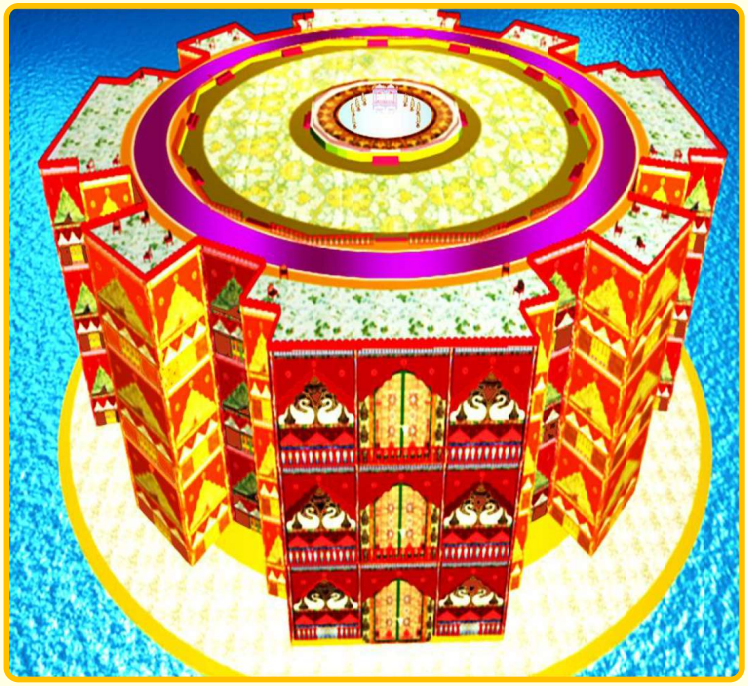

नक्शा नं. 71 कुंज-निकुंज वन की शोभा

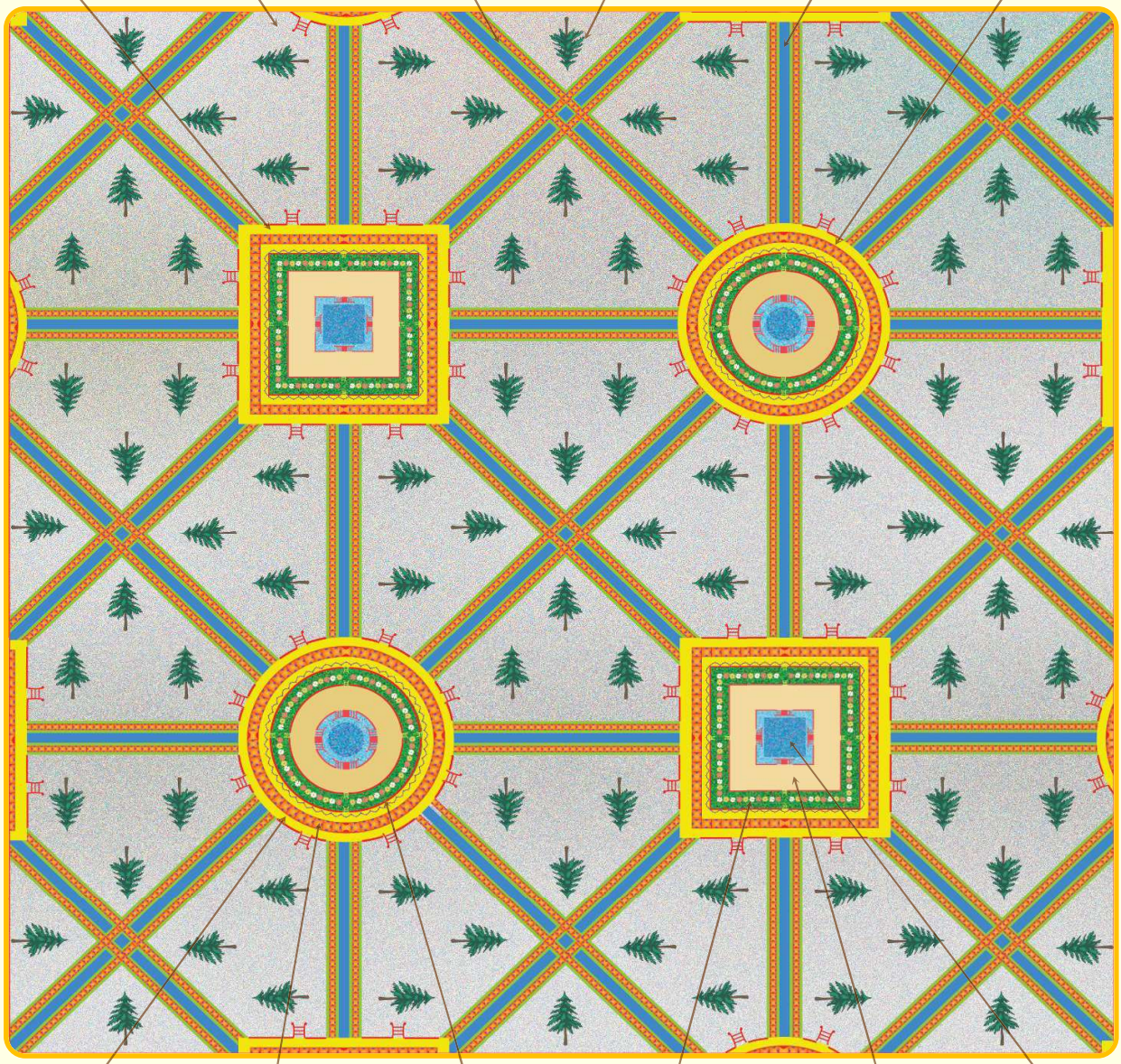

सब साज इन मंदिरन में, फूलन को विस्तार।
सुगंध इन मंदिरन की, सो जानत परवरदिगार।।

कुंज वन की शोभा

निकुंज वन की शोभा

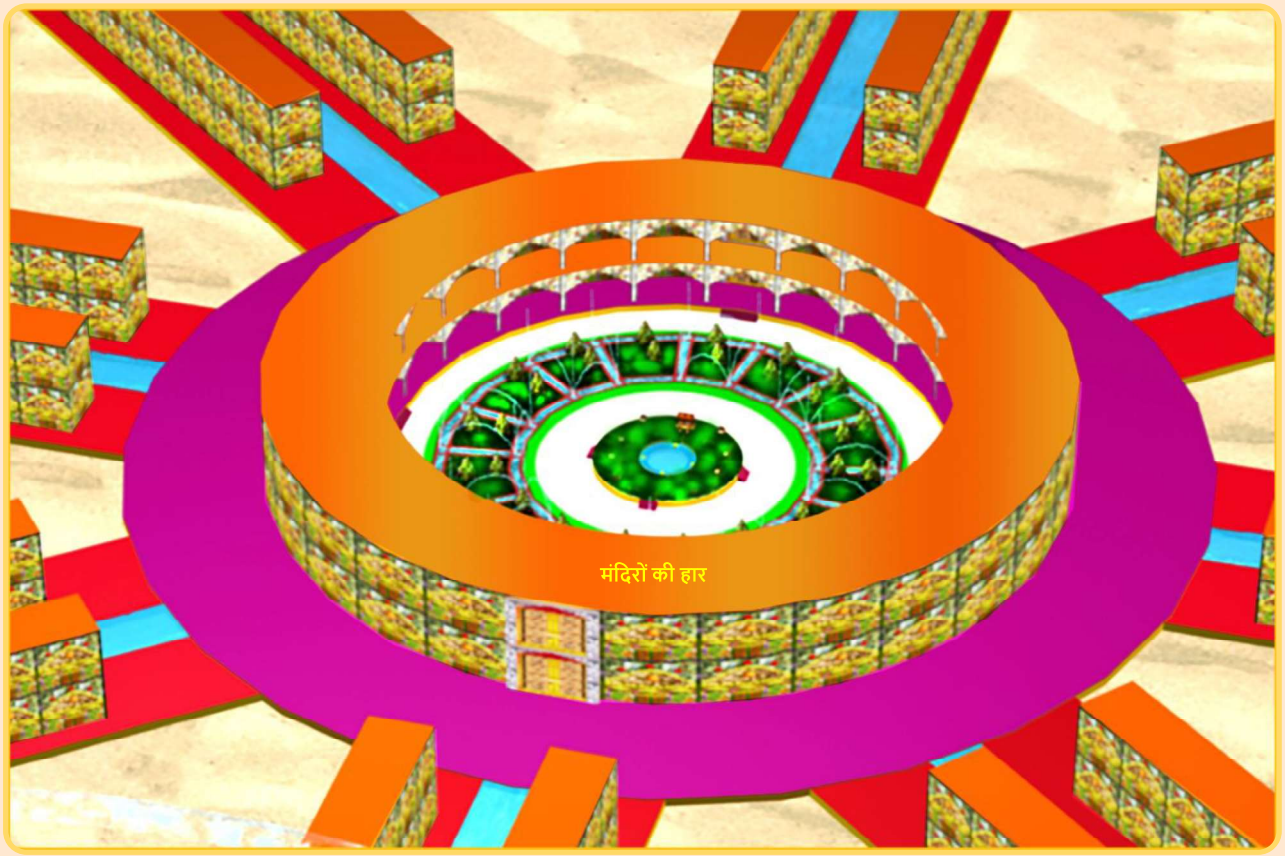

नक्शा नं. 72 चौबीस हांस का महल की शोभा

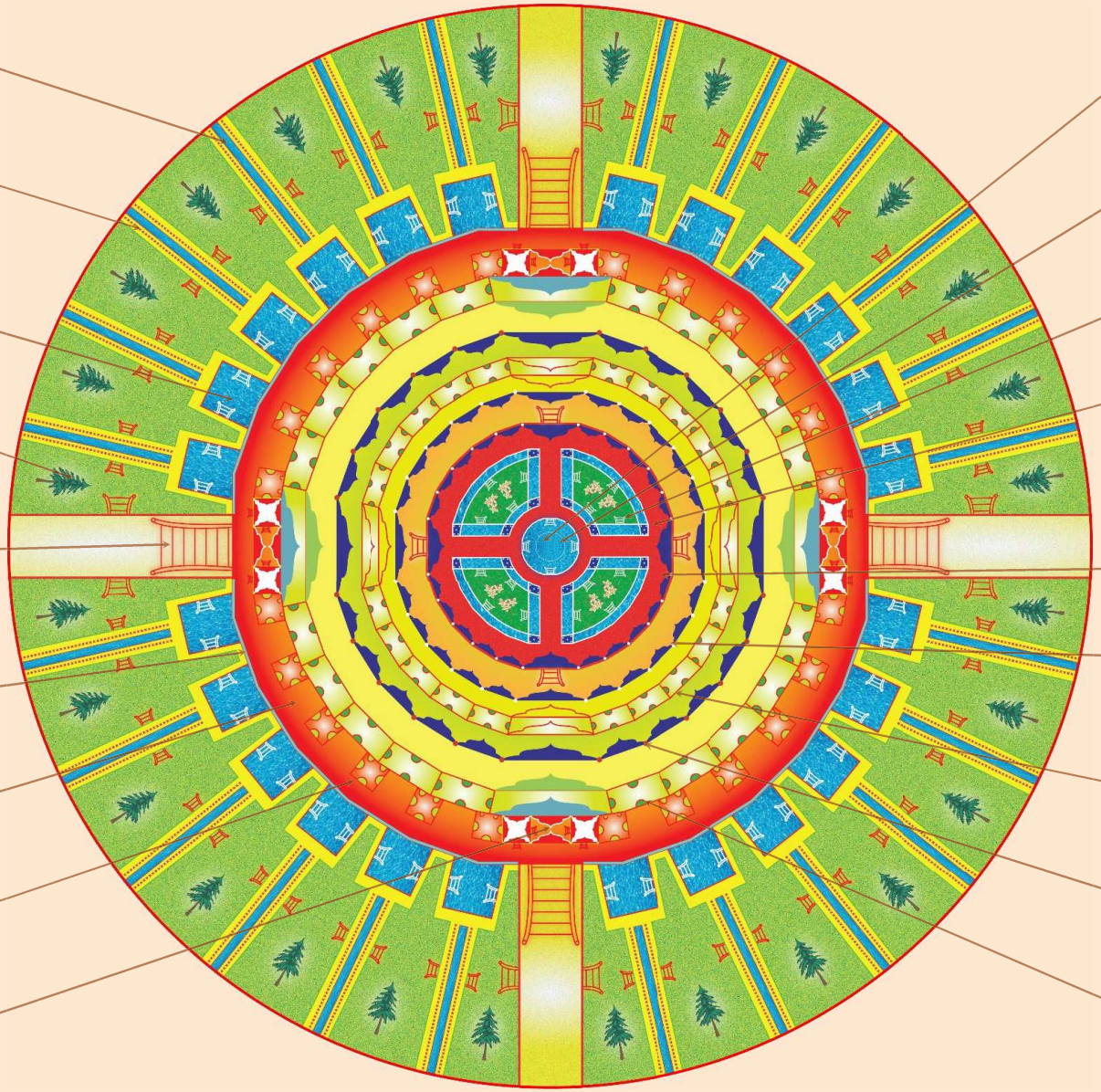

24 नहरें

पाल पर 2 भोम ऊँचे महल व दाएं-बाएं रौंस

24 कुंड (धाम जमीन पर)

बगीचे में 2 भोम ऊँचे वृक्ष

सीढ़ियाँ (भोमभर ऊँची)

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

परिक्रमा रौंस

24 गुर्ज

दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे

स्तून

ताल/कुंड

बगीचे

बैठक

गोल चबूतरा (कमरभर ऊँचा) व थंभों की तीसरी हार

थंभों की दूसरी हार

20 मंदिरों की दूसरी हार

थंभों की पहली हार

20 मंदिरों की पहली हार

और महल चौबीस हांस को, बड़ी नहरें और जोए ।
और तालाब मानक, चार हार हवेली होए ।।

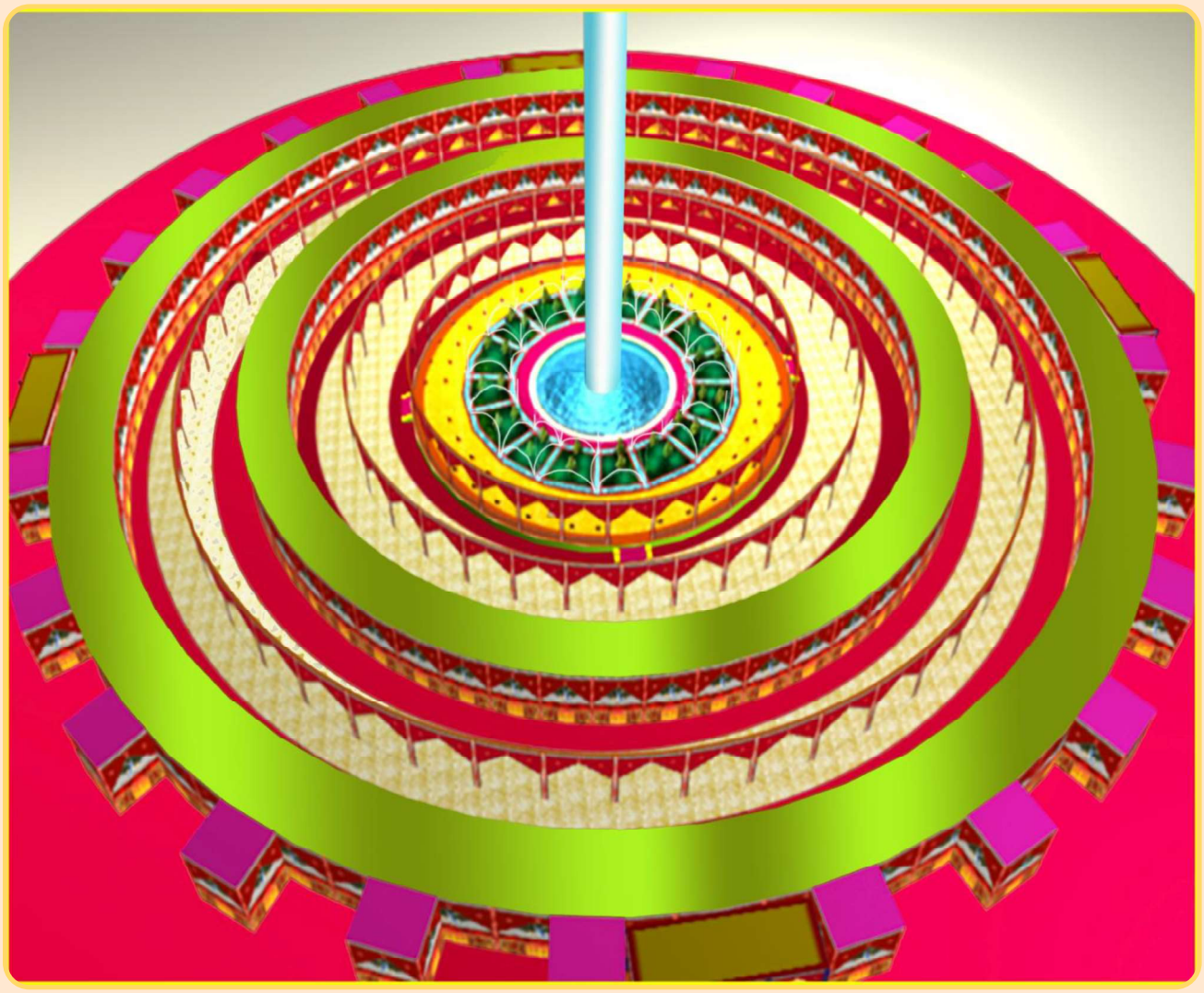

तालाब मानक बीच में, चौबीस फुहारे उछलत ।
चौबीस गुरजों चादरें, कुंड लहरें तलाबे इत ।।

नक्शा नं. 73 चौबीस हांस का महल : बड़ा दरवाजा व बाहर चारों ओर बगीचों की शोभा

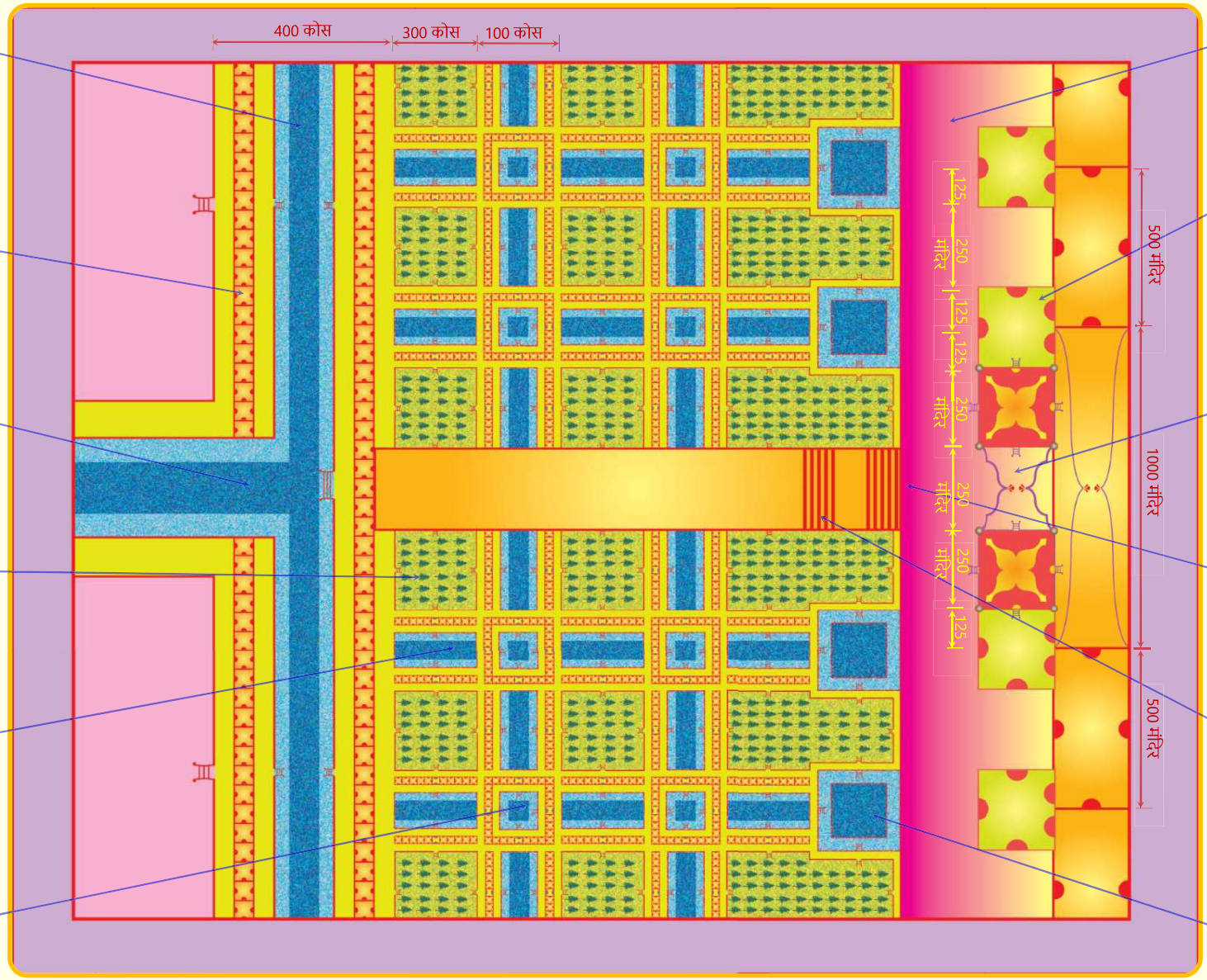

बड़ी नहर
(400 कोस चौड़ी)

2 भोम ऊँचे
महल (नहर के दाएं –
बाएं पाल पर)

जवेरों की पहली नहर
में जाता जल

बगीचे में
2 भोम ऊँचे वृक्ष

आड़ी-खड़ी नहरें
(24 नहरों की 24 हारें)

ताल
(24 की 24 हारें)

परिक्रमा रौंस

गुर्ज
(250 मंदिर लम्बे-
चौड़े)

बड़ा दरवाजा व दाएं –
बाएं चबूतरे

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

भोमभर सीढ़ियाँ

24 कुंड धाम जमीन
पर (गुर्जों के सामने)

24 हांस का महल : दिशा के बड़े दरवाजे की शोभा

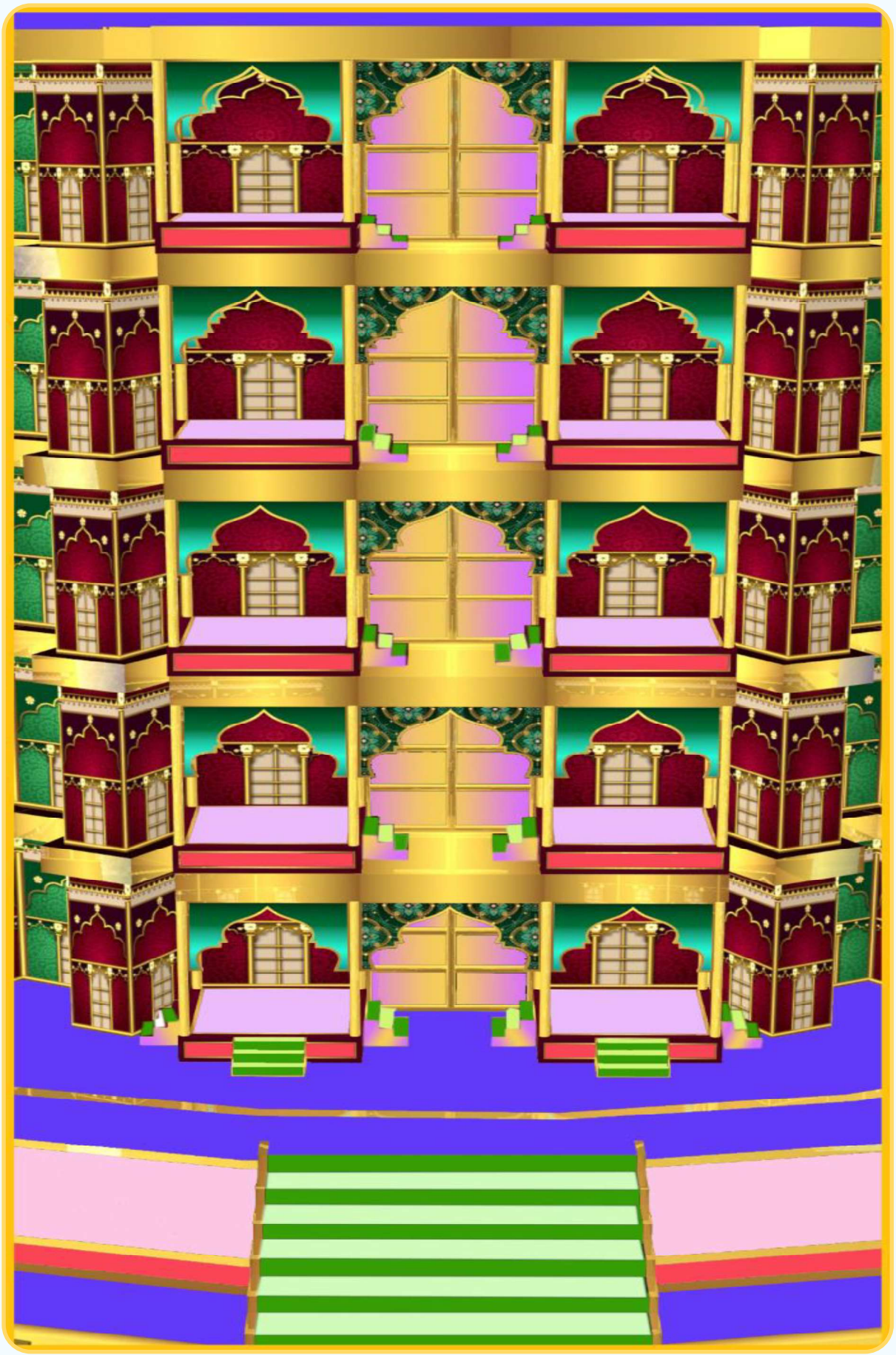

नक्शा नं. 74 चौबीस हांस के महल की छठी चाँदनी व बाहर के महलों और तालों की शोभा

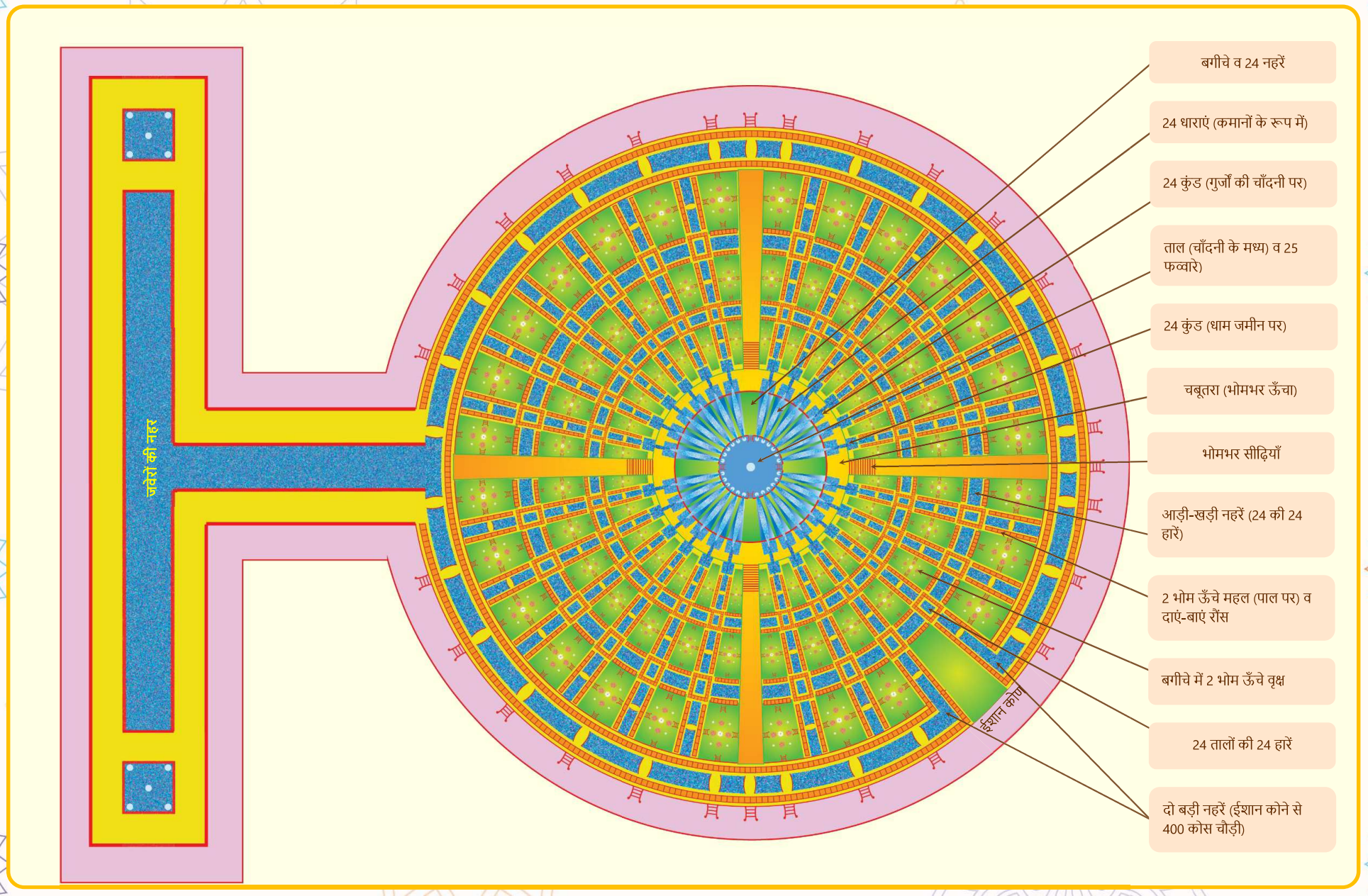

चौबीस फुहारें बीच में, परें चौबीस गुरजें ।
तासों परें चौबीस चादरें, गिरद परें कुण्डें ।।

नक्शा नं. 75 चौबीस हांस के महल का खड़ा दृश्य

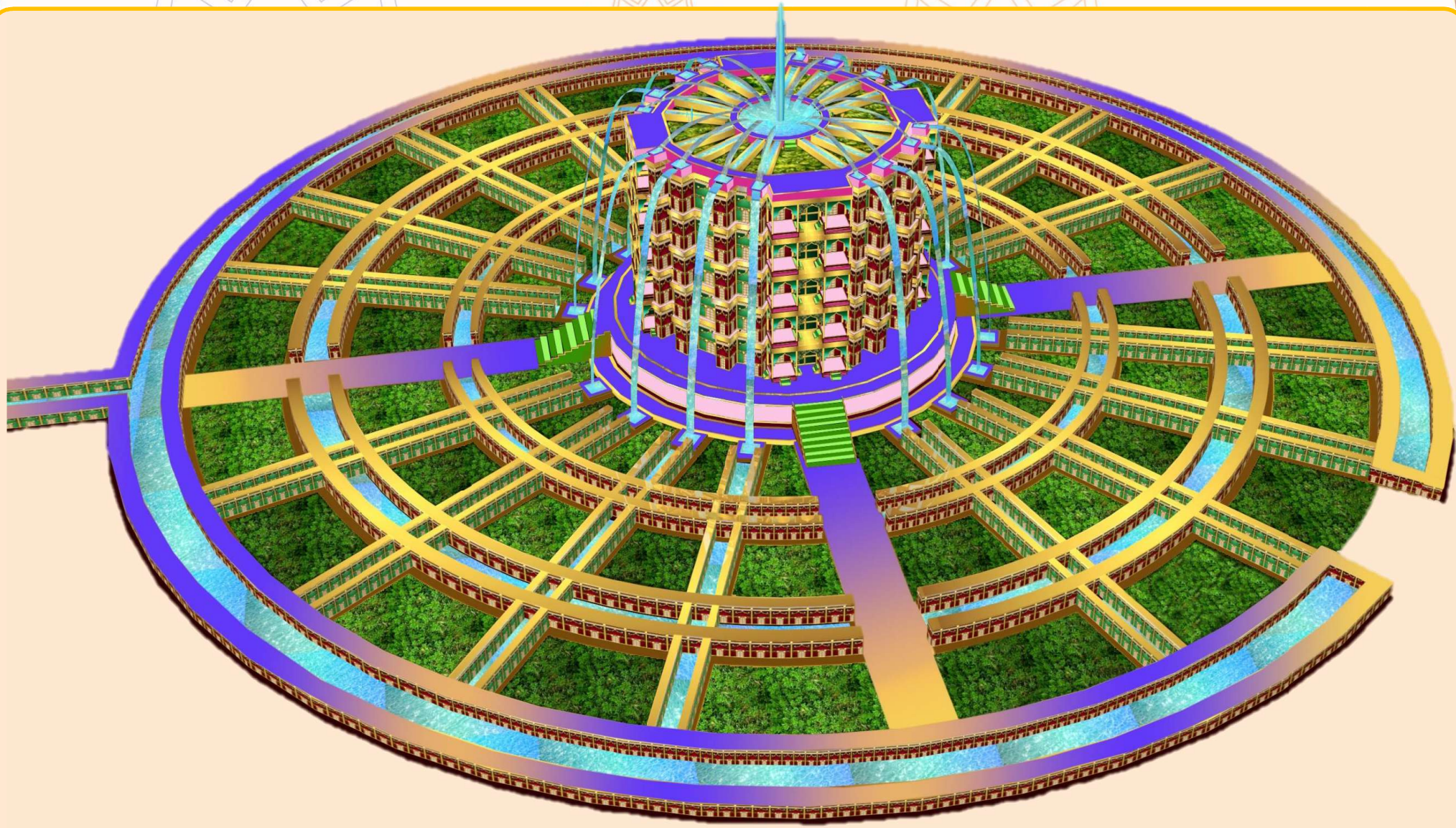

नक्शा नं. 76 (अ) जवेरों की नहरों (महलों) के 9 फिरावे

10 महानद जवेरों की नहरों में गोलाई में घेरकर (400 कोस चौड़ी)

9 फिरावे
(10 महानद के मध्य)

चौक (नहर सहित 50,000 कोस लम्बा-चौड़ा , कुल 124 चौक की 9 हारें)

नहरें (प्रत्येक चौक के चारों दिशाओं में)

चेहबच्चे
(प्रत्येक चौक के चारों कोनों में)व 5 फव्वारे

हवेली (भोमभर ऊँची, प्रत्येक चौक के मध्य के तीसरे हिस्से में)

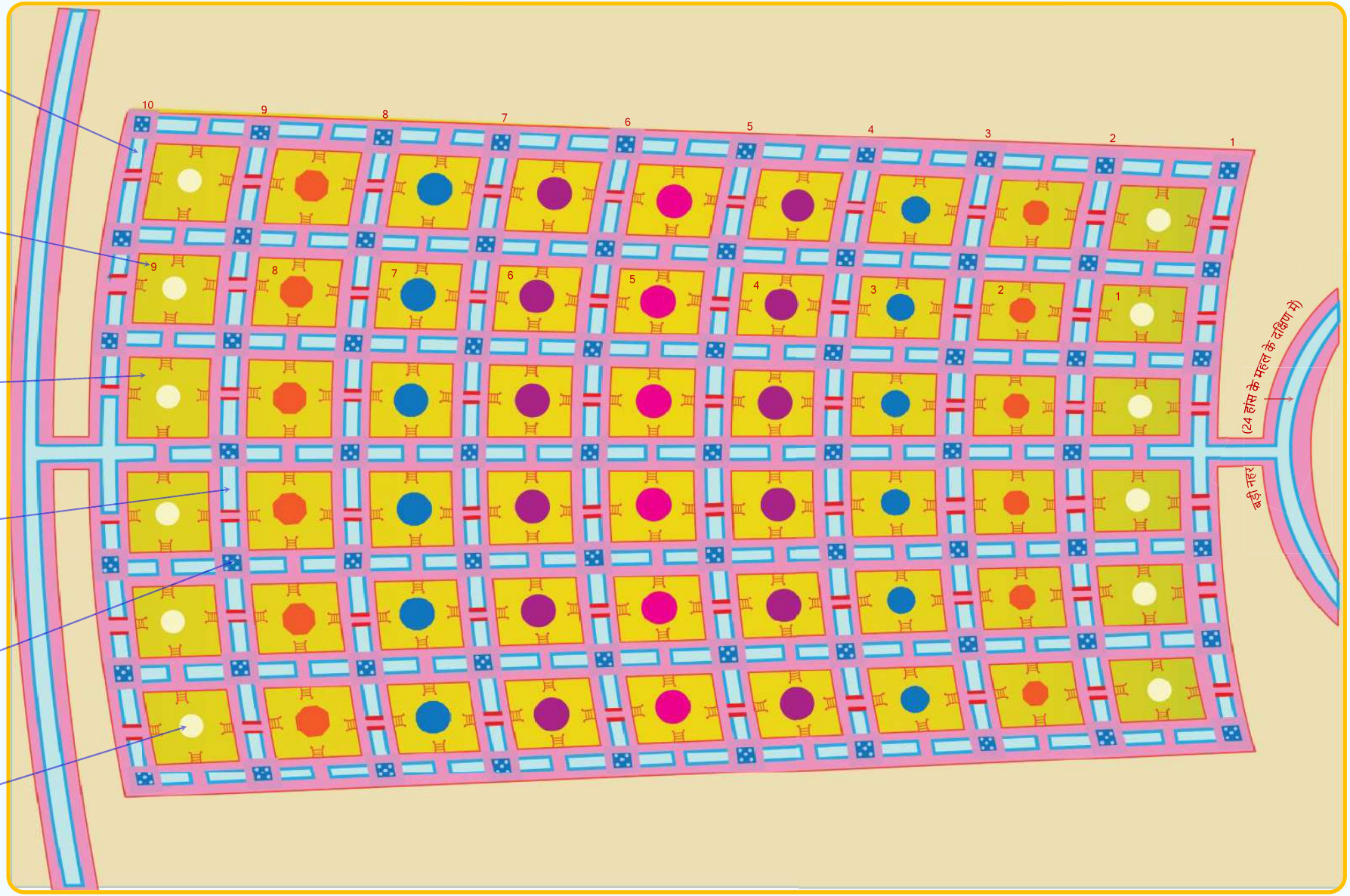

नक्शा नं. 76(ब) जवेरों की नहरों के नौ फिरावे

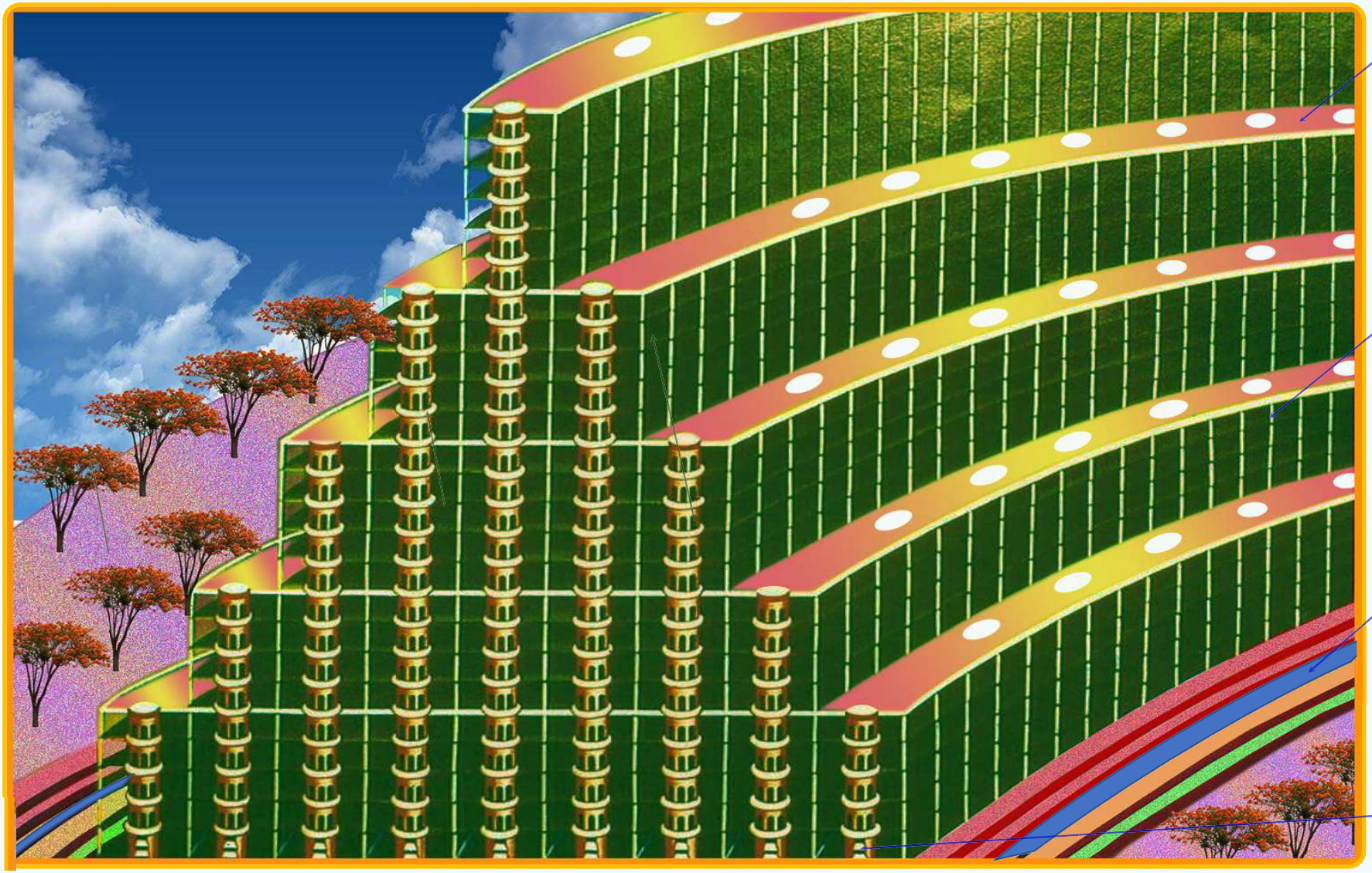

नौवां	आठवां	सातवां	छठा	पाँचवा	चौथा	तीसरा	दूसरा	पहला	फिरावा
4	8	16	32	64	32	16	8	4	भोम व पहल

नक्शा नं. 77 जवेरों की नहर : चार पहल की हवेली की शोभा

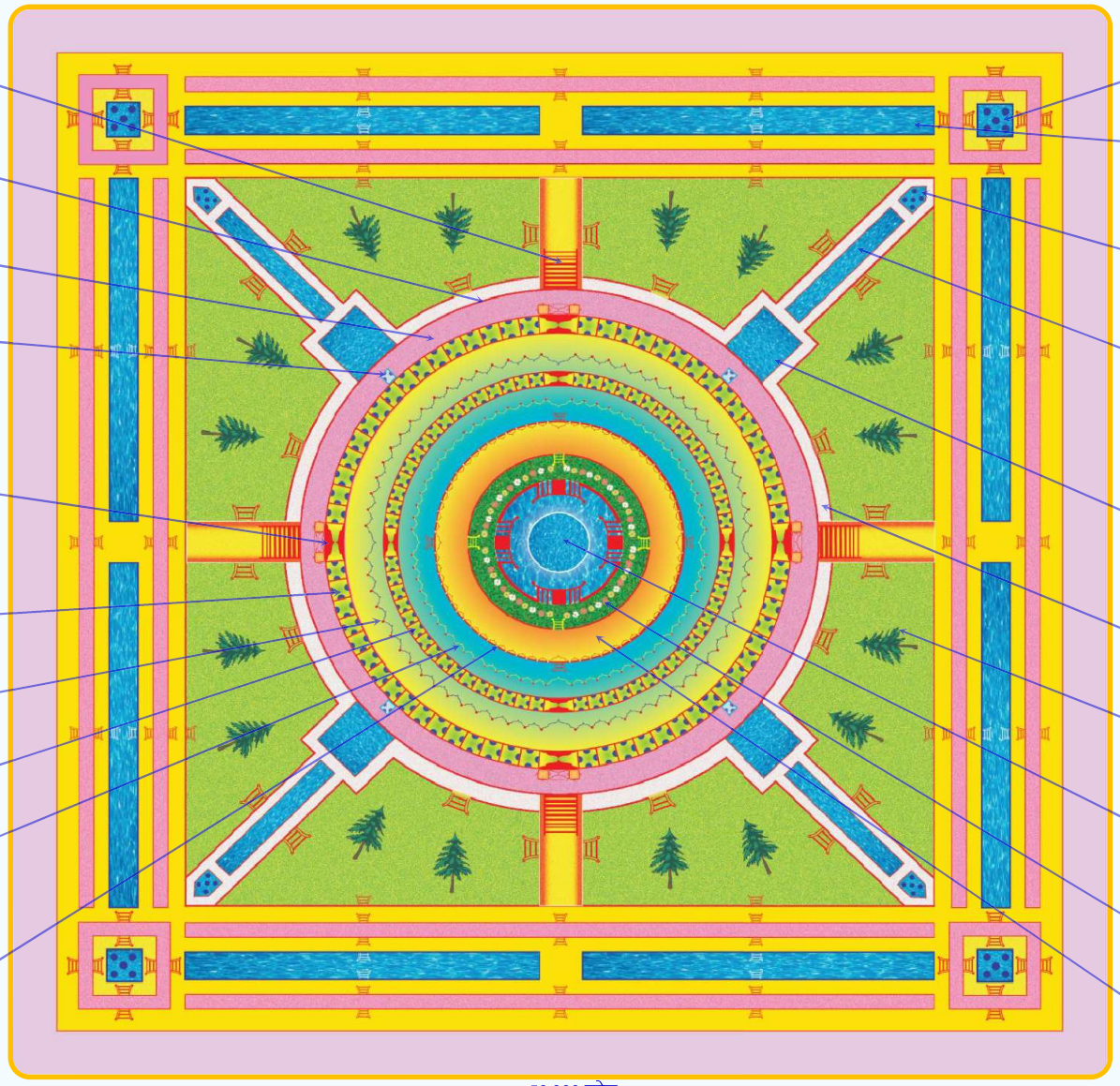

4 पहल की हवेली की अन्दर की शोभा

4 पहल की हवेली की चाँदनी की शोभा

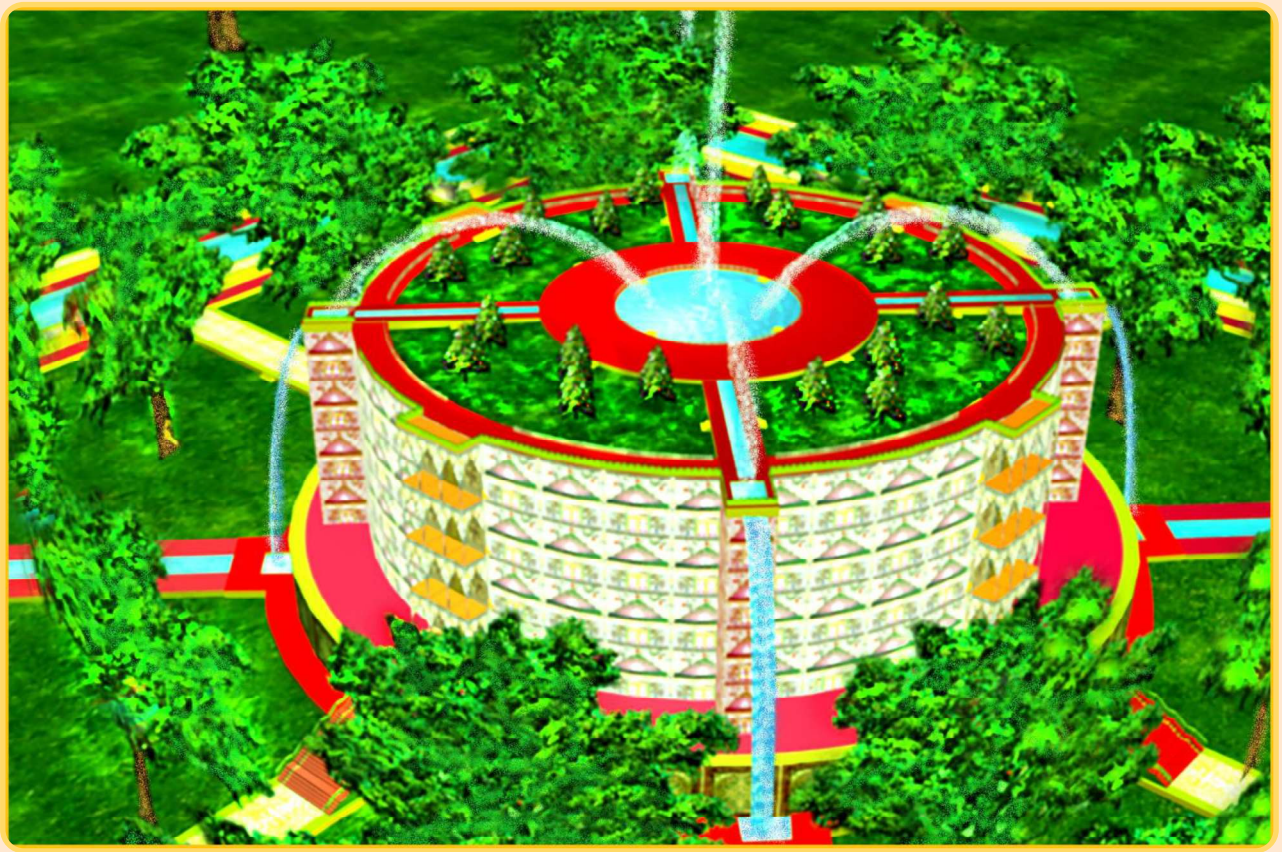

नक्शा नं. 78 जवेरों की नहर : हवेली में महलों की शोभा

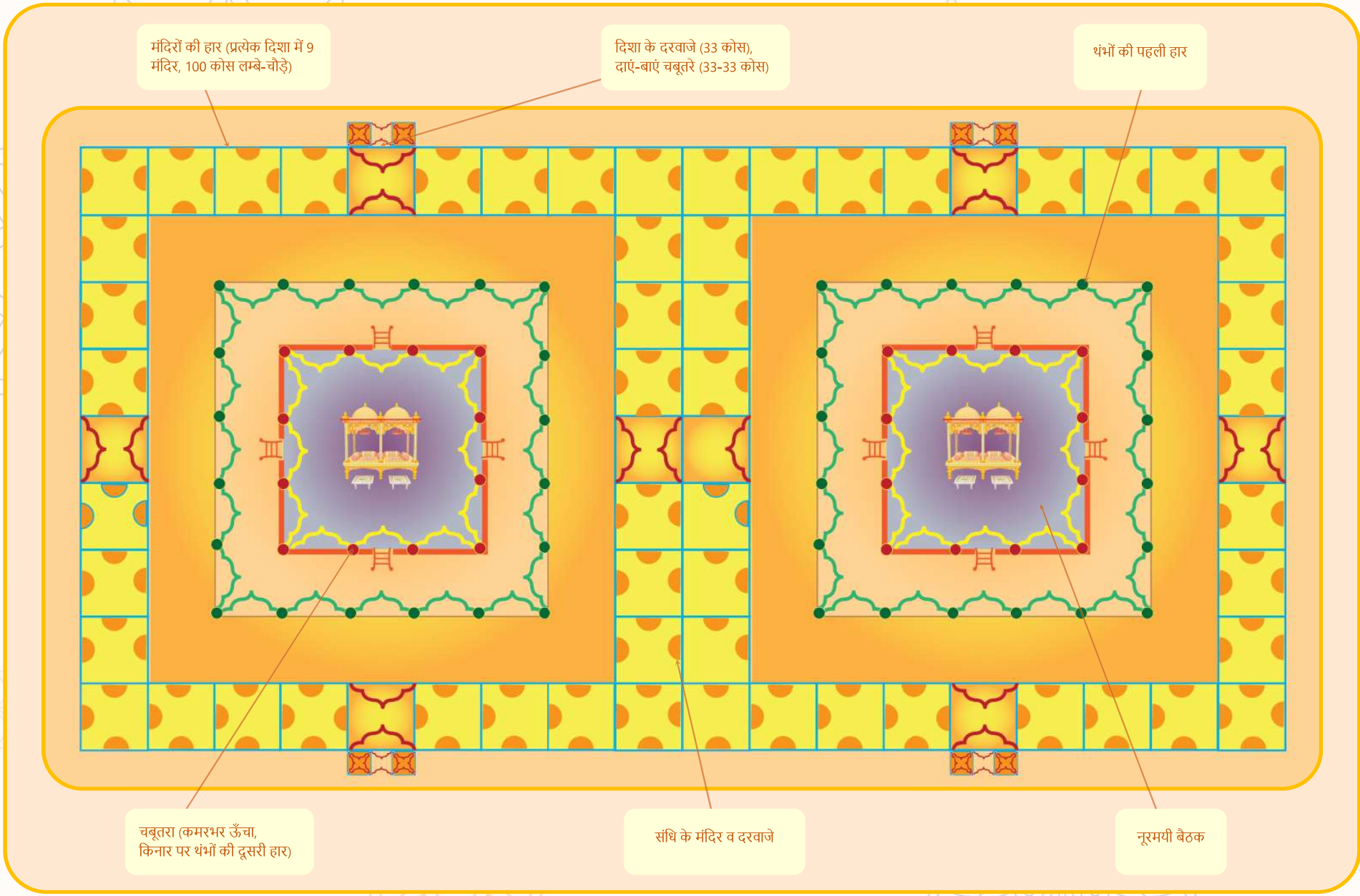

हर जातों मोहोल जुदे जुदे, जुदी जुगतें पानी चलत।
जुदी जुदी जुगतें कारंजें, क्यों कर कहूं एह सिफत।।

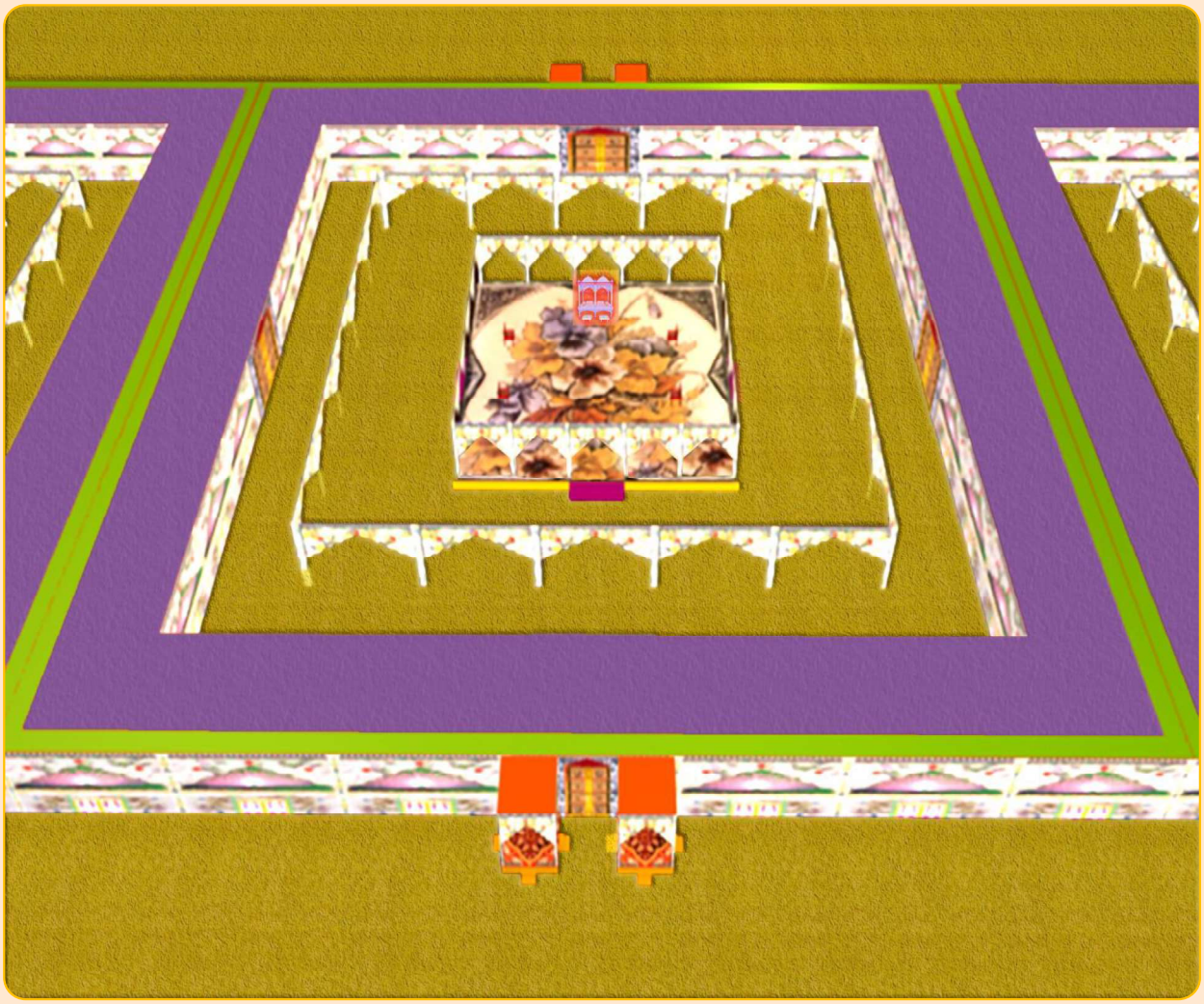

इन बड़े मोहोल सुख नेहेरों के, हमें कब देओगे खसम।
मांगे मंगाए जो देओ, सब हुआ हाथ हुकम।।

नक्शा नं. 79 जवेरों की नहर : आठ पहल की हवेली की शोभा

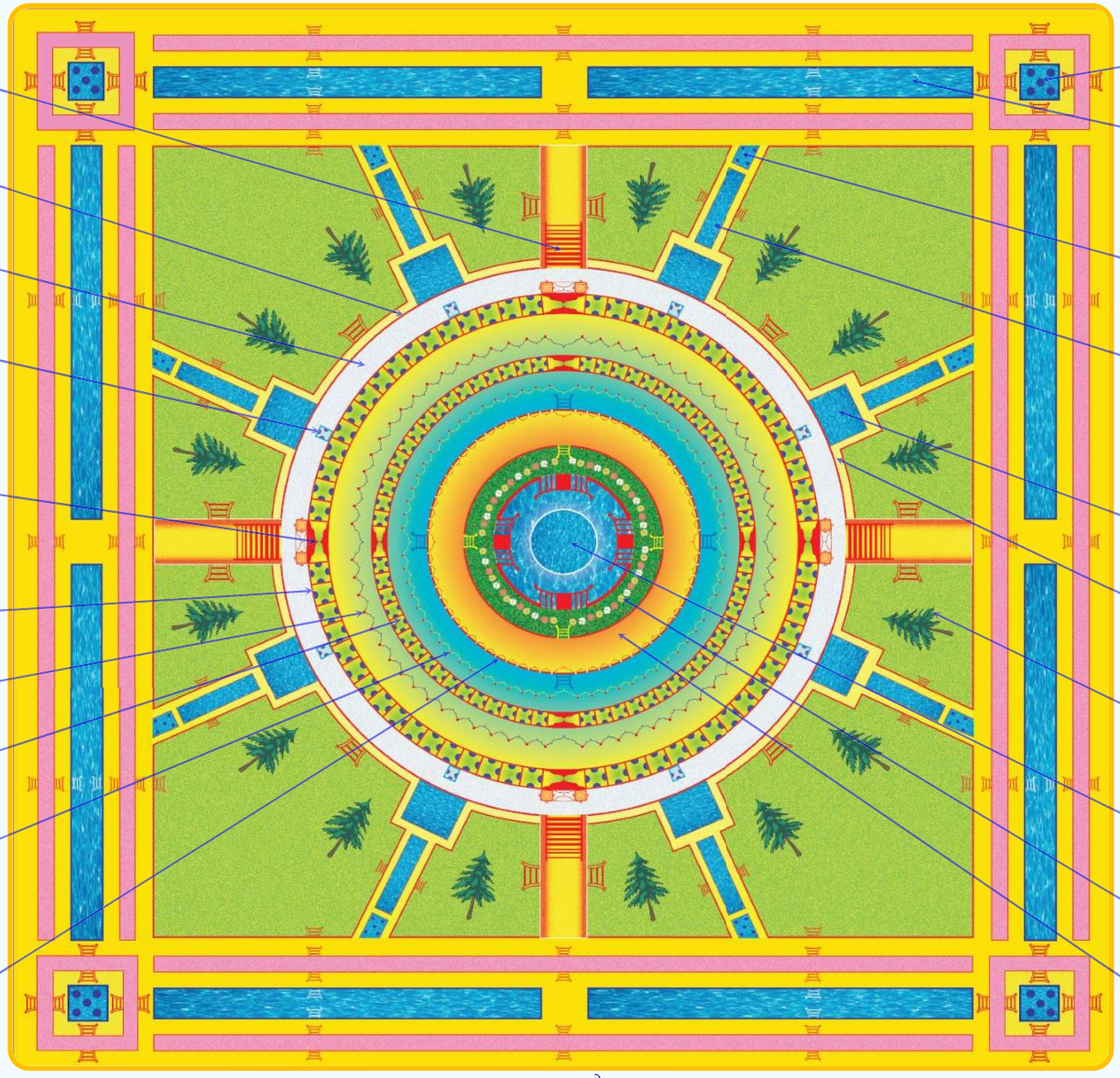

भोमभर सीढ़ियाँ (4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोमभर ऊँचा चौक के तीसरे हिस्से में)

रौंस (400 कोस चौड़ी)

8 चौरस गुर्ज

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व चबूतरे (मध्य में 133 कोस का दरवाजा व दाएं-बाएं 133 कोस के कमरभर ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार (900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 थंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व 4 दरवाजे

68 थंभो की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा (चारों दिशाओं में 3 सीढ़ियाँ, किनार पर 68 थंभ व कठेड़ा)

4 बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

4 बड़ी नहरें, चौक के चारों दिशा में (400 कोस चौड़ी)

8 छोटे चेहबच्चे (8 नहरों के कोनों में रौंस से लगते हुए)

8 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं-बाएं 33-33 कोस में रौंस)

8 कुंड धाम जमीन पर (200 कोस लम्बे-चौड़े)

रौंस (कमरभर ऊँची)

8 बगीचे में 9 भोम ऊँचे बड़ोवन के वृक्ष

चेहबच्चा व पानी का स्तून (चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

बगीचे

बैठक (नूरमयी गिलम युक्त)

50,000 कोस

नक्शा नं. 80 जवेरों की नहर : आठ पहल की हवेली की चाँदनी की शोभा

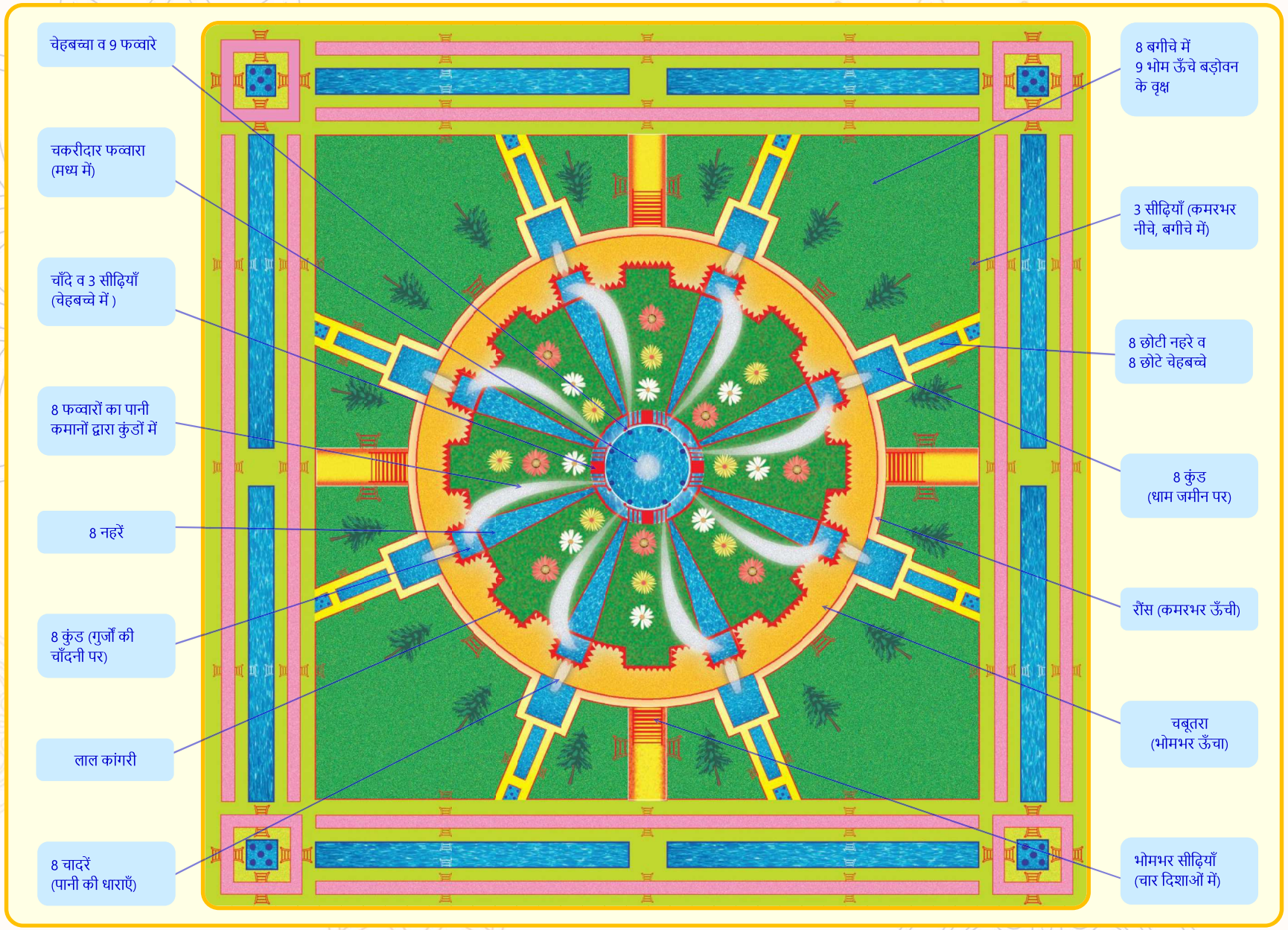

अब नेहेरें बरनन तो करूं, जो कछू होए हिसाब।
मोहोल मोहोल बीच कै कुंड बने, कै कारंजें छूटें ऊंचे आब।।

यों कई नेहेरें बीच सेहेरन के, इन सेहेरों कई मोहोलात।
हर मोहोलों कई बैठकें, ए सोभा कही न जात।।

नक्शा नं. 81 जवेरों की नहर : सोलह पहल की हवेली की शोभा

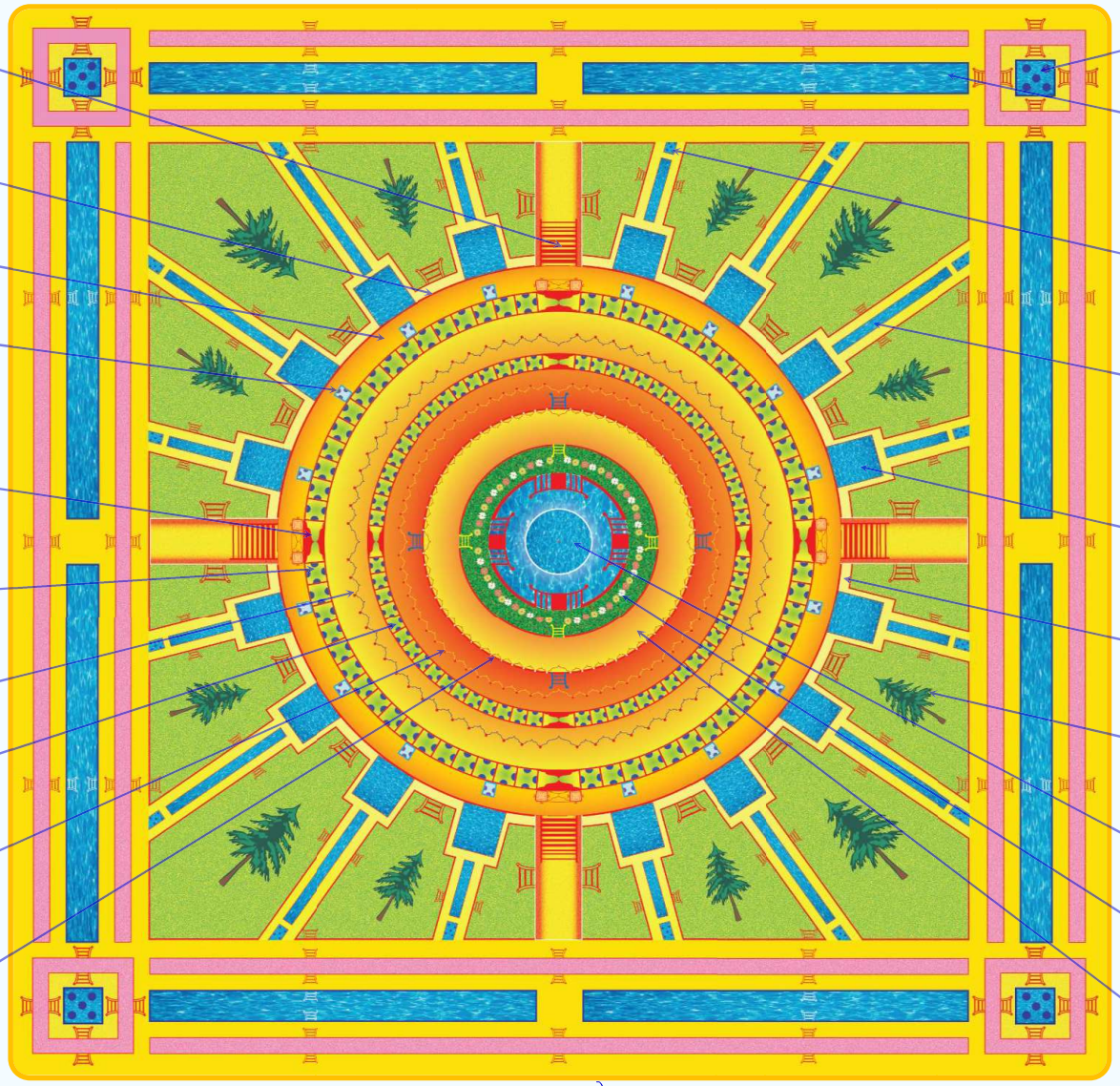

नक्शा नं. 82 जवेरों की नहर : बत्तीस पहल की हवेली की शोभा

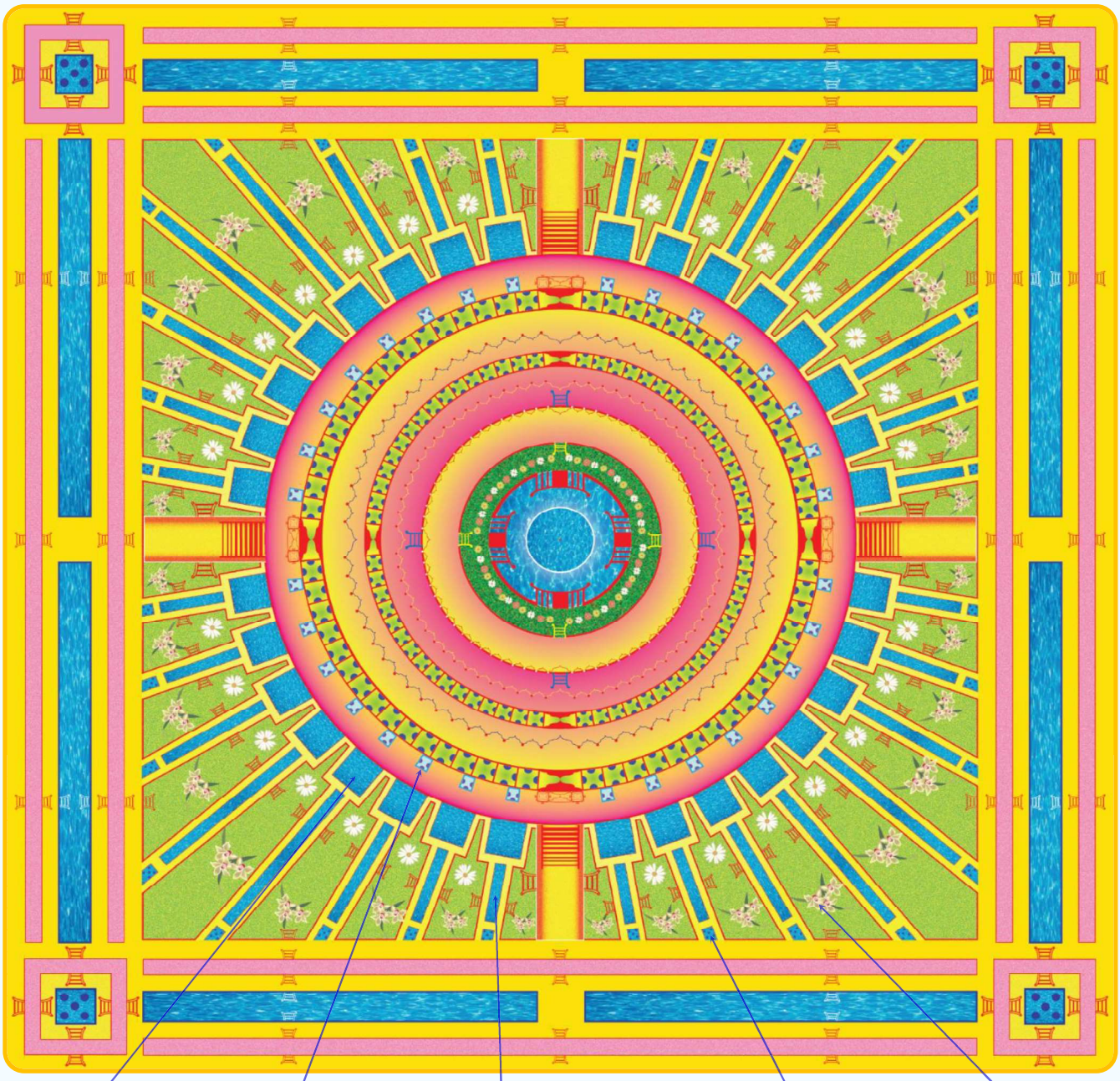

कई चलत चक्राव ज्यों, कई आड़ी ऊंची चलत।
कई चलत मोहोलों पर, कई मोहोलों से उतरत।।

नक्शा नं. 83 जवेरों की नहर : चौसठ पहल की हवेली की शोभा

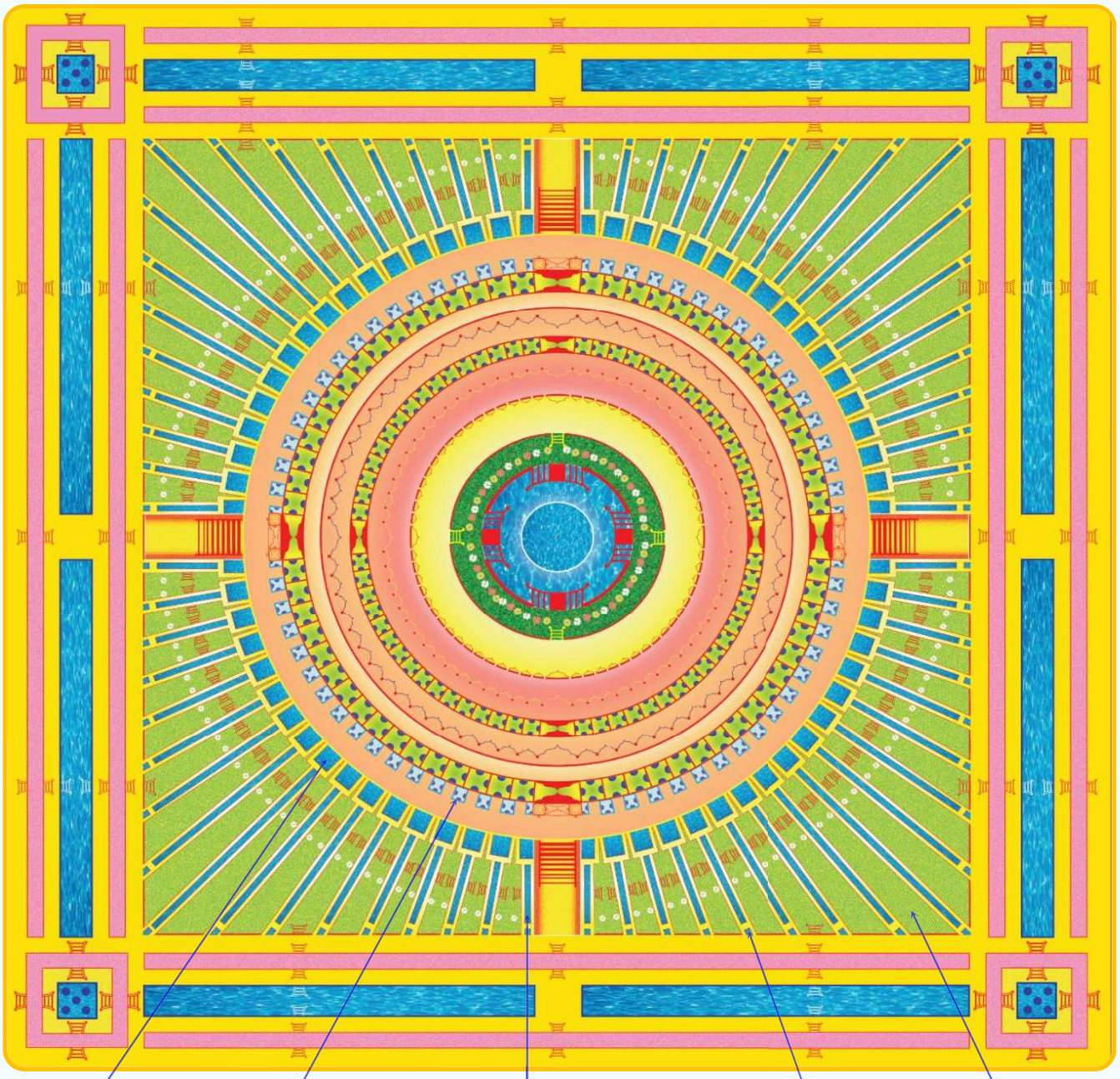

कहूं चार नेहेरें मिली चली, कहूं चार से सोले निकसत ।
कई नेहेरें सुख इन मोहोलों, धनी कब करसी प्रापत ।।

नक्शा नं. 84(अ) माणिक पहाड़ की शोभा

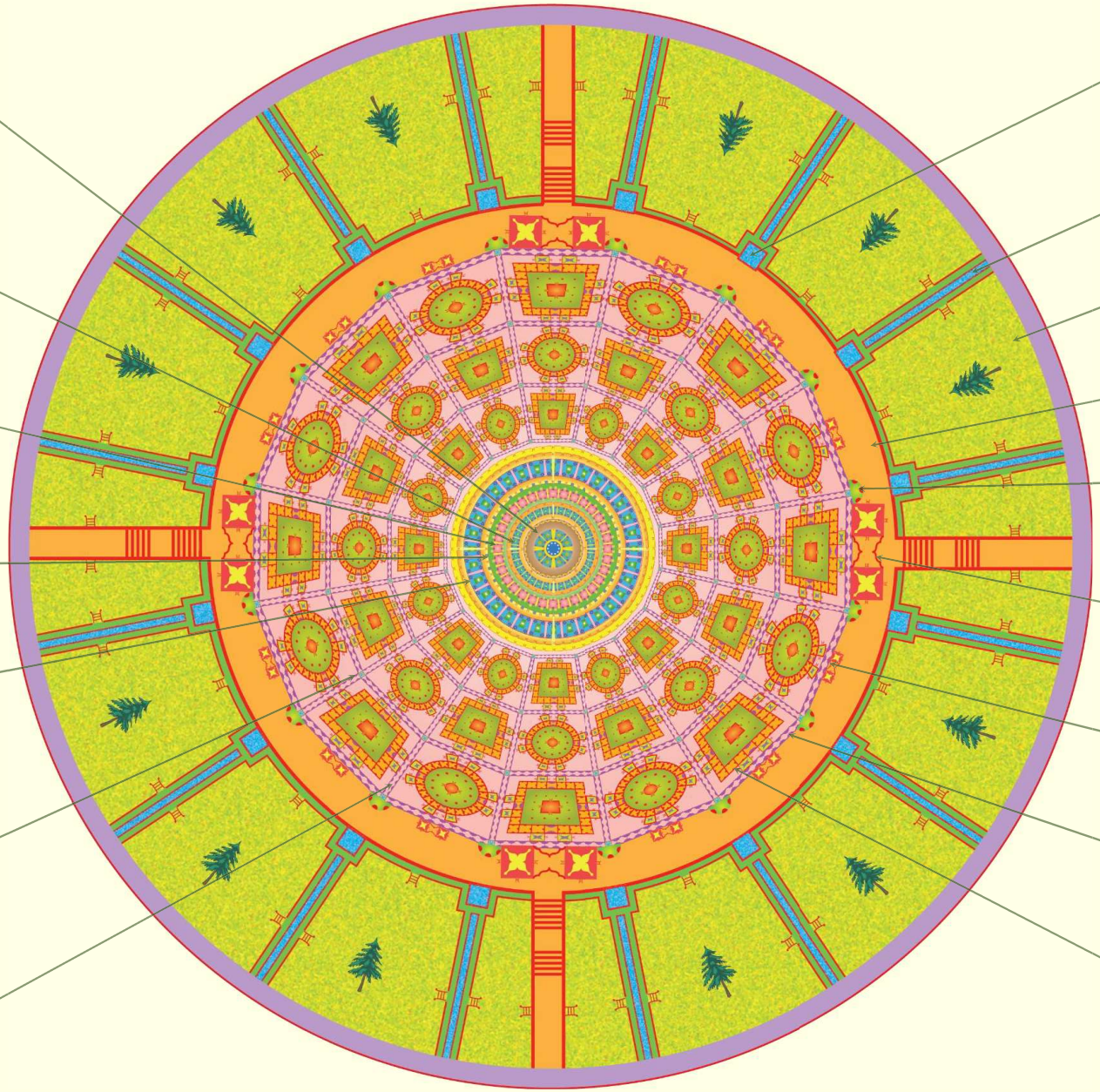

चबूतरा (भोमभर ऊँचा), किनार पर थंभ व हिंडोले और मध्य में पानी का स्तून

12000 बगीचों की दूसरी हार

12,000 माणिक महल की 1 हार (गोलाई में)

माणिक महल का चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

12000 बगीचों की पहली हार

12000 कुंडों की 12000 हारें (हवेली के चारों कोनों में)

त्रिपोलिया (प्रत्येक हवेली की चारों तरफ)

12,000 कुंड (गोल गुर्जों के सामने धाम जमीन पर)

12,000 नहरें (भोमभर गहरी)

12,000 बगीचे

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

गोल गुर्ज (प्रत्येक हांस की संधि में)

दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे

छोटे दरवाजे व दाएं-बाएं चबूतरे

मंदिरी दीवार (1 मंदिर मोटी)

12000 हवेलियों की 12000 हारें (12000 भोम ऊँची) क्रमशः 1 चौरस व 1 गोल

नक्शा नं. 84(ब) माणिक पहाड़ की भीतरी शोभा

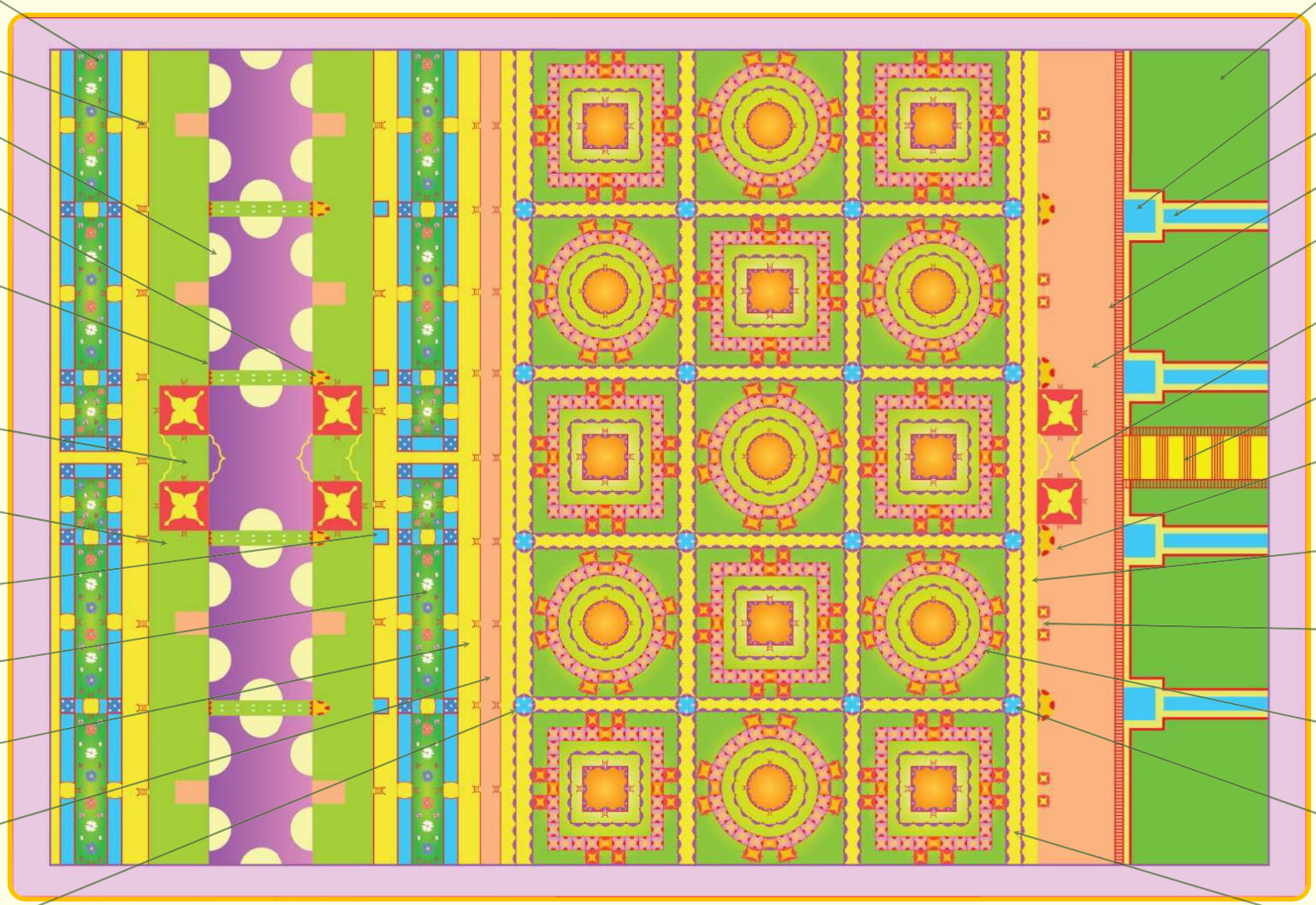

- 12000 बगीचों की दूसरी हार
- भोमभर की सीढ़ियाँ रौंस पर उतरती हुई
- 5 दरवाजे व 2 झरोखे
- गोल गुर्ज (त्रिपोलिये के सामने)
- 12000 माणिक महल (1 हार घेरकर)
- माणिक महल का दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे
- माणिक महल का चबूतरा (भोमभर ऊँचा)
- 12,000 कुंड (रौंस पर)
- 12000 बगीचों की पहली हार
- बगीचे की रौंस (50 कोस चौड़ी, कमरभर नीची)
- रौंस (50 कोस चौड़ी, कमरभर नीची)
- थंभ कुंड के 4 कोनों में व मेहराबों में हिंडोले

- बगीचे
- कुंड (गुर्जों के सामने धाम जमीन पर)
- नहरें (भोमभर गहरी)
- चबूतरा (भोमभर ऊँचा)
- परिक्रमा रौंस
- दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे
- सीढियाँ (भोमभर ऊँची)
- गोल गुर्ज (प्रत्येक हांस की संधि में)
- मंदिरी दीवार (1 मंदिर मोटी)
- छोटे दरवाजे व दाएं-बाएं चबूतरे
- 12000 हवेलियों की 12000 हारें (12000 भोम ऊँची) क्रमशः 1 चौरस व 1 गोल हवेली
- 12000 कुंडों की 12000 हारें
- त्रिपोलिया (प्रत्येक हवेली की चारों तरफ)

माणिक पहाड़ की भीतरी शोभा

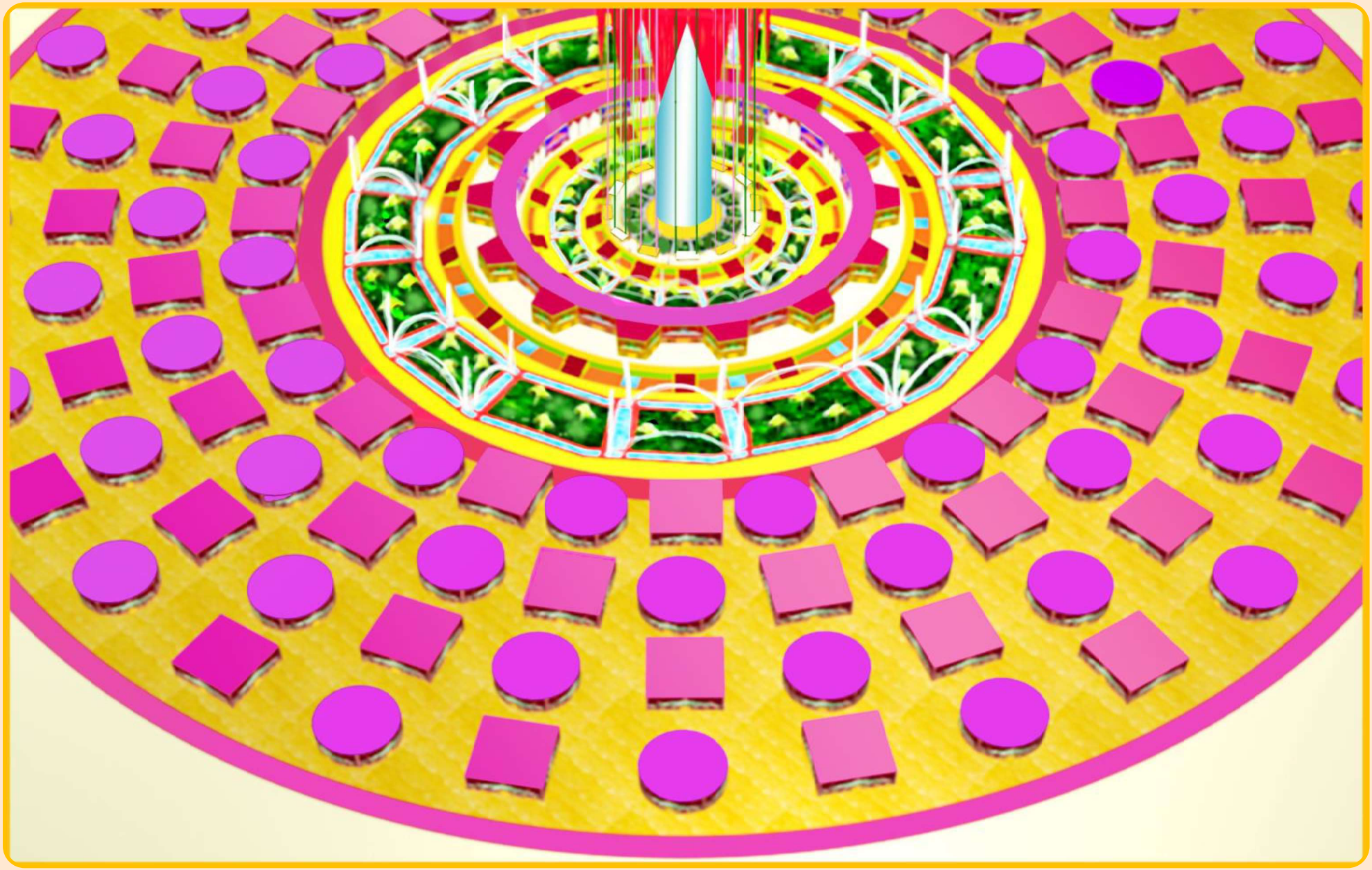

माणिक पहाड़ : दिशा के बड़े दरवाजों की शोभा

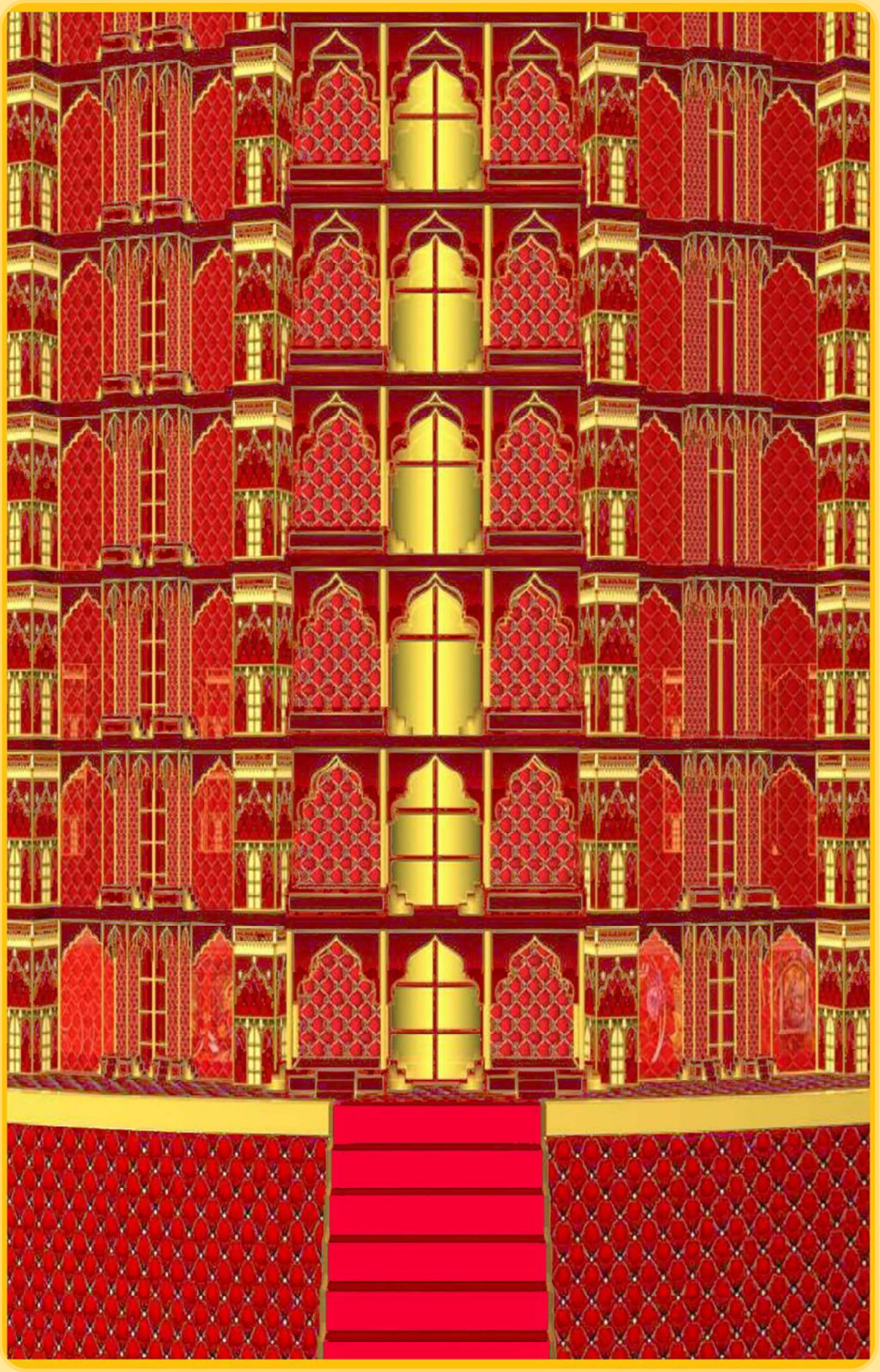

नक्शा नं. 85(अ) माणिक पहाड़ : एक चौरस हवेली की शोभा

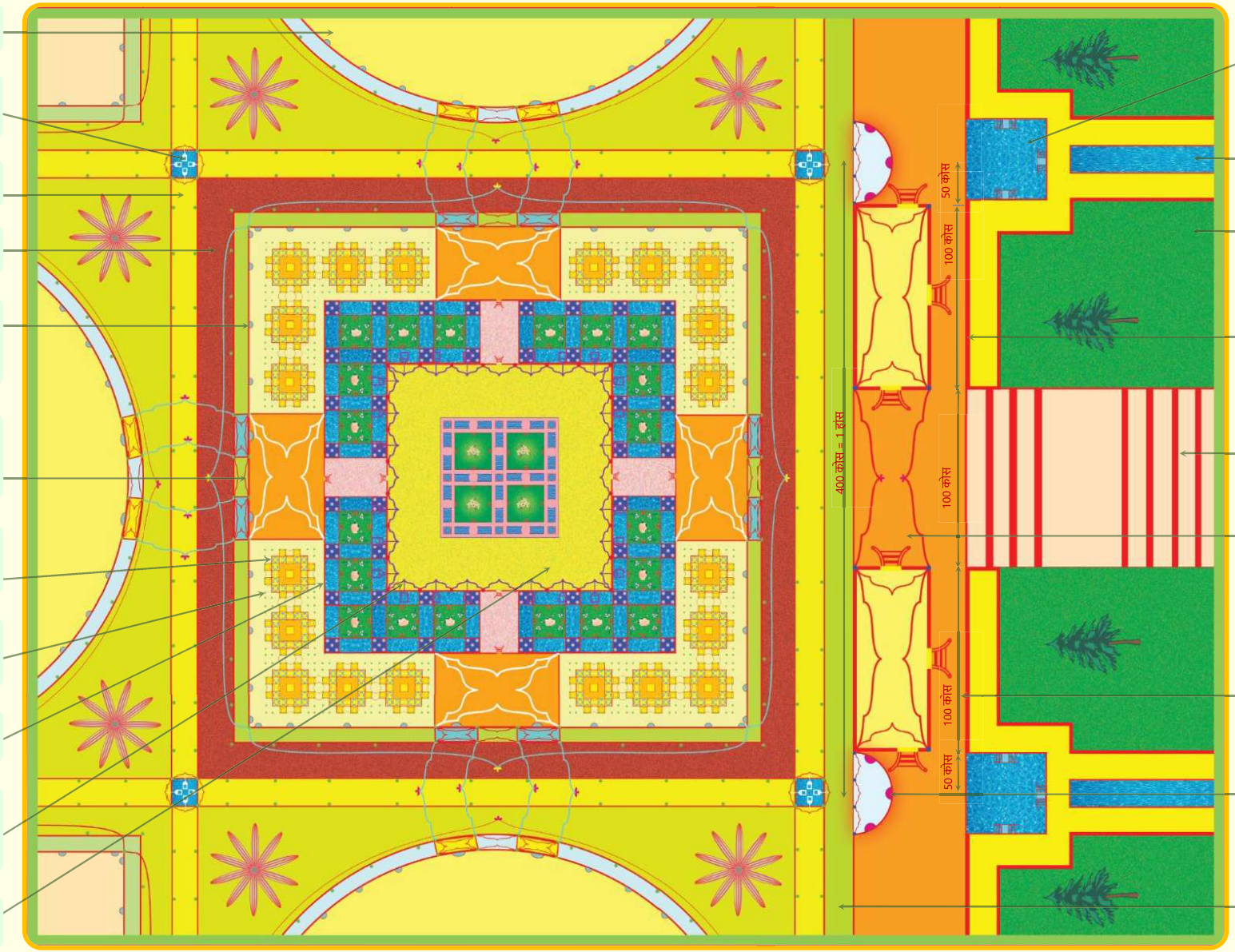

- गोल हवेली
- कुंड व मेहराबों में हिंडोले
- त्रिपोलिया
- चौरस हवेली
- दीवार में दरवाजे (प्रत्येक महल के दरवाजे के सामने)
- मुख्य दरवाजे व चबूतरे (हवेली की चारों दिशा में)
- 12000 महलों की 1 हार
- थंभों की हार (प्रत्येक महल को घेरकर)
- बगीचे
- चबूतरा (कमरभर ऊँचा) किनार पर थंभ व हिंडोले
- बैठक व बगीचे
- कुंड (धाम जमीन पर)
- नहरें
- बगीचे
- चबूतरा (1 भोम ऊँचा)
- सीढियाँ (1 भोम ऊँची)
- दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे
- परिक्रमा रौंस
- गोल गुर्ज में 6 दरवाजे
- मंदिरी दीवार (1 मंदिर मोटी)

नक्शा नं. 85(ब) माणिक पहाड़ : एक गोल हवेली की शोभा

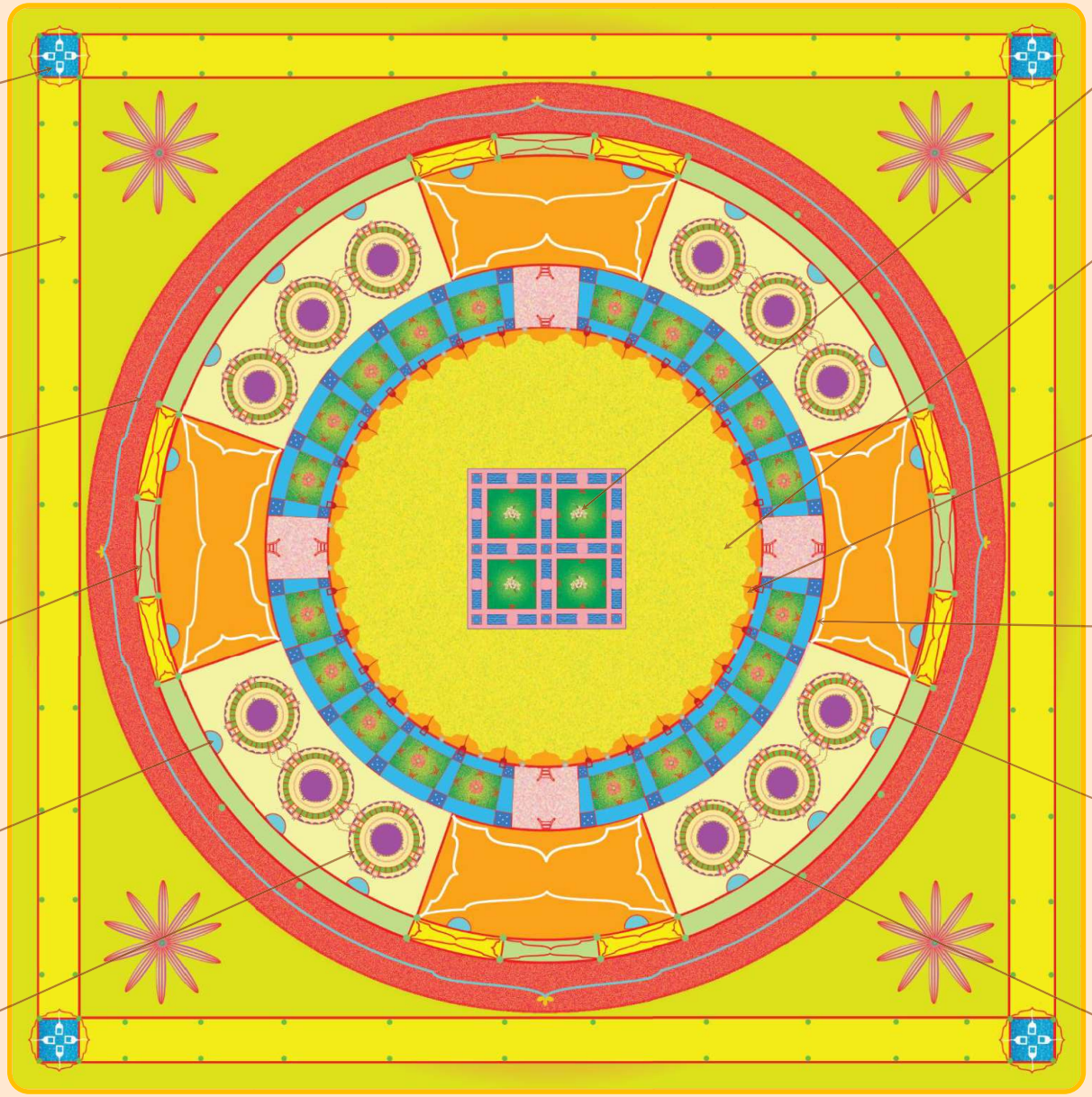

माणिक पहाड़ : एक चौरस हवेली की शोभा

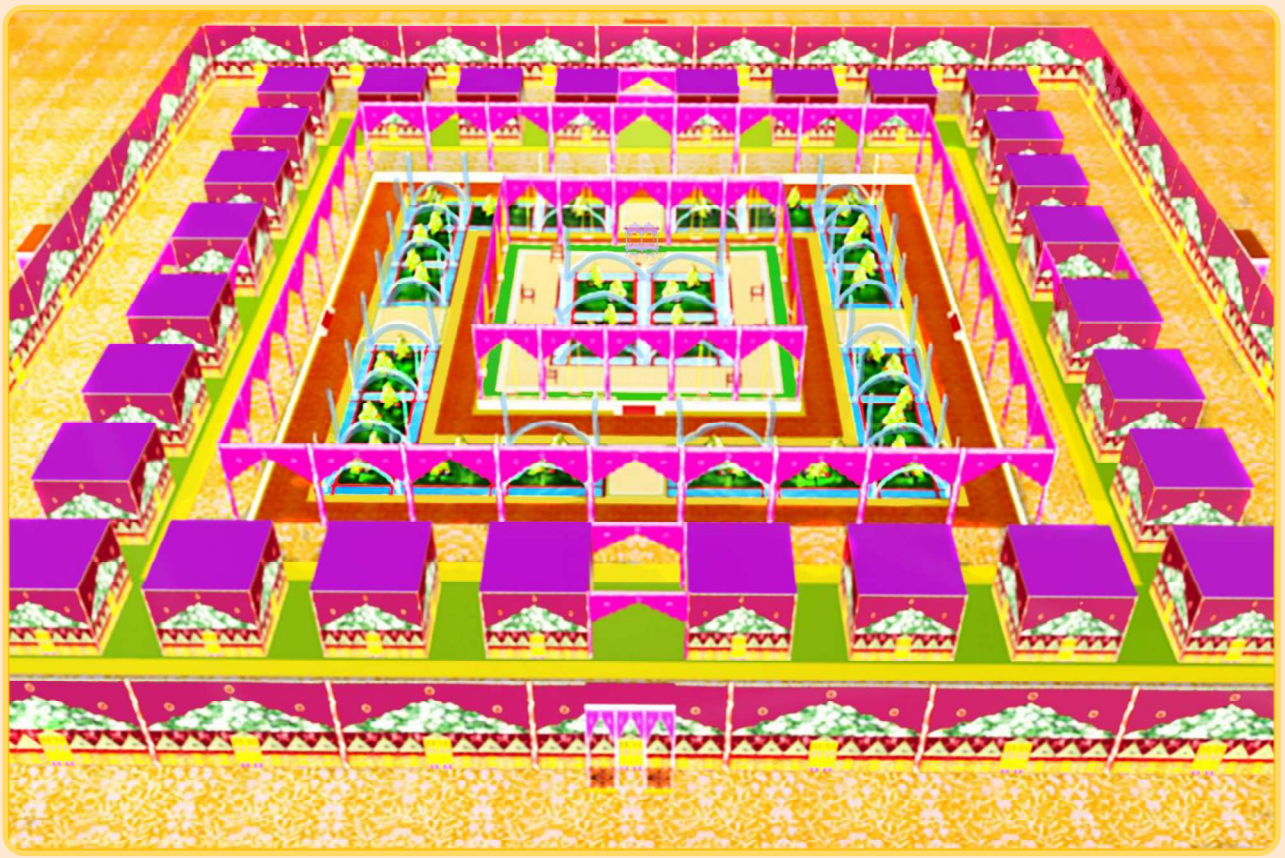

माणिक पहाड़ : एक गोल हवेली की शोभा

नक्शा नं. 86 माणिक पहाड़ : 1 महल की शोभा

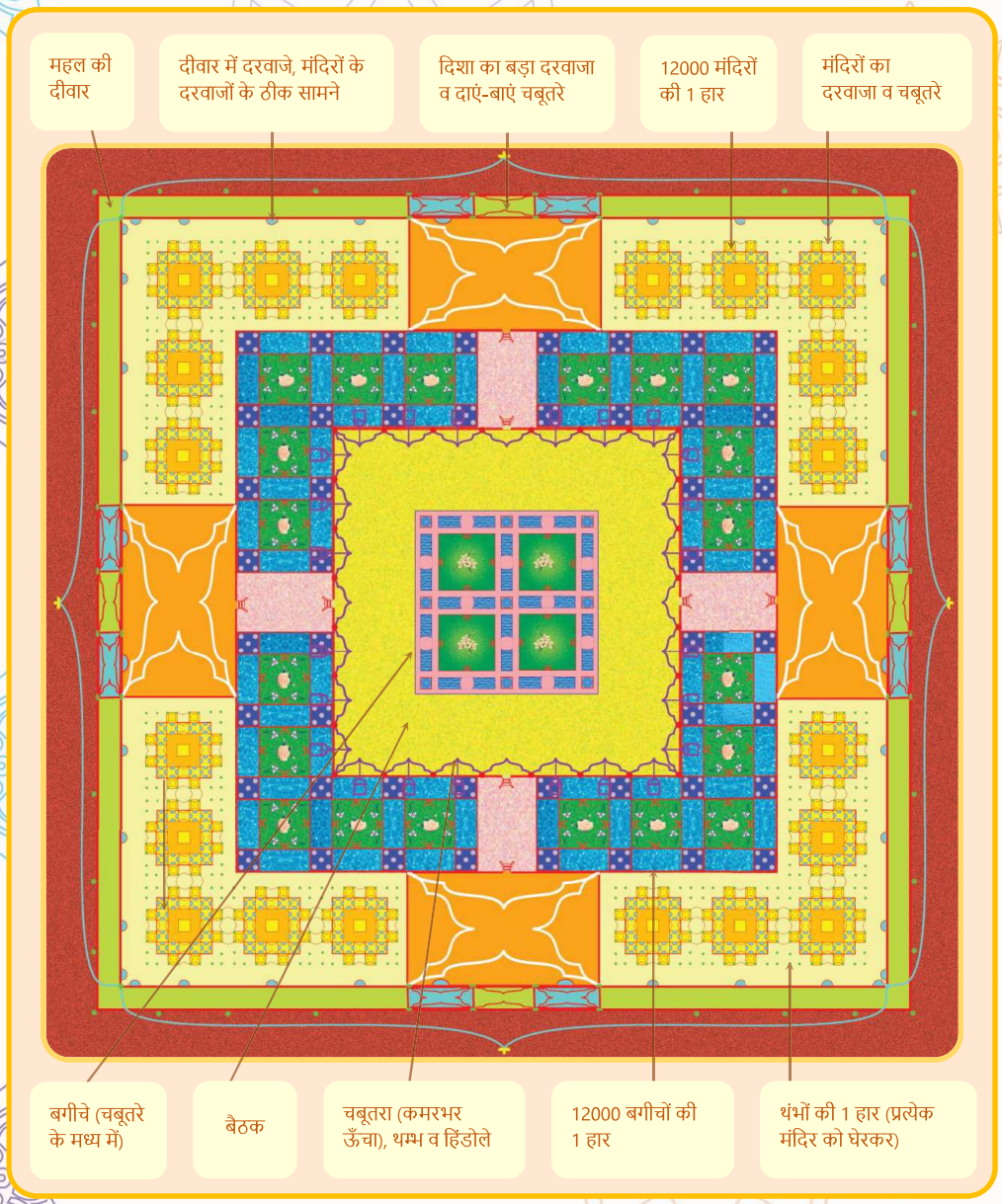

(एक महल की ऊँचाई-300 कोस)

नक्शा नं. 87 माणिक पहाड़ : 1 मंदिर की शोभा

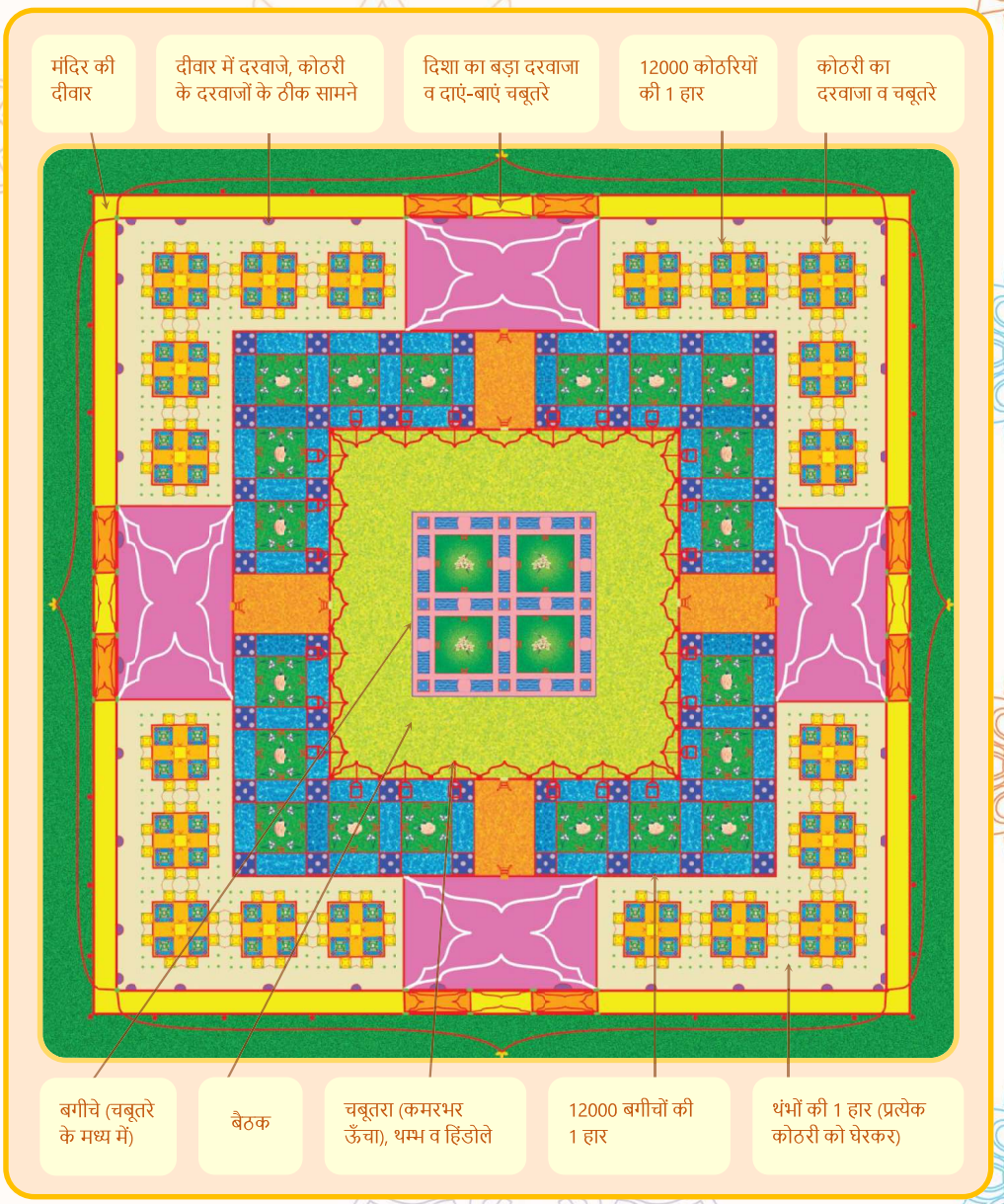

(एक मंदिर की ऊँचाई-200 कोस)

माणिक पहाड़ : एक हवेली में महल, मंदिर व कोठरी की शोभा

हवेली की शोभा
(ऊँचाई 400 कोस)

महल की शोभा
(ऊँचाई 300 कोस)

मंदिर की शोभा
(ऊँचाई 200 कोस)

कोठरी की शोभा
(ऊँचाई 100 कोस)

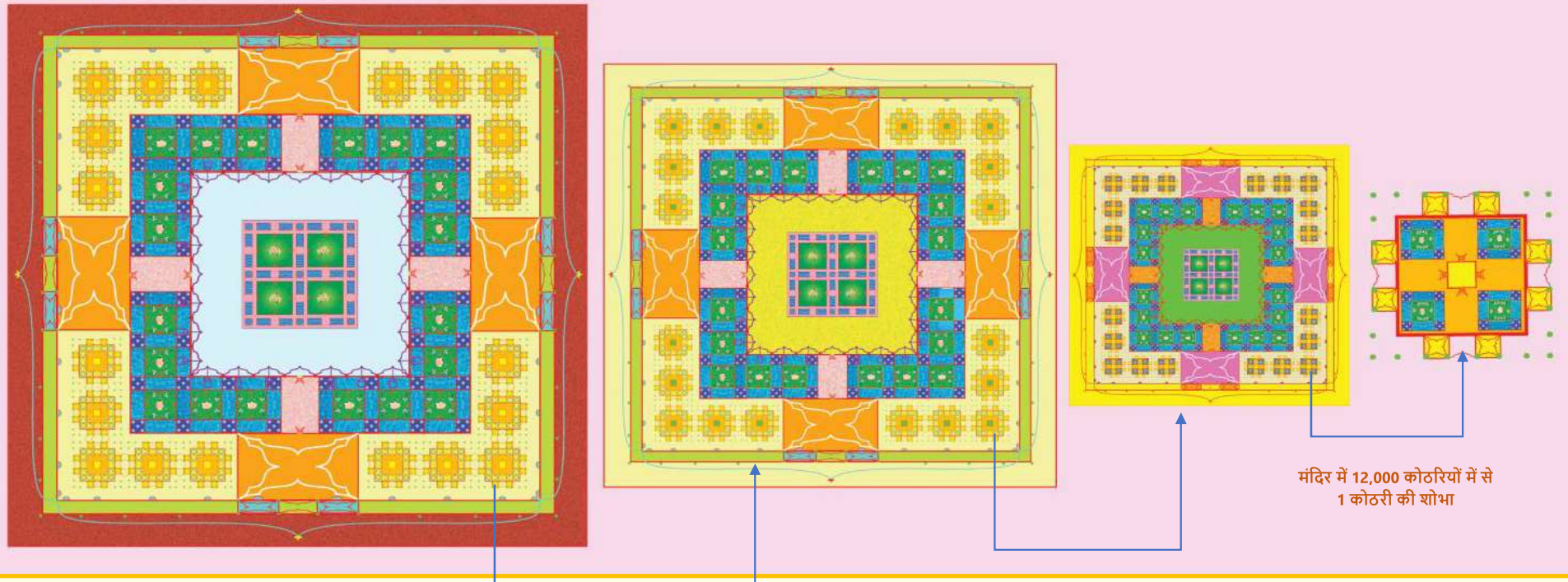

हवेली में 12,000 महलों में से
1 महल की शोभा

महल में 12,000 मंदिरों में से
1 मंदिर की शोभा

मंदिर में 12,000 कोठरियों में से
1 कोठरी की शोभा

नक्शा नं. 88 माणिक पहाड़ : एक हवेली की बाहरी दीवार की शोभा

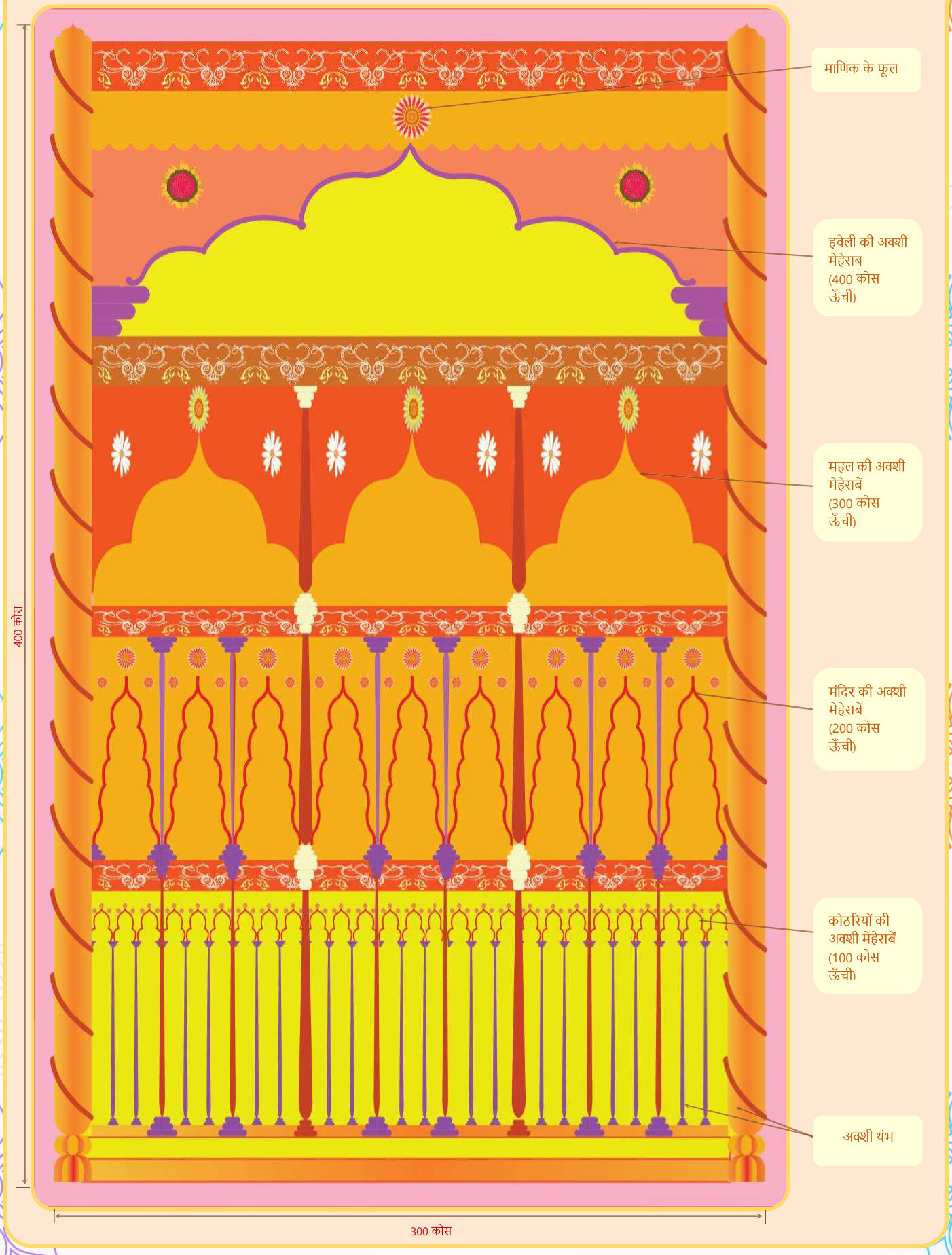

नक्शा नं. 89 माणिक महल व मध्य के चबूतरे की शोभा

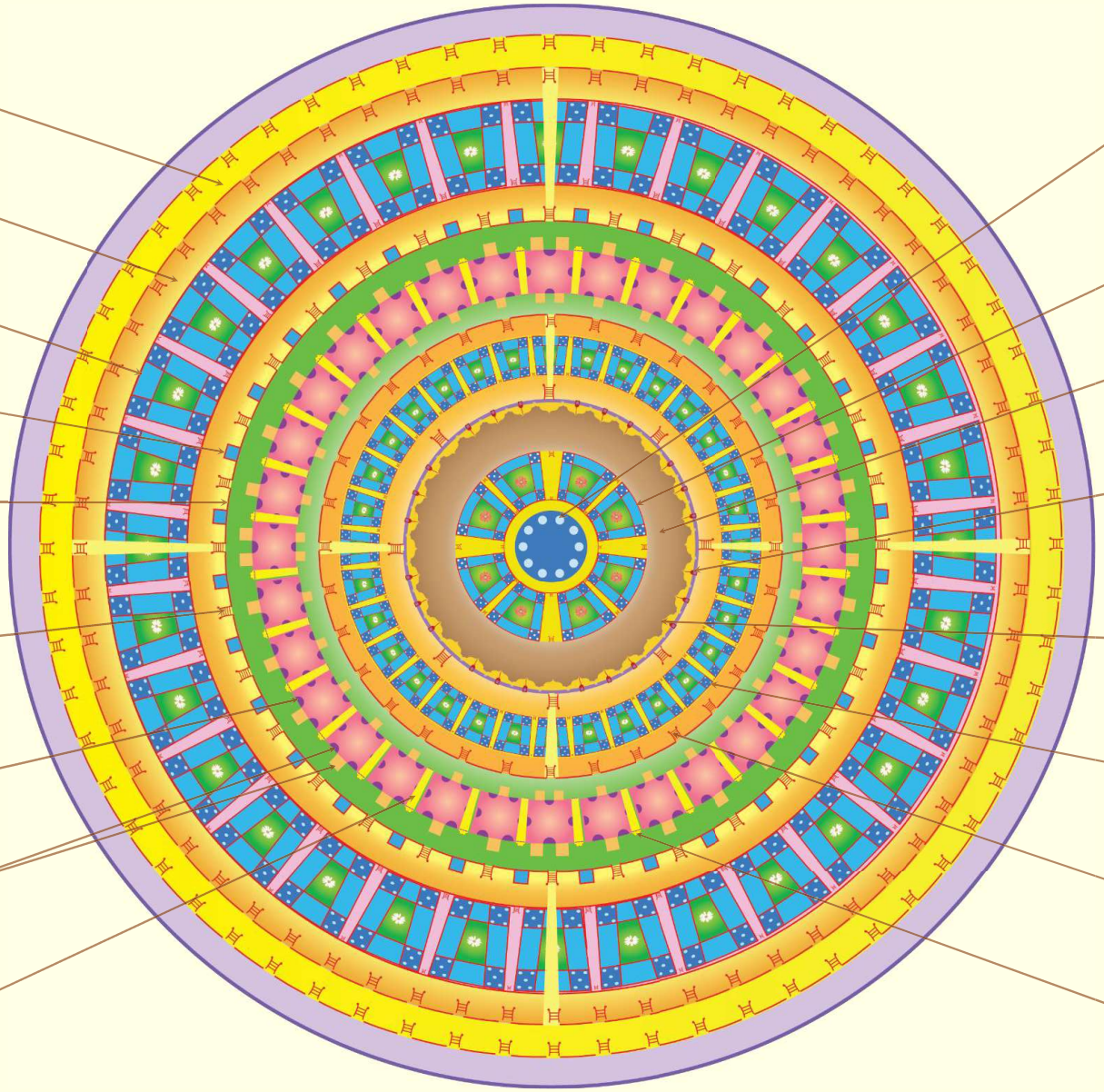

रौंस (50 कोस चौड़ी, कमरभर नीचे)

बगीचे की रौंस (50 कोस चौड़ी, कमरभर नीचे)

12,000 बगीचों की पहली हार

12,000 कुंडों की 1 हार (रौंस पर, 33 कोस लम्बे-चौड़े)

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

भोमभर सीढियाँ (50 कोस की रौंस पर)

12000 माणिक महलों की 1 हार (12000 भोम ऊँची)

5 दरवाजे व 2 झरोखे (प्रत्येक माणिक महल में)

त्रिपोलिया (2 माणिक महल के मध्य में)

पानी के स्तून से निकलते बारीक फव्वारें (12,020 भोम तक)

12,000 बगीचों की तीसरी हार

बैठक

11980 भोम ऊँचे थंभों की हार व हिंडोले (चबूतरे की किनार पर)

मध्य का चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

12000 बगीचों की दूसरी हार

भोमभर सीढ़ियाँ (रौंस पर)

गोल गुर्ज (त्रिपोलियों के सामने)

माणिक पहाड़ की भीतरी शोभा

मध्य के चबूतरे पर महाबिलंद हिंडोले व जलस्तून की शोभा

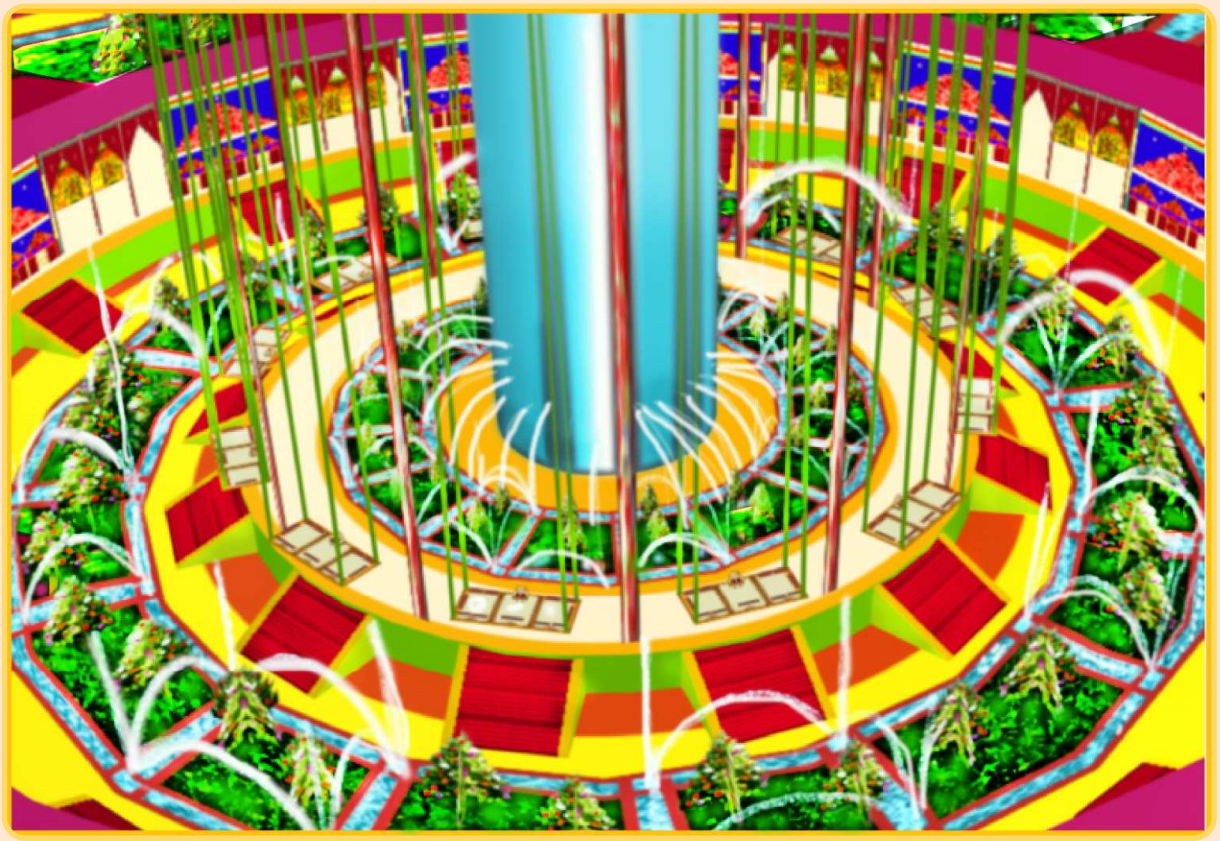

नक्शा नं. 90 माणिक पहाड़ की चाँदनी पर टापूमहल, ताल व देहलान की शोभा

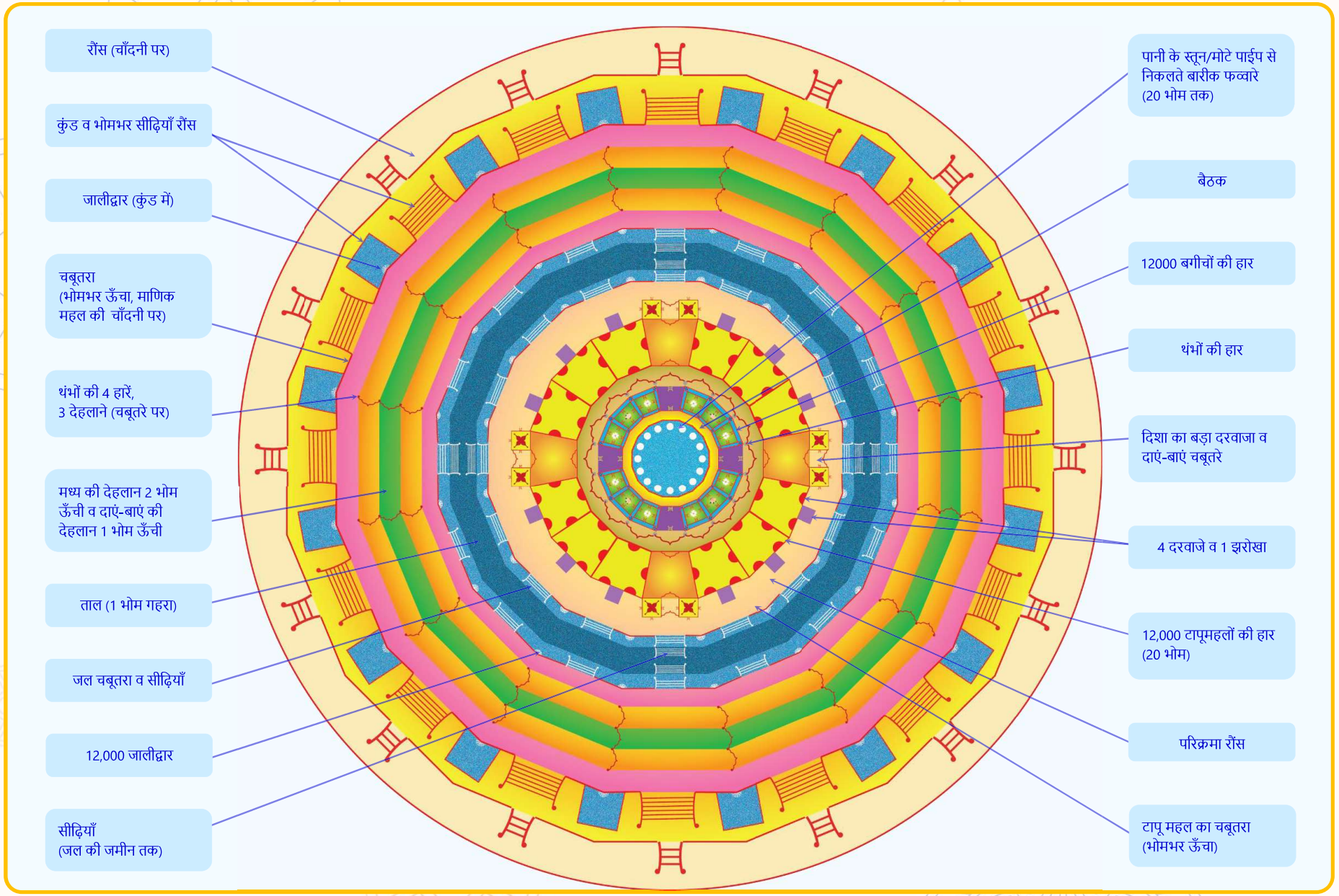

माणिक पहाड़ की चाँदनी पर टापूमहल, ताल व देहलान की शोभा

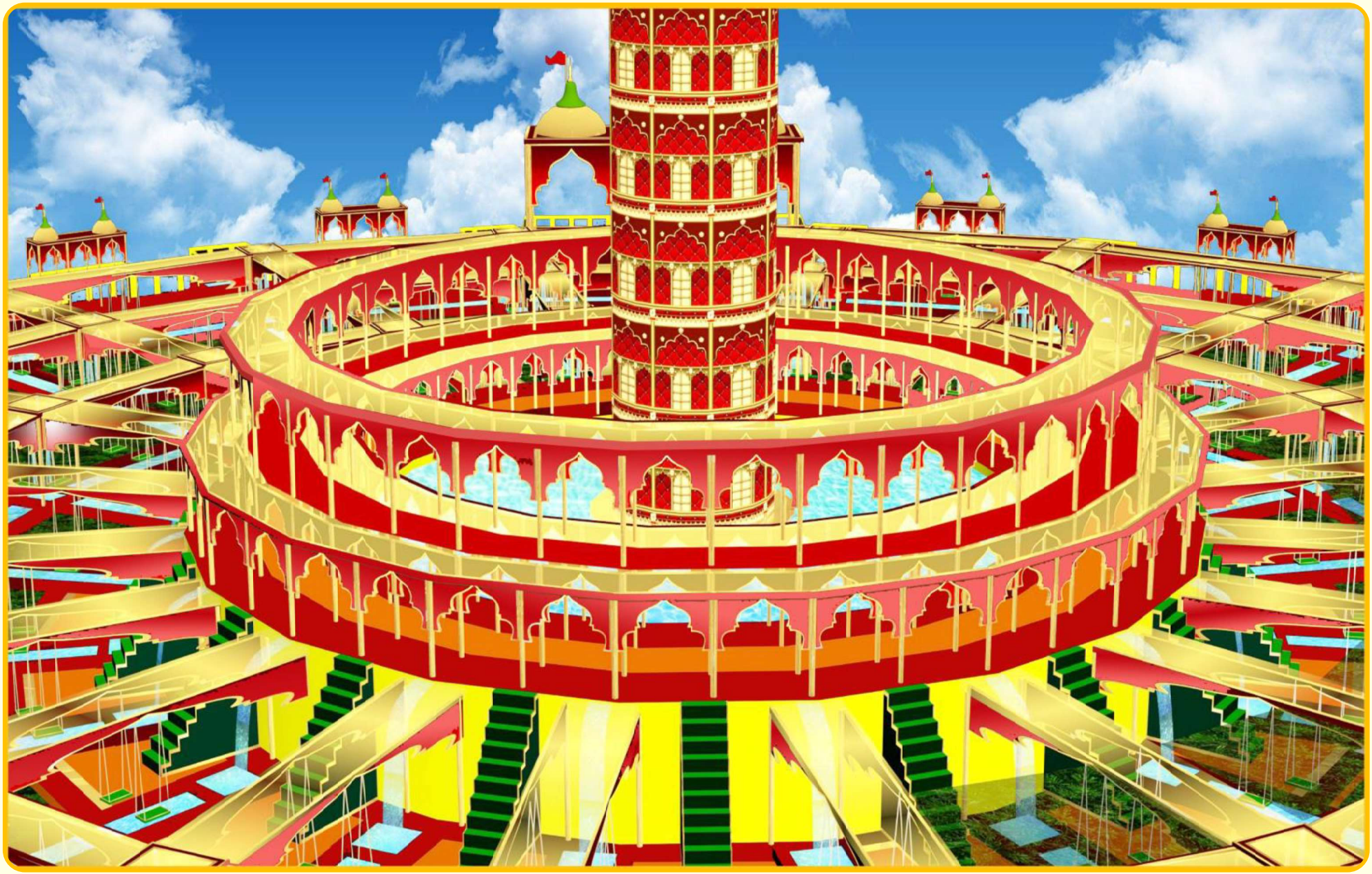

नक्शा नं. 91 माणिक पहाड़ : टापूमहल की चाँदनी की शोभा

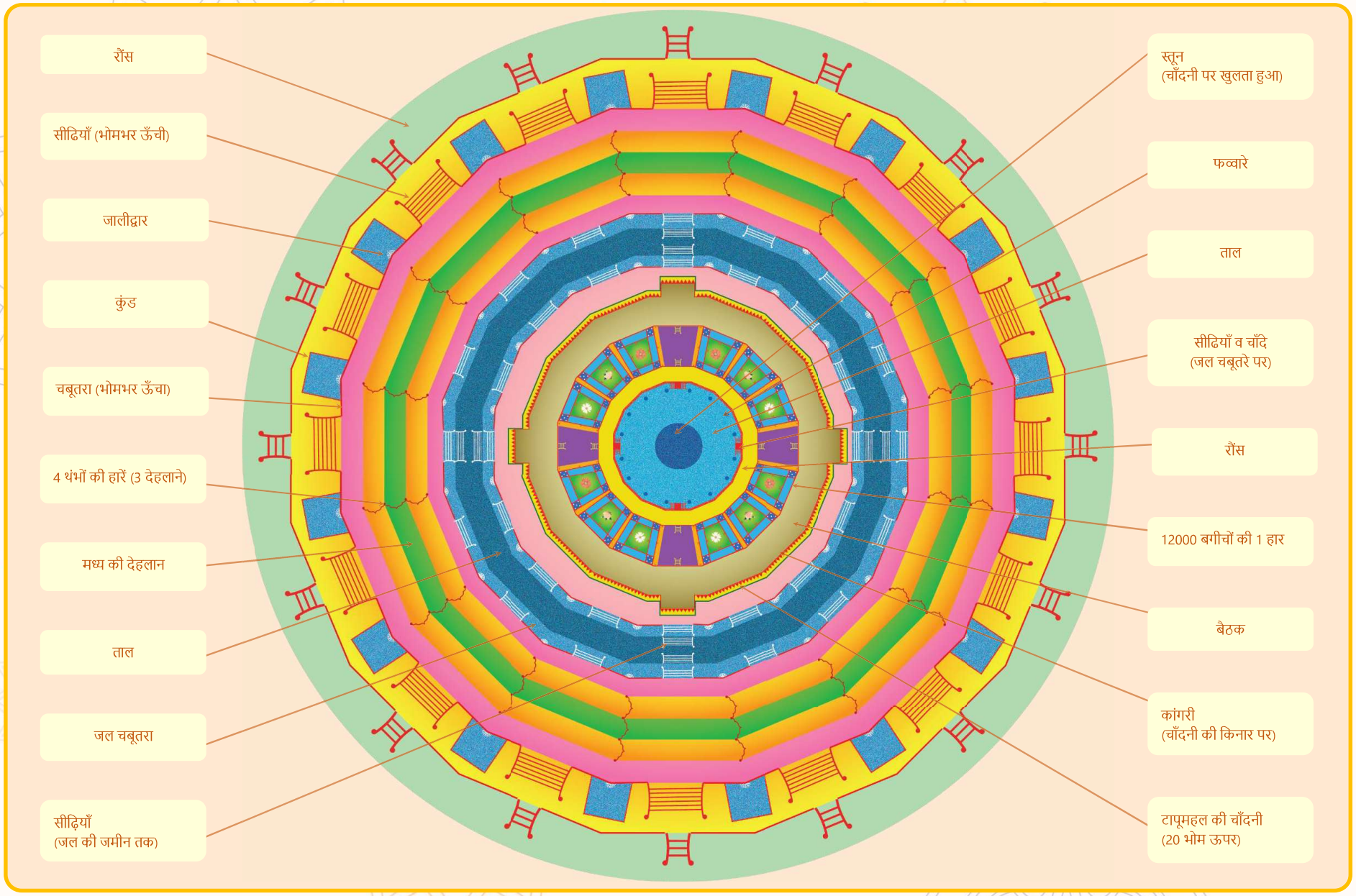

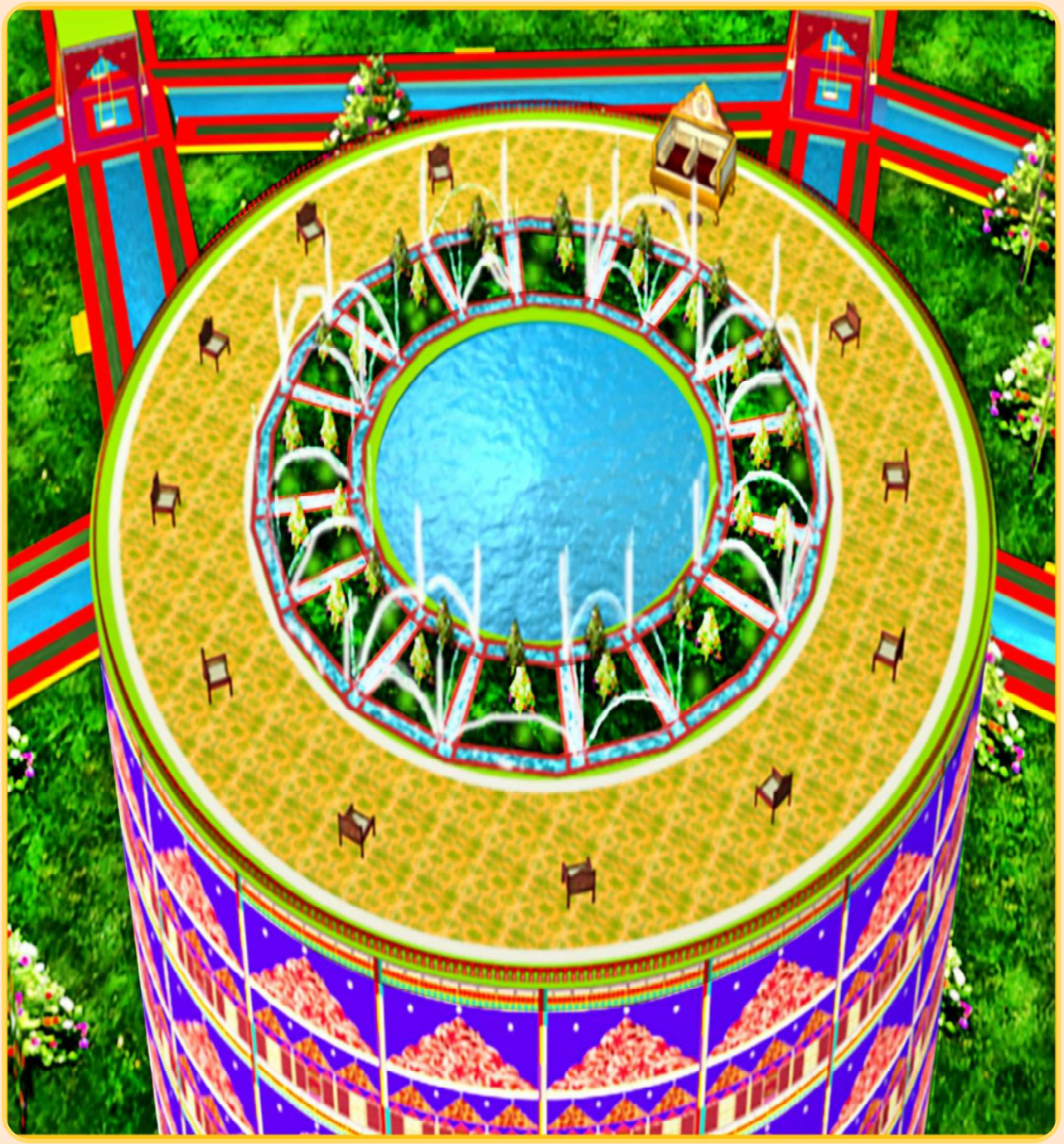

मानिक मोहोल रतनमय, झलकत जोत आकास।
नूर पूरन नूर भरया, रूह खोल देख नैन प्रकास।।

नक्शा नं. 92 माणिक पहाड़ की चाँदनी की शोभा

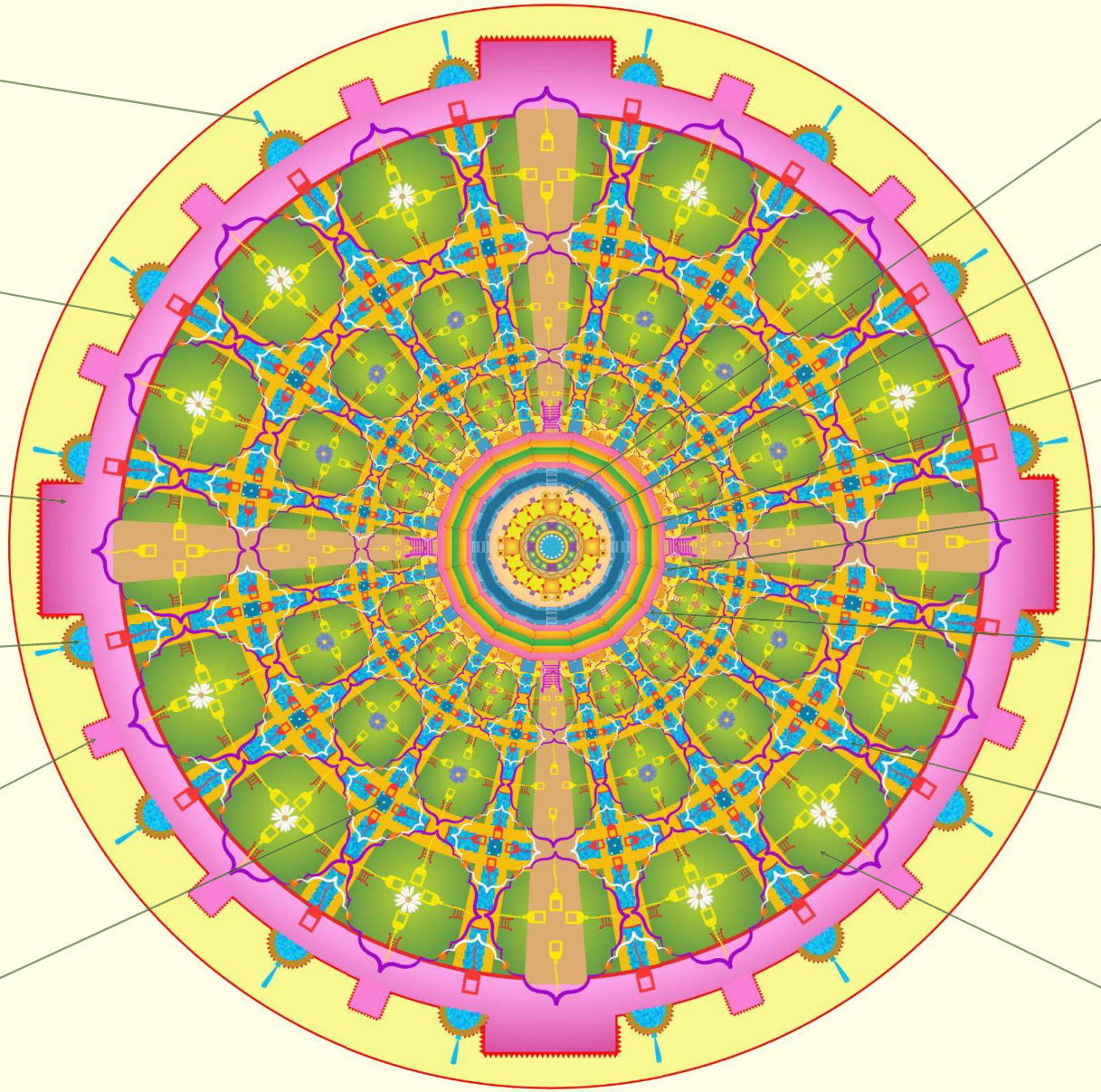

झरनों के रूप में कुंड से गिरती हुई धाराएँ

कांगरी
(चाँदनी की किनार पर)

बड़े दरवाजे व चौखूटे गुर्जों की चांदनी

कुंड
(गोल गुर्जों की चाँदनी पर)

छोटे चौखूटे गुर्जों की चाँदनी

कुंड, 4 थंभ
(चारों कोनों में) व 4 हिंडोलें

टापूमहल

ताल

देहलान

जालीद्वार

कुंड

नहरें
(हवेलियों के त्रिपोलियों के ठीक ऊपर चाँदनी पर)

बगीचे
(हवेलियों के ठीक ऊपर चाँदनी पर)

माणिक पहाड़ की चाँदनी की शोभा

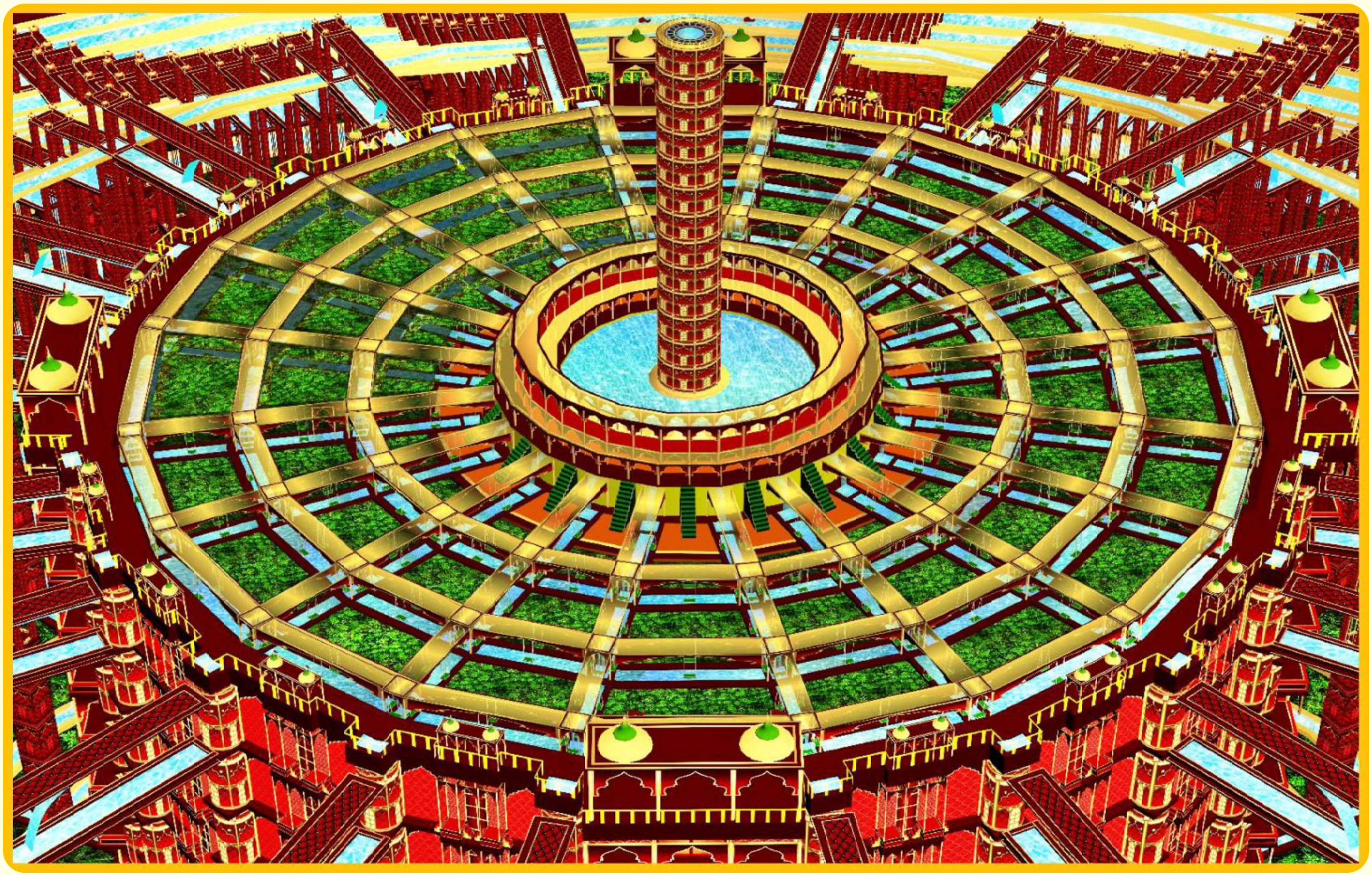

नक्शा नं. 92, 93 माणिक पहाड़ की चाँदनी और जमीन पर बगीचे, नहरें व महानद की शोभा

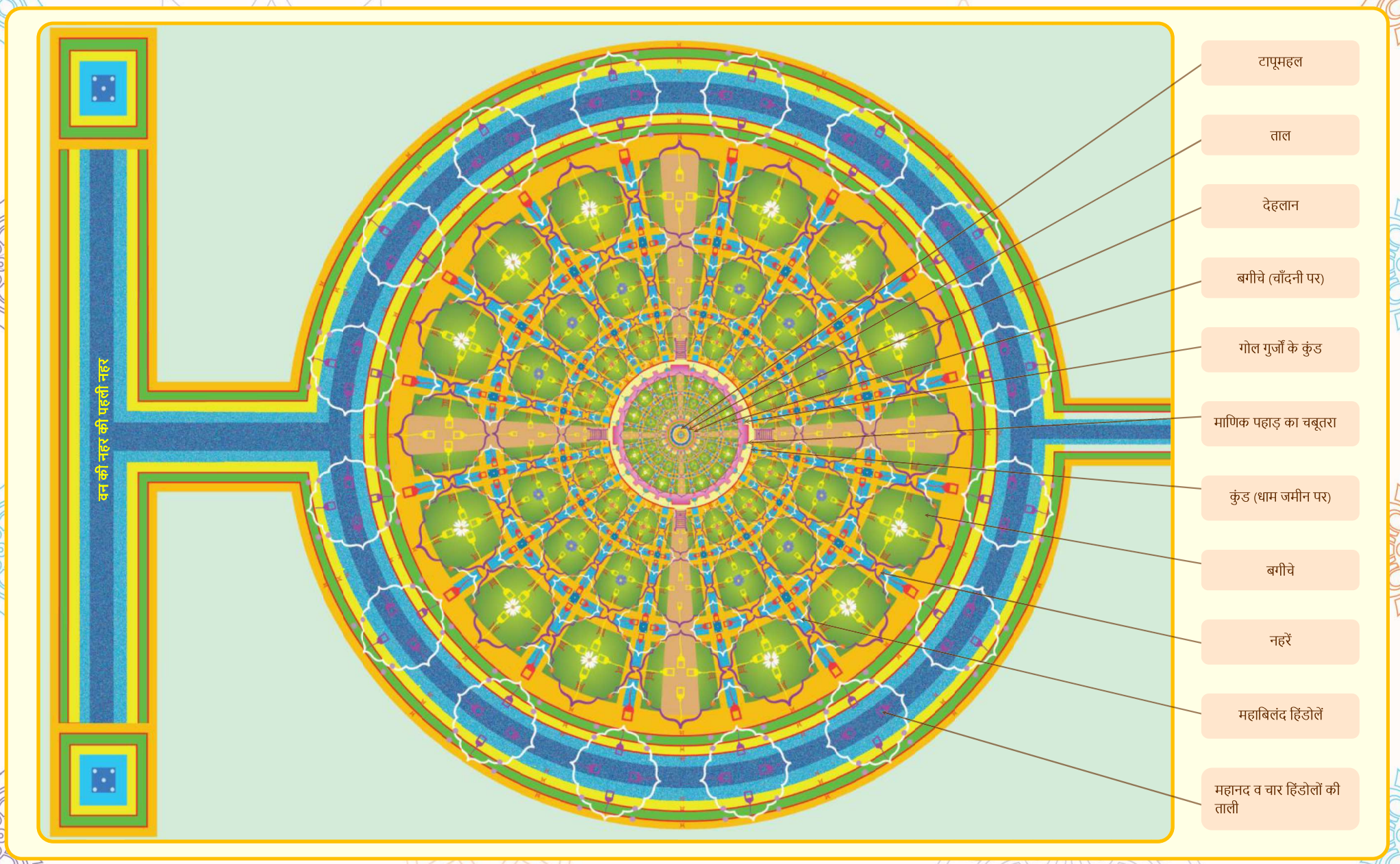

नक्शा नं. 93 माणिक पहाड़ के चारों तरफ बगीचे, नहरें तथा महानद की शोभा

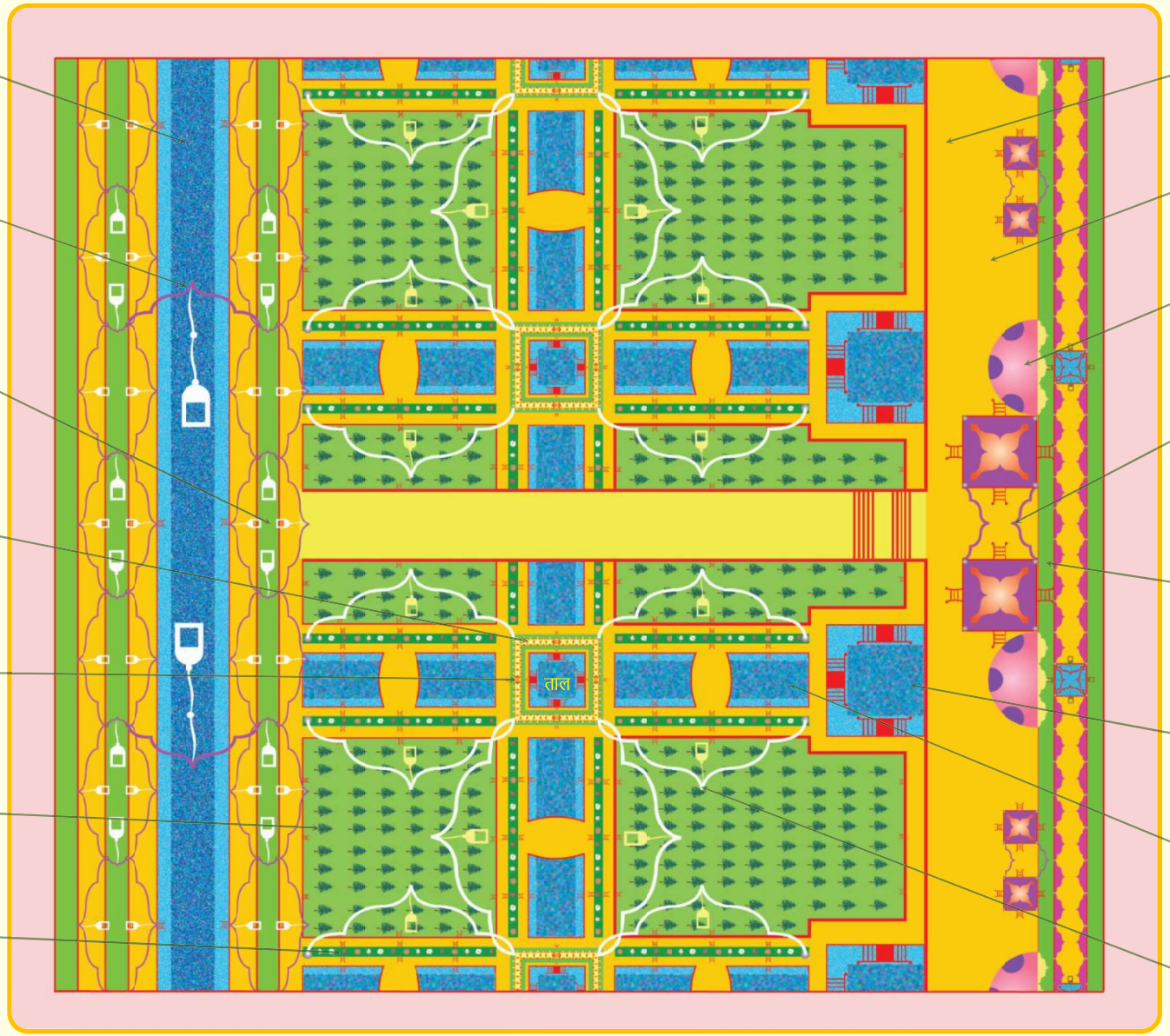

महानद
(माणिक पहाड़ को घेरकर)

हिंडोलें
(महानद के जल पर)

चार हिंडोलों की ताली
(पाल पर आए थंभों में, दोनों ओर)

ताल के 12,000 महल
(चारों ओर पाल पर, 5 भोम ऊँचे)

दरवाजे
(ताल के महल के)

बगीचे में वृक्ष
(5 भोम ऊँचे)

फुलवारी
(पाल के मध्य, तीसरे हिस्से में) व दाएं- बाएं रौंस

चबूतरा
(भोमभर ऊँचा)

परिक्रमा रौंस

गोल गुर्ज व 6 दरवाजे

दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे

मंदिरी दीवार
(1 मंदिर मोटी)

कुंड
(धाम जमीन पर)
गुर्जों के सामने

नहरें (आड़ी-खड़ी)

महाबिलंद हिंडोलें
(4 ताली के)

माणिक पहाड़ की बाहरी शोभा

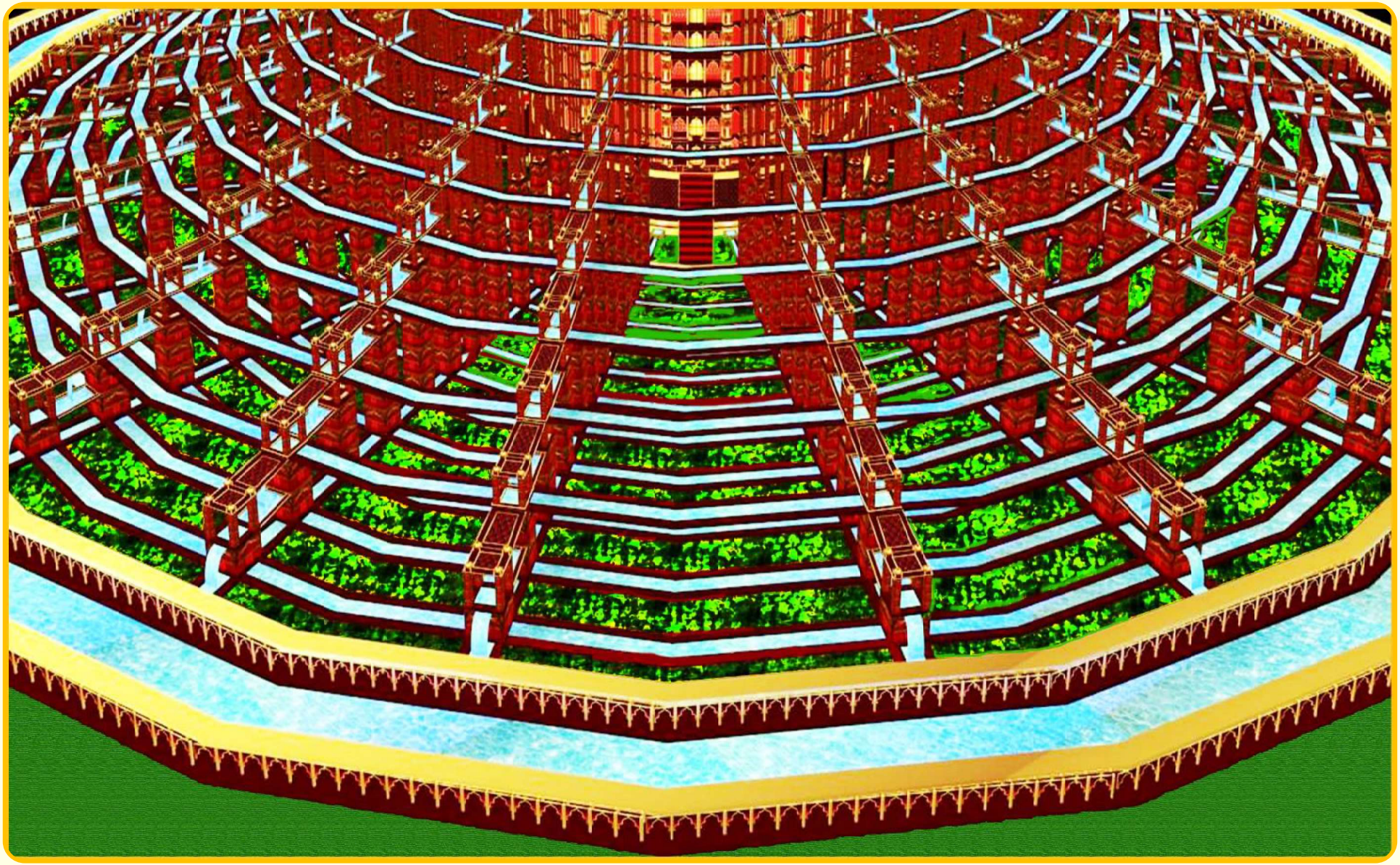

नक्शा नं. 94 माणिक पहाड़ के चारों ओर ताल, महल व बगीचे की चाँदनी की शोभा

5 भोम ऊपर ताल के महलों की चाँदनी पर हिंडोले

महल
(चारों कोनों में छठी चाँदनी से)

महाबिलन्द हिंडोले (12,000 भोम ऊँचे)
(5 भोम के मोहोलों की चाँदनी पर)

महाबिलन्द हिंडोले (11,999 भोम ऊँचे)
(5 भोम के मोहोलों की चाँदनी पर)

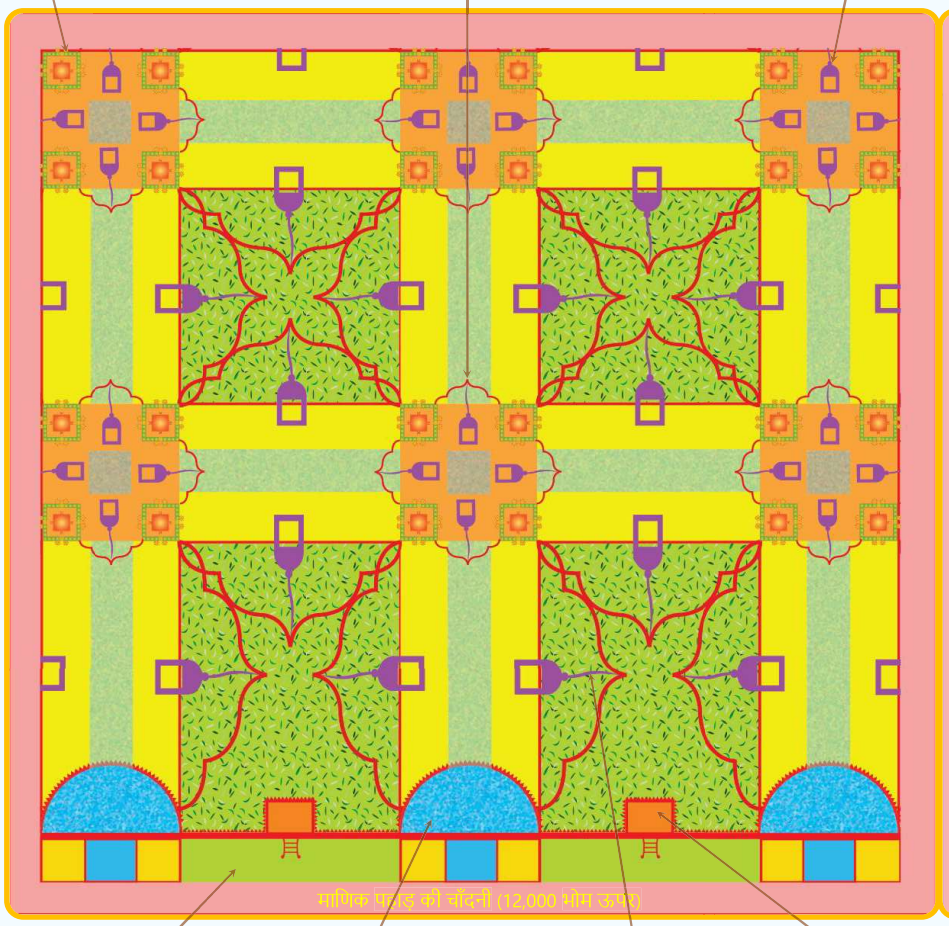

चबूतरा (कमरभर ऊँचा,
चाँदनी की किनार पर)

गोल गुर्ज की
चाँदनी पर कुंड

महाबिलन्द हिंडोलें
(बगीचे की चारों दिशाओं में)

छोटे चौखूटे
गुर्जों की चाँदनी

12,000 भोम ऊपर ताल के महलों की चाँदनी

गुम्मट (ताल के कोनों पर आए 1 भोम
ऊँचे महलों की चाँदनी पर)

छज्जे-नहरें व पाल (पहली हार के ताल से
दूसरी हार के ताल के महलों की तरफ)

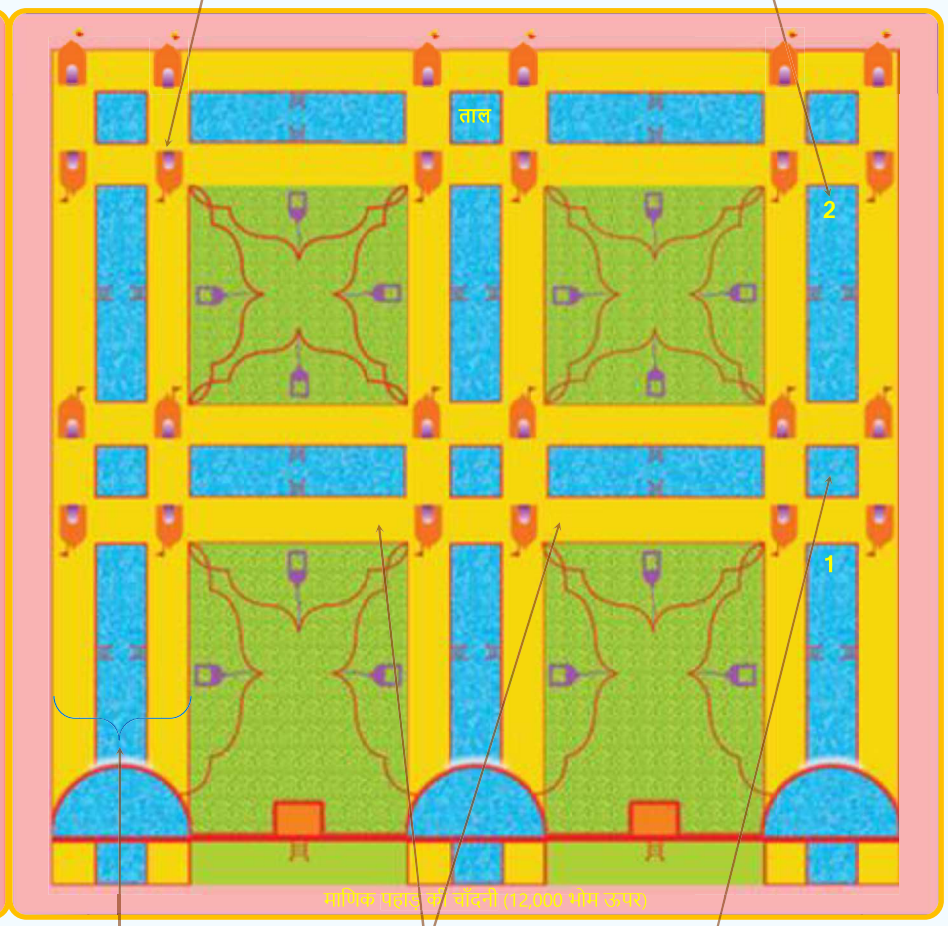

छज्जा (मध्य में नहर कमरभर
गहरी व दाएं-बाएं पाल)

छज्जे-नहरें व पाल
(ताल के दाएं-बाएं)

ताल (कमरभर गहरे, नीचे के ताल की पहली हार
के 12,000 भोम ऊपर) महलों की चाँदनी पर

गुर्जो के कुंड से चादरों/झरनों द्वारा उतरती जल धाराओं की शोभा

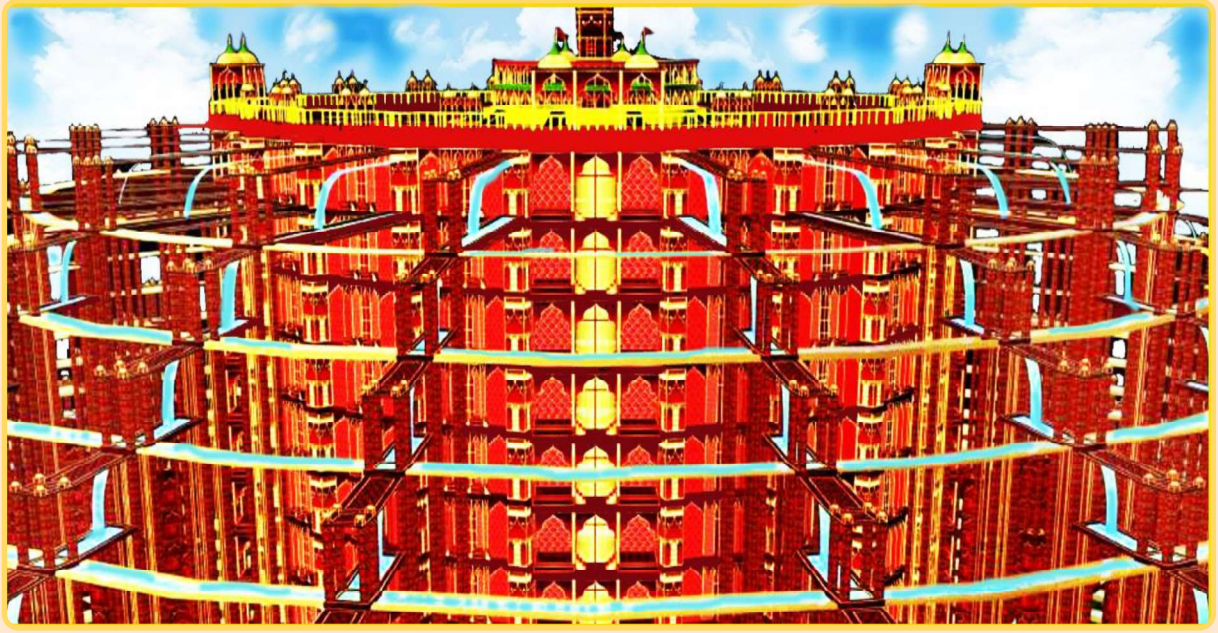

ताल पर महाबिलंद हिंडोलों की शोभा

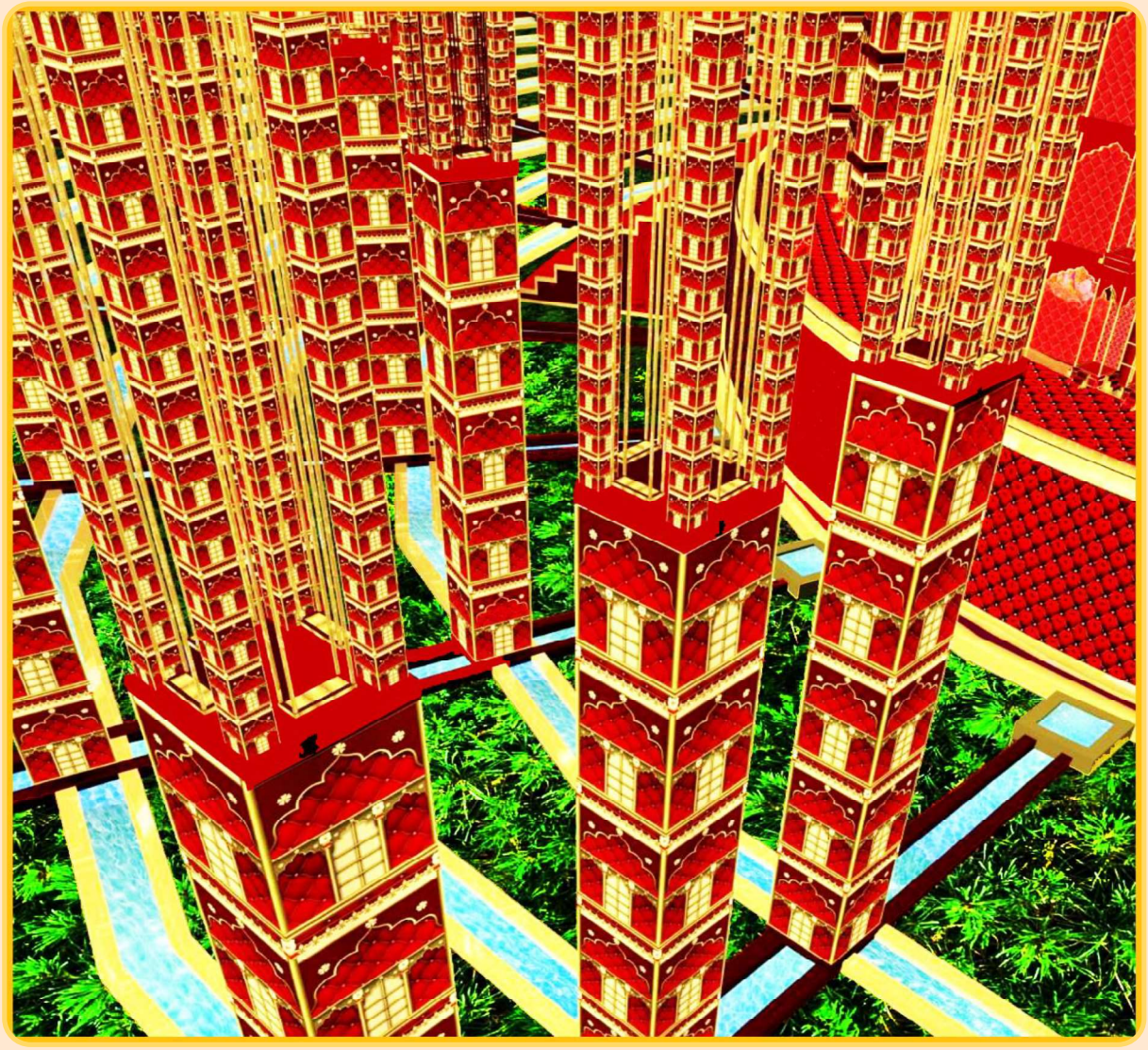

नक्शा नं. 95 माणिक पहाड़ का खड़ा दृश्य

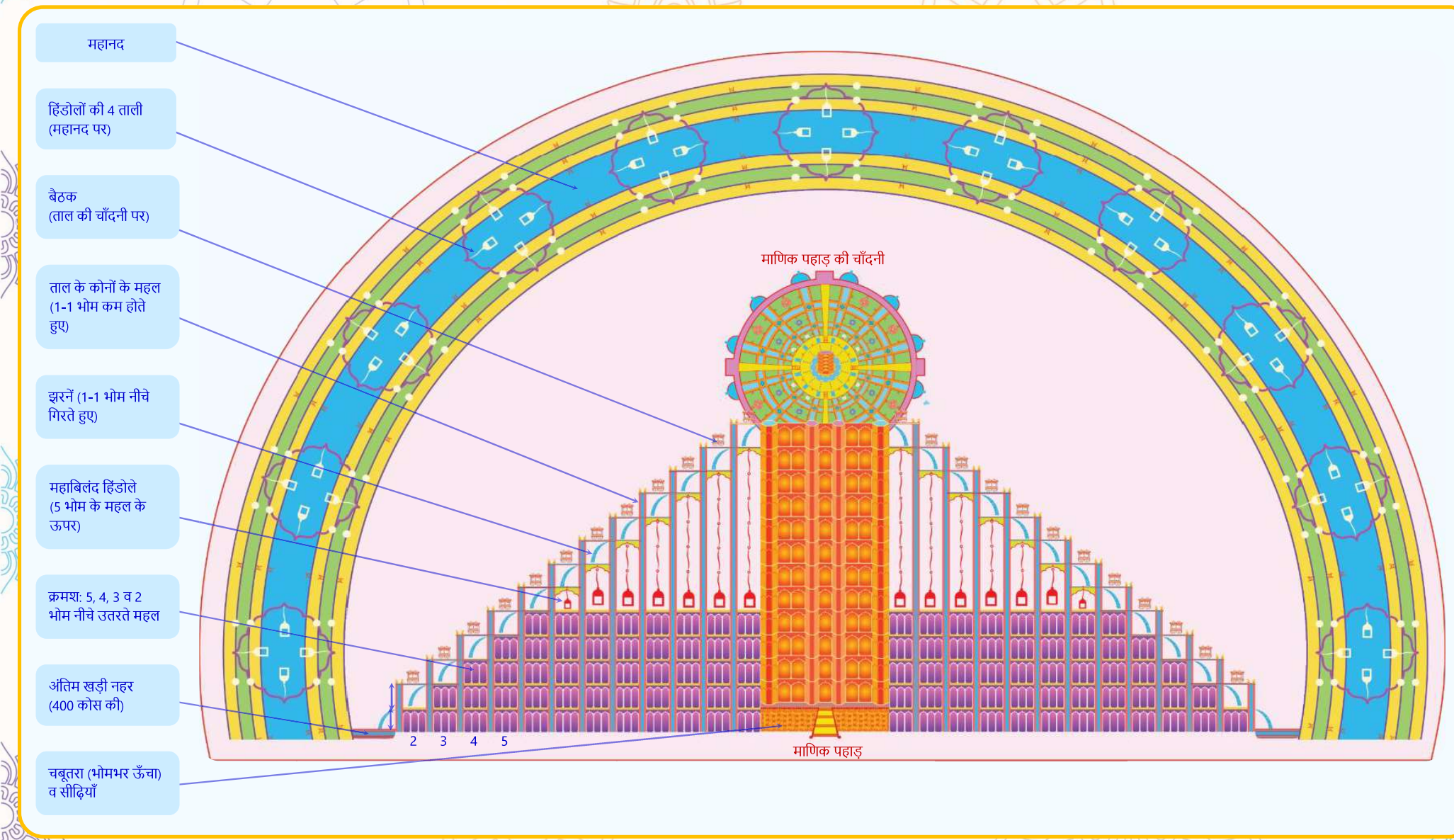

माणिक पहाड़ की शोभा

नक्शा नं. 96 (अ) बड़ोवन, मधुवन, महावन व वन की नहरें/महल

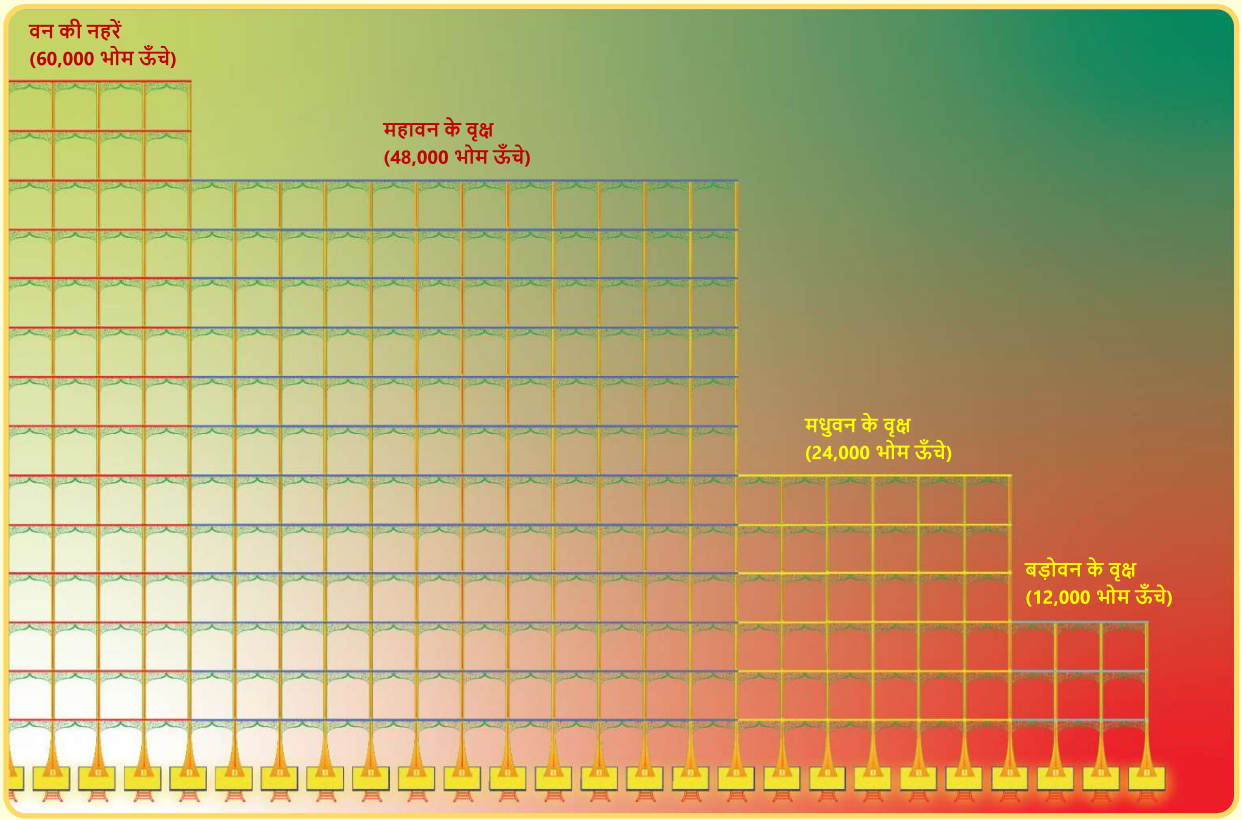

माणिक पहाड़ की हद में बड़ोवन, मधुवन व महावन

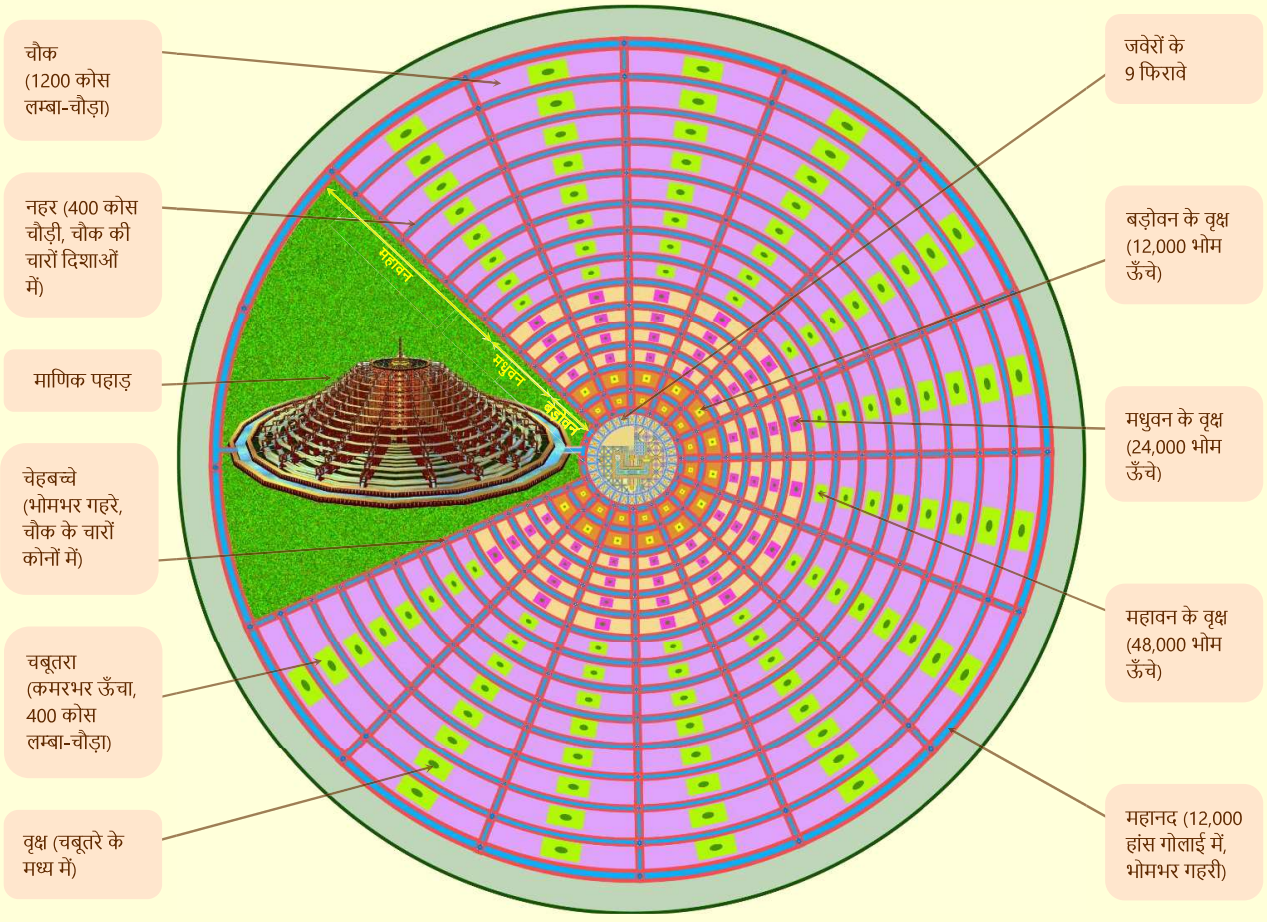

नक्शा नं. 96(ब) वन की नहरों की शोभा

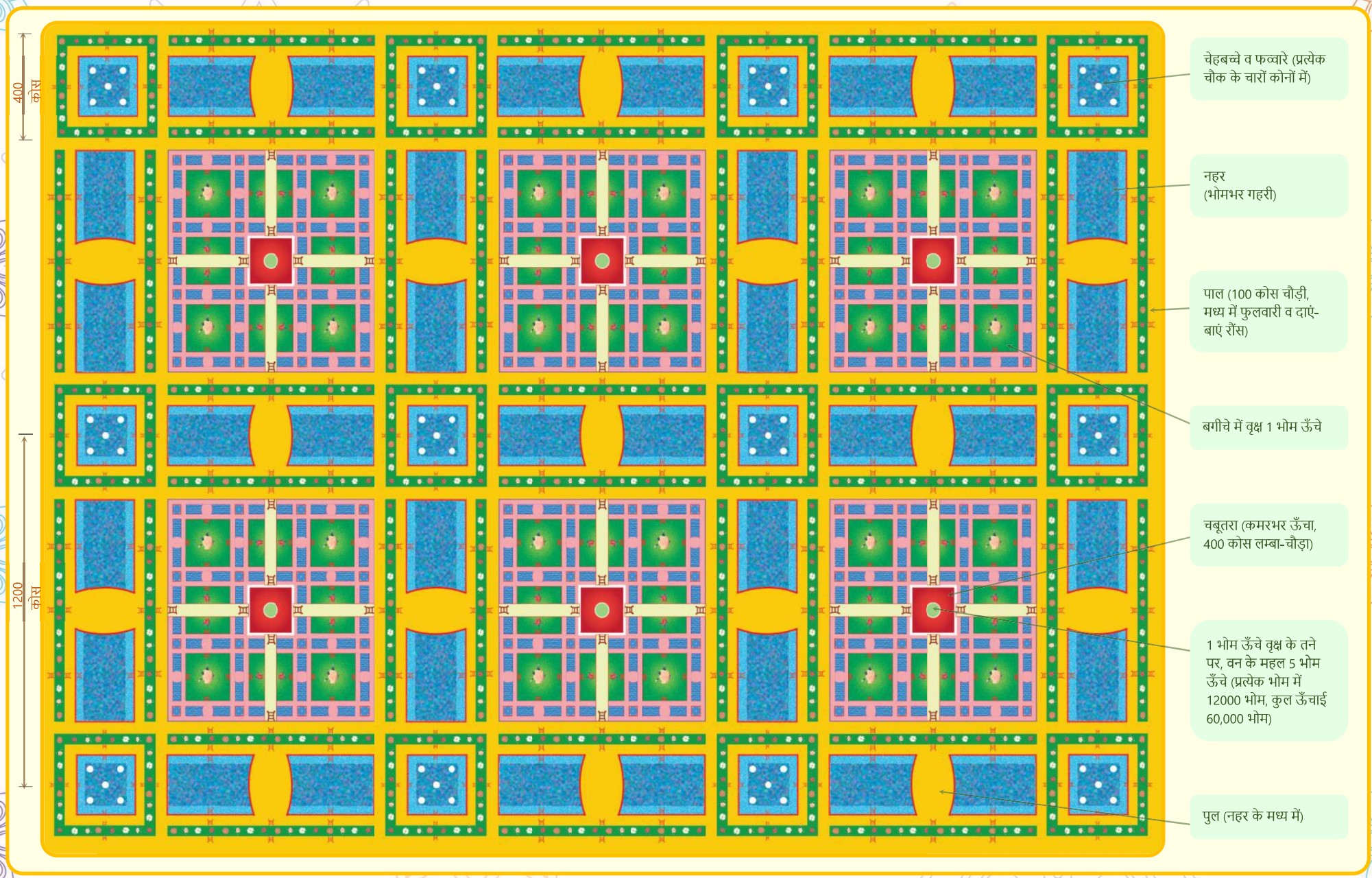

बन छाया है मोहोल जो, इत मोहोल बने बन के।
जानो सोभा सबसे अतंत है, सब सुख लेतीं रूहें ए।।

नक्शा नं. 97(अ) छोटी रांग/चार हार हवेली की शोभा

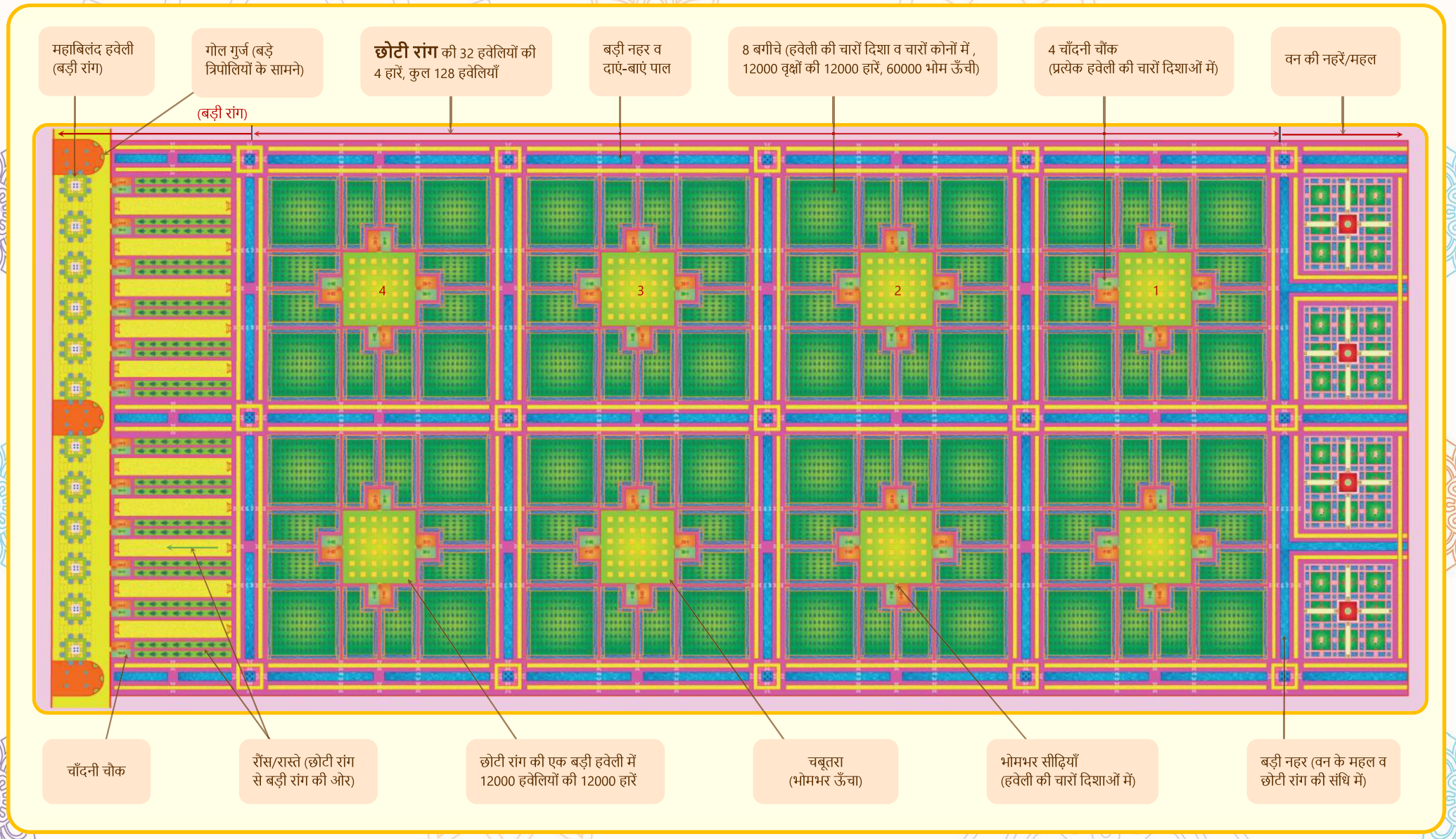

नक्शा नं. 97(ब) छोटी रांग : एक हवेली की शोभा

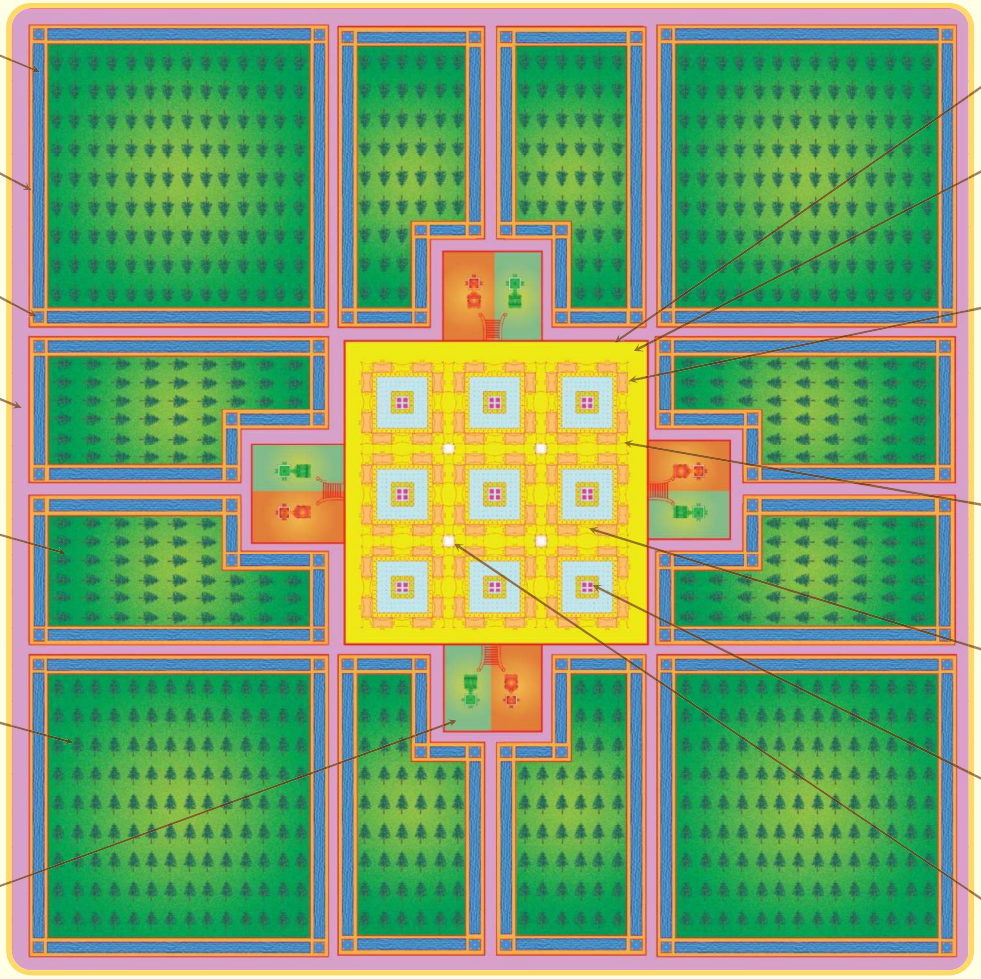

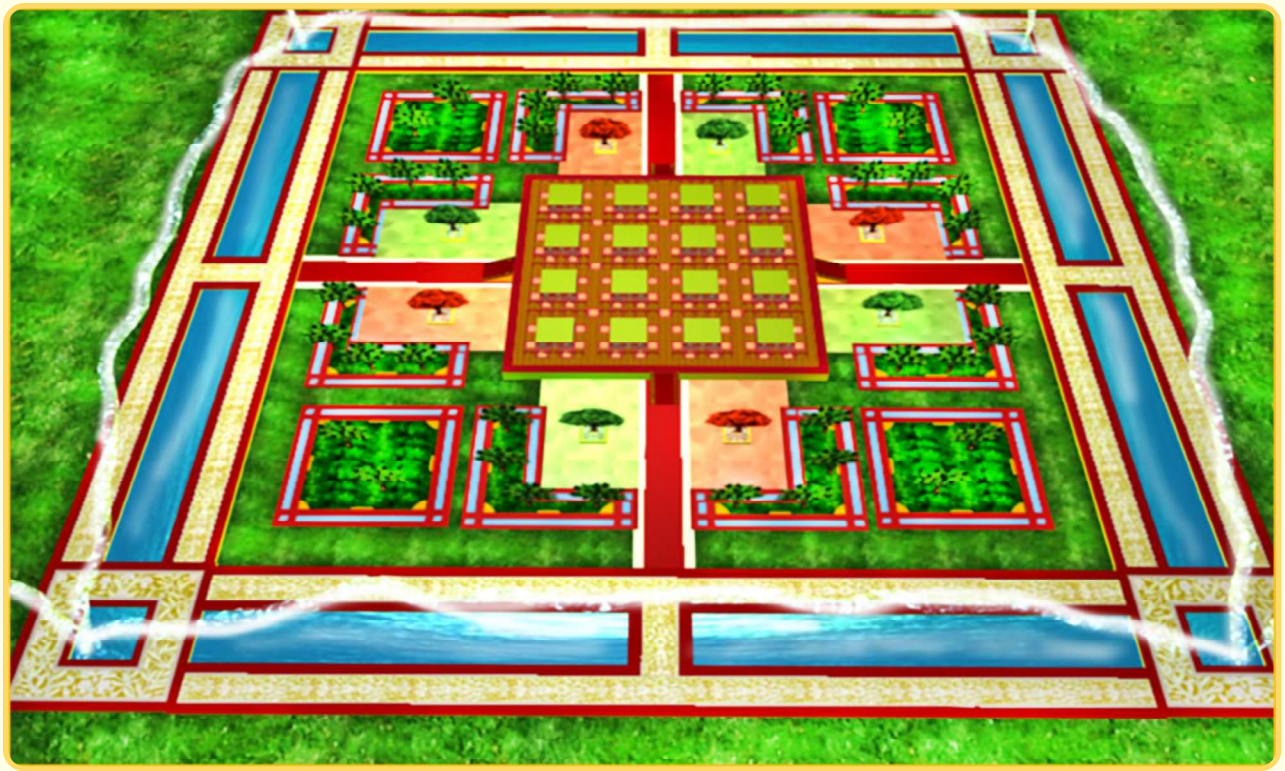

पांच भोम हवेलियन की, चौक छठी चांदनी।
सब बैठे एक नूर एक रस, ए ठौर अति सुखदाए अपनी ।।

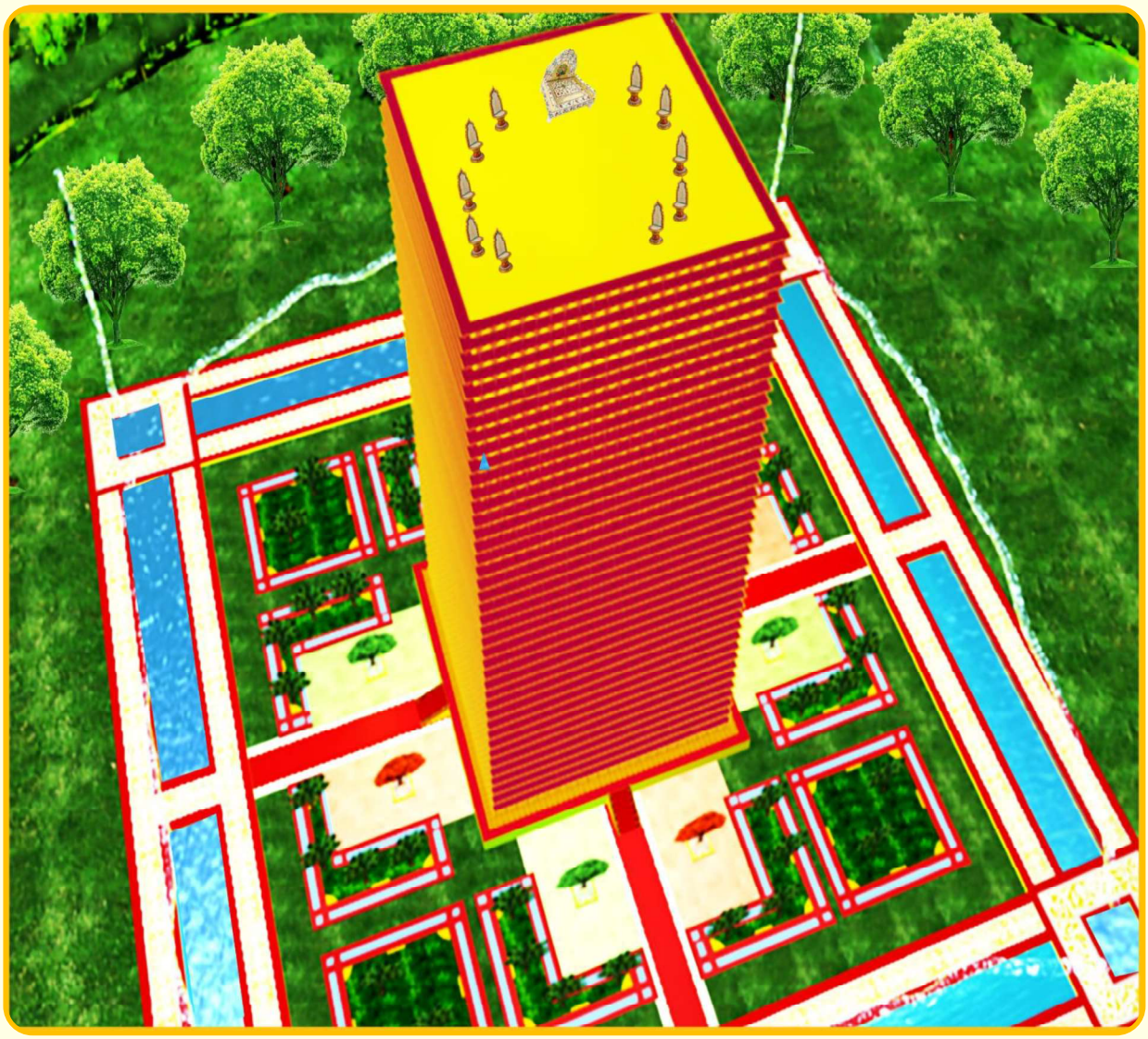

चारों हारे हवेलियों, चारों रास्ते दोरी बंध।
दरखत दोऊं बाजू के, ए नूर मोमिन जाने सनंध ।।

नक्शा नं. 98(अ) छोटी रांग व बड़ी रांग - एक हवेली में महलों की शोभा

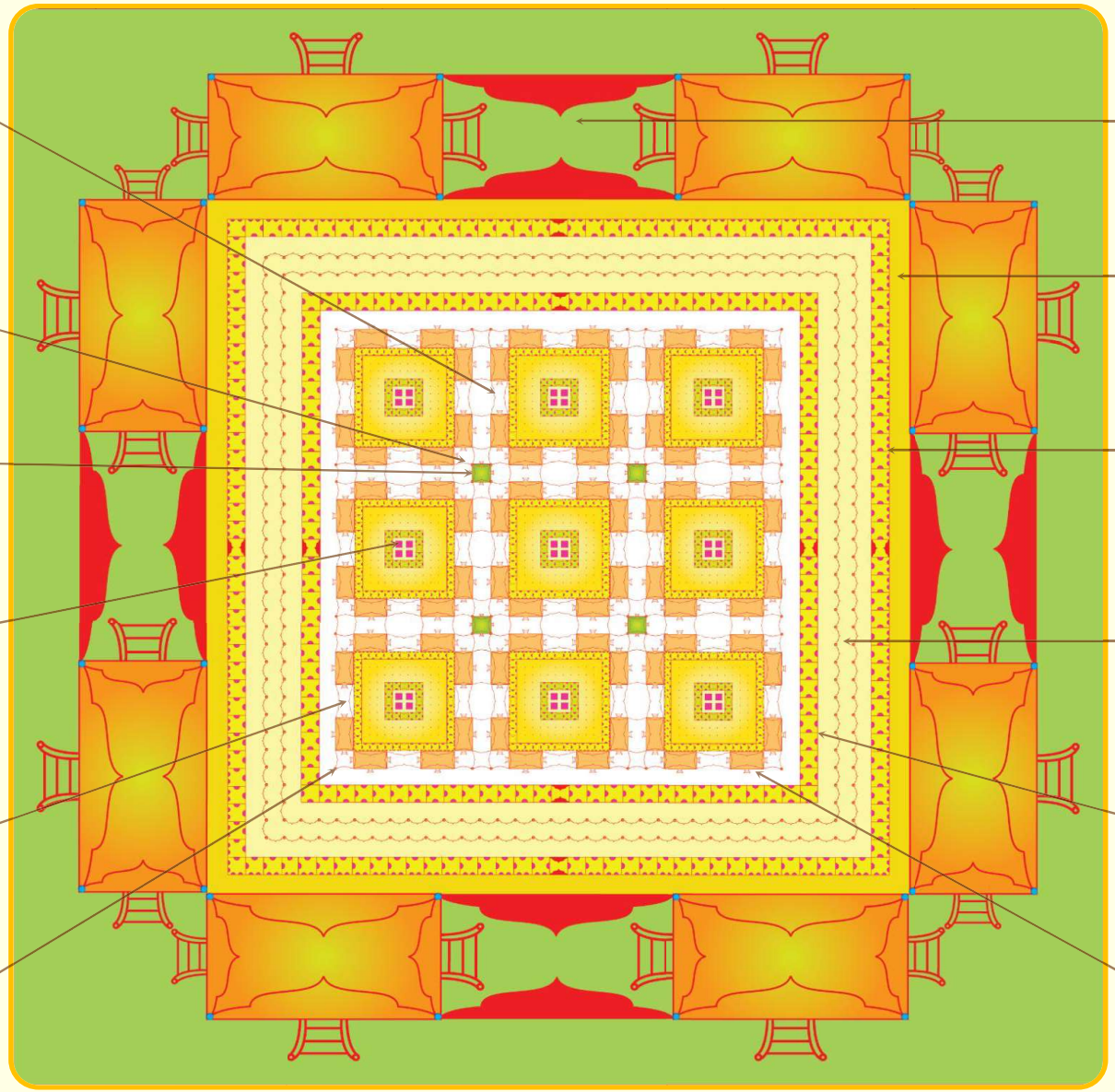

नक्शा नं. 98(ब) छोटी रांग व बड़ी रांग - एक महल में मंदिरों की शोभा

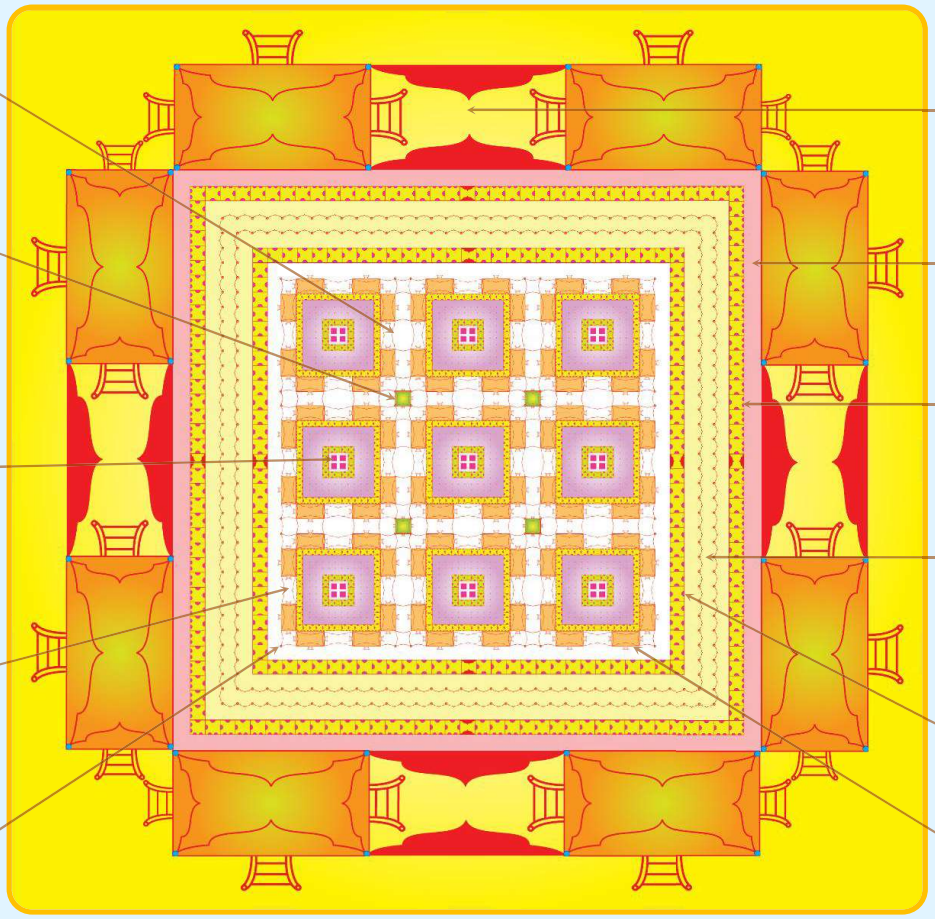

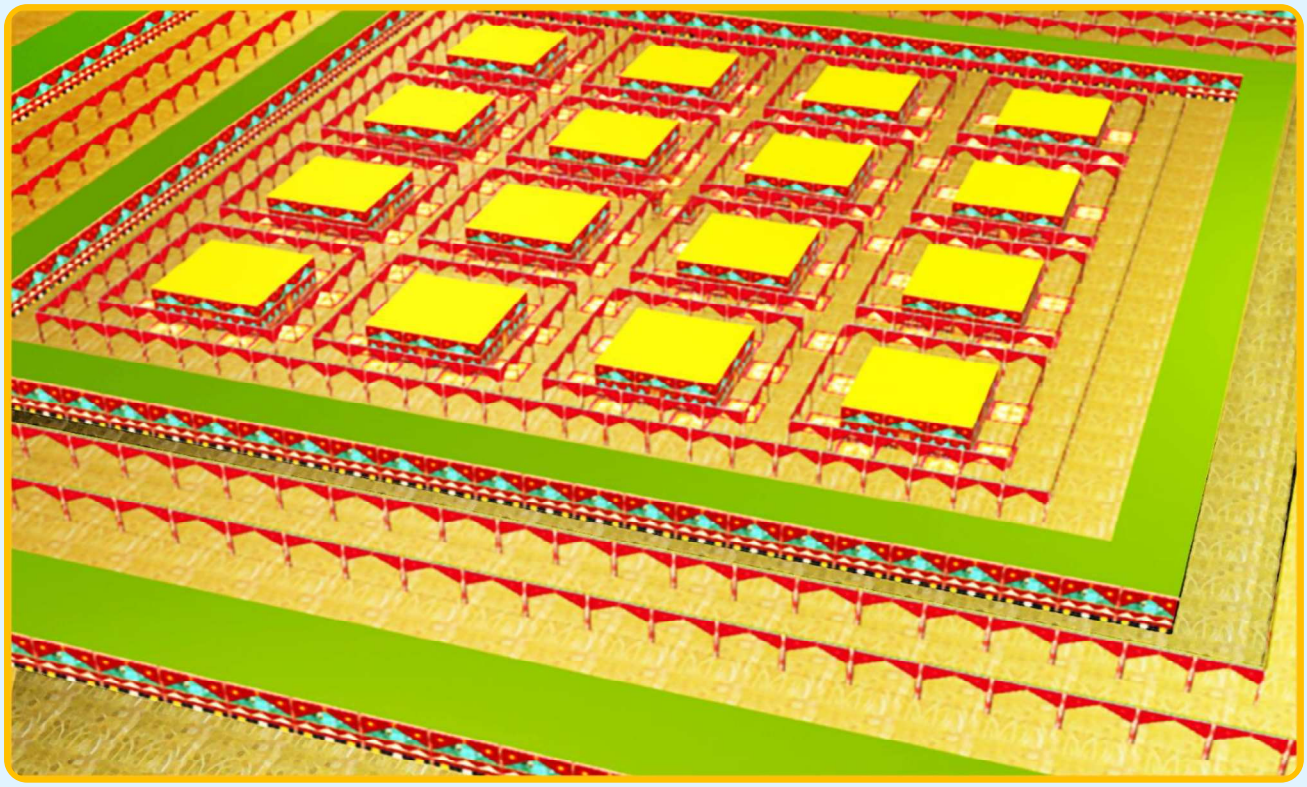

नक्शा नं. 99 छोटी रांग व बड़ी रांग - एक हवेली में महल, मंदिर व कोठरी की शोभा

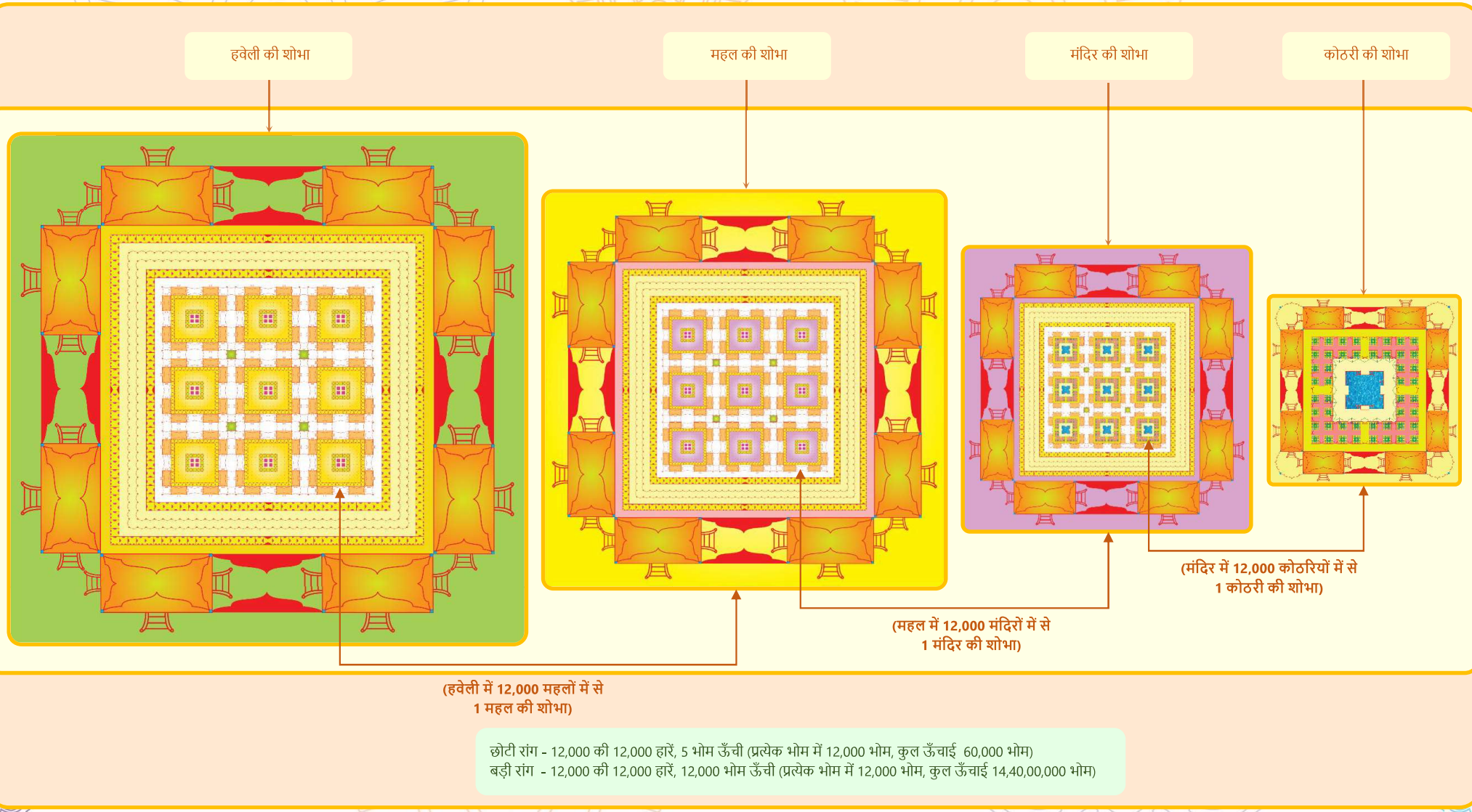

छोटी रांग - 12,000 की 12,000 हारें, 5 भोम ऊँची (प्रत्येक भोम में 12,000 भोम, कुल ऊँचाई 60,000 भोम)
बड़ी रांग - 12,000 की 12,000 हारें, 12,000 भोम ऊँची (प्रत्येक भोम में 12,000 भोम, कुल ऊँचाई 14,40,00,000 भोम)

नक्शा नं. 100(अ) बड़ी रांग : एक सागर के चारों तरफ की शोभा

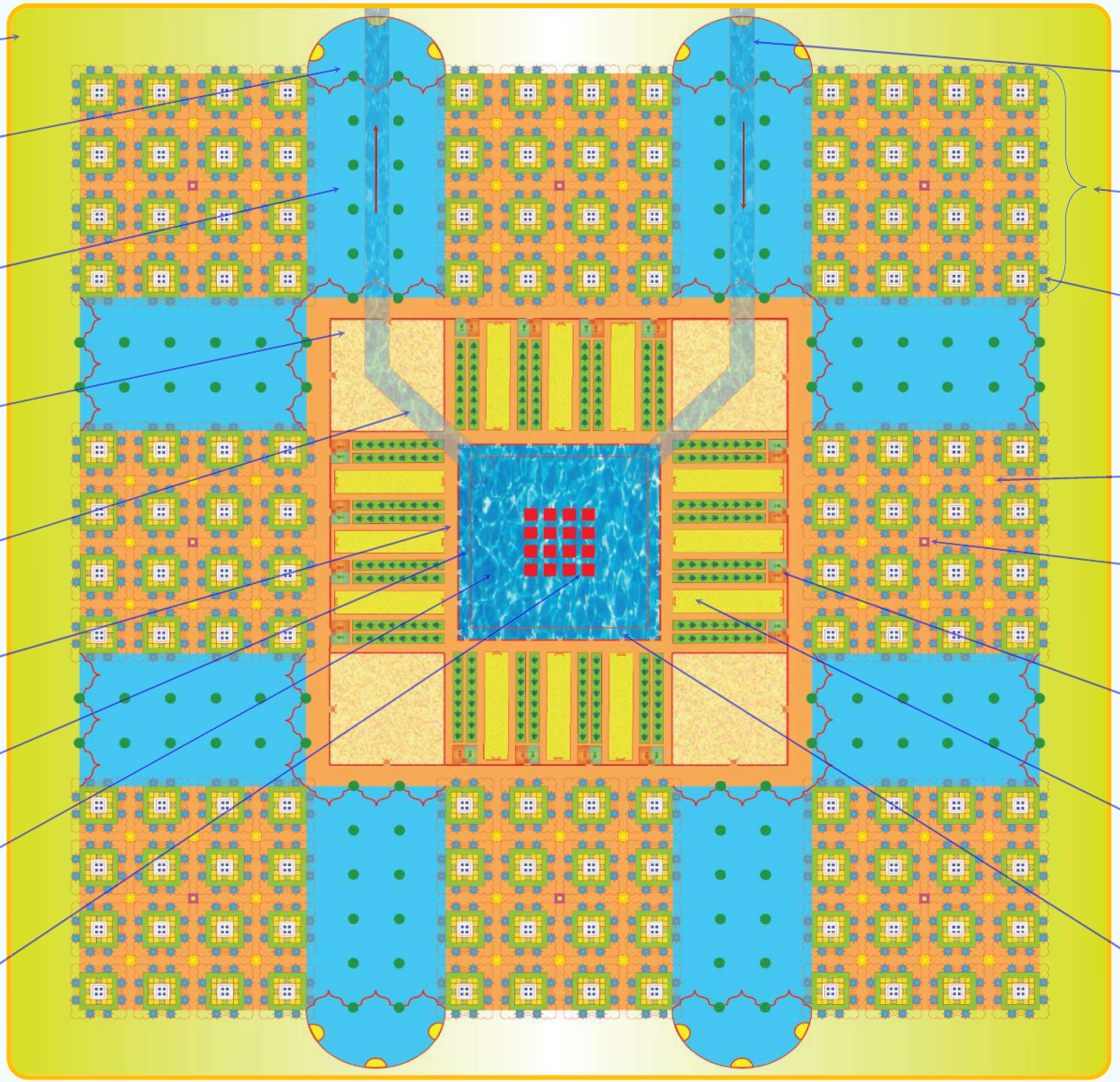

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

गोल गुर्ज
(बड़े त्रिपोलिये के सामने)

बड़ा त्रिपोलिया

रेती का मैदान
(सागर के चारों कोनों में)

जल (गुप्त रूप से घड़नाले द्वारा सागर से निकलता हुआ)

जल रौंस (400 कोस चौड़ी)

जल चबूतरा

सागर का जल

टापू महल
(सागर के मध्य में 12000 की 12000 हारें)

जल (गुप्त रूप से सागर में समाता हुआ)

8 महाबिलंद हवेलियाँ
(सागर के चारों दिशाओं व कोनों में)

12000 हवेलियों की 12000 हारें, 12,000 भोम ऊँची
(एक महाबिलंद हवेली में)

चबूतरे
(हवेलियों के चारों कोनों में)

मध्य की हवेली
(महाबिलंद हवेलियों के मध्य के त्रिपोलियों में)

12000 चाँदनी चौक
(12,000 हवेलियों के सामने)

24,000 रौंस
(12,000 त्रिपोलियों के सामने, 12,000 चाँदनी चौक के मध्य में))

घाट/जल चबूतरे पर उतरती सीढ़ियाँ (24,000 रौंस के सामने)

छोटी रांग की अंतिम आड़ी महानद से बड़ी रांग तक की शोभा

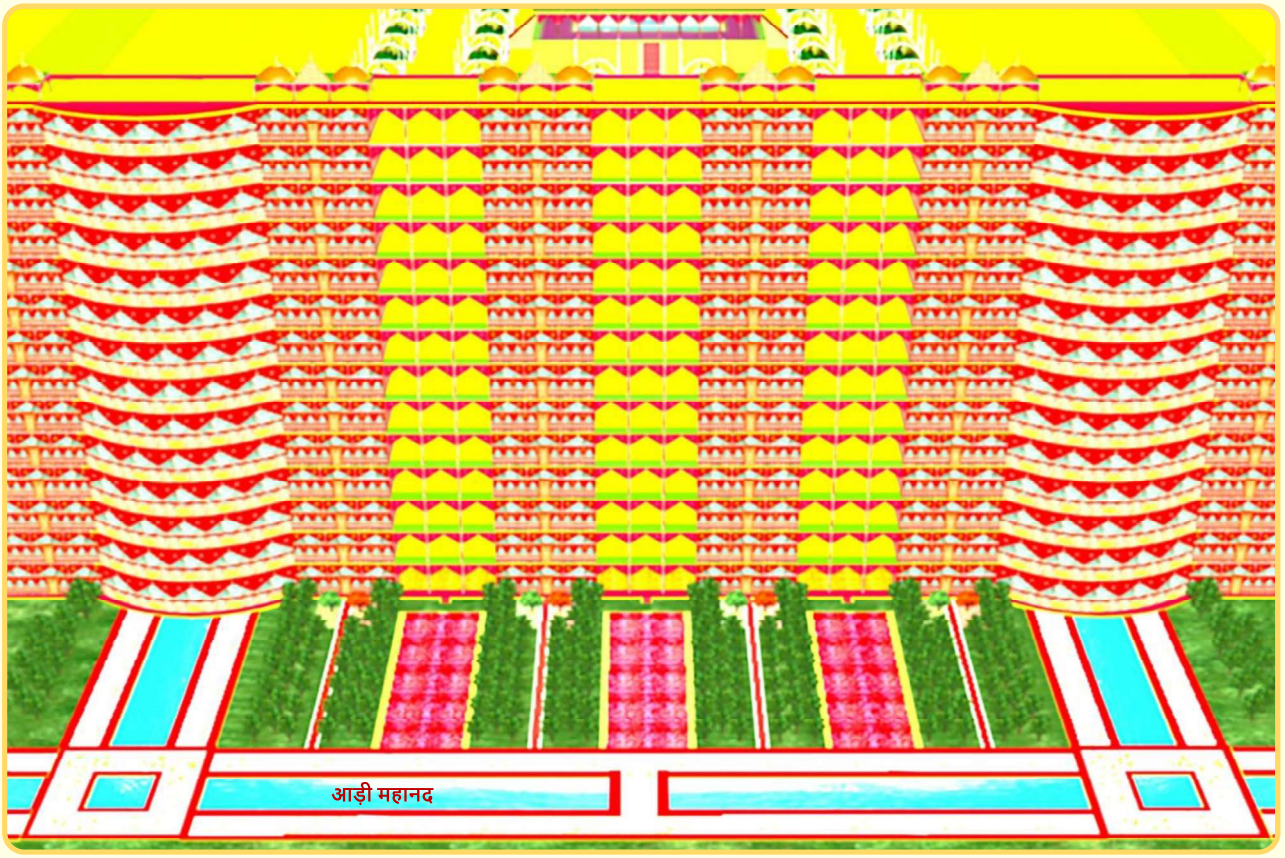

सागर के मध्य टापू महलों की शोभा

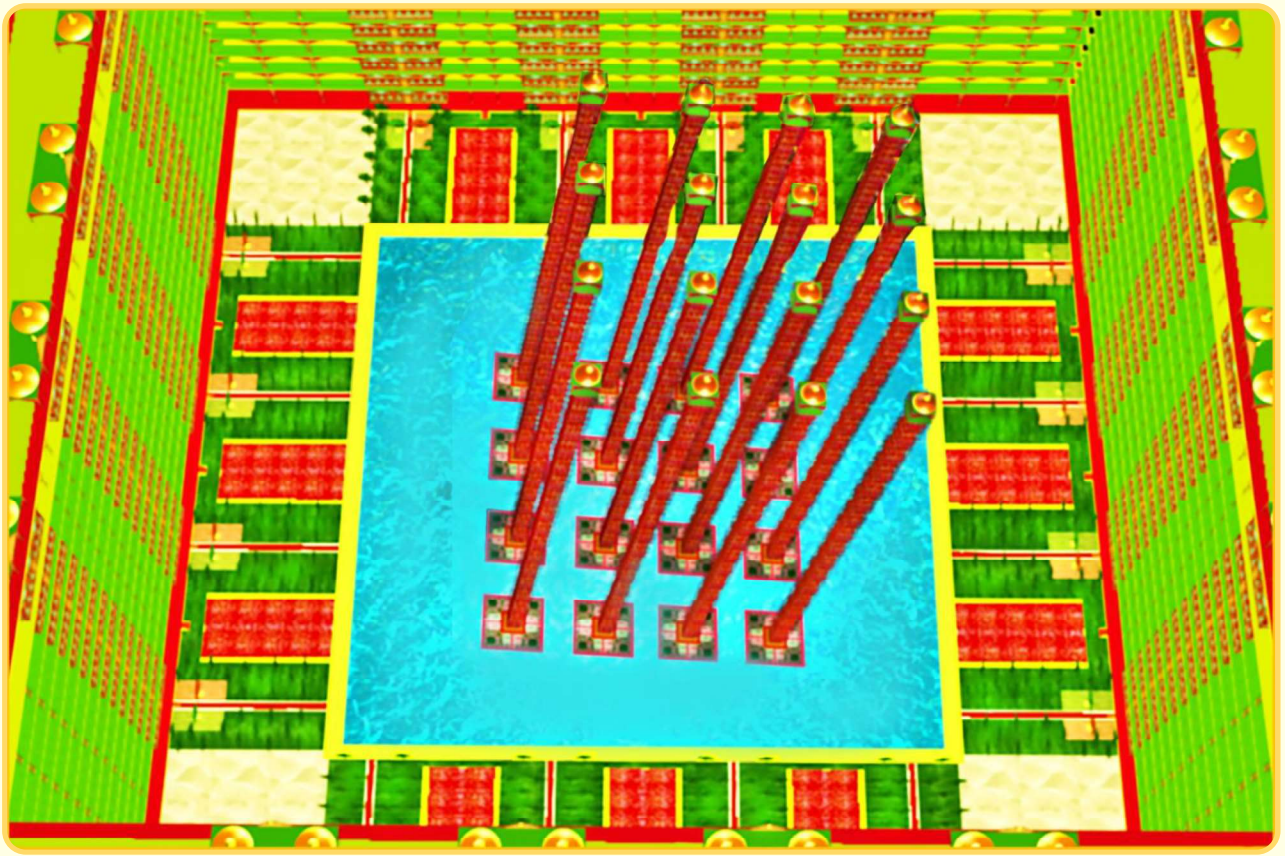

नक्शा नं. 100(ब) बड़ी रांग : एक जमीन के चारों तरफ की शोभा

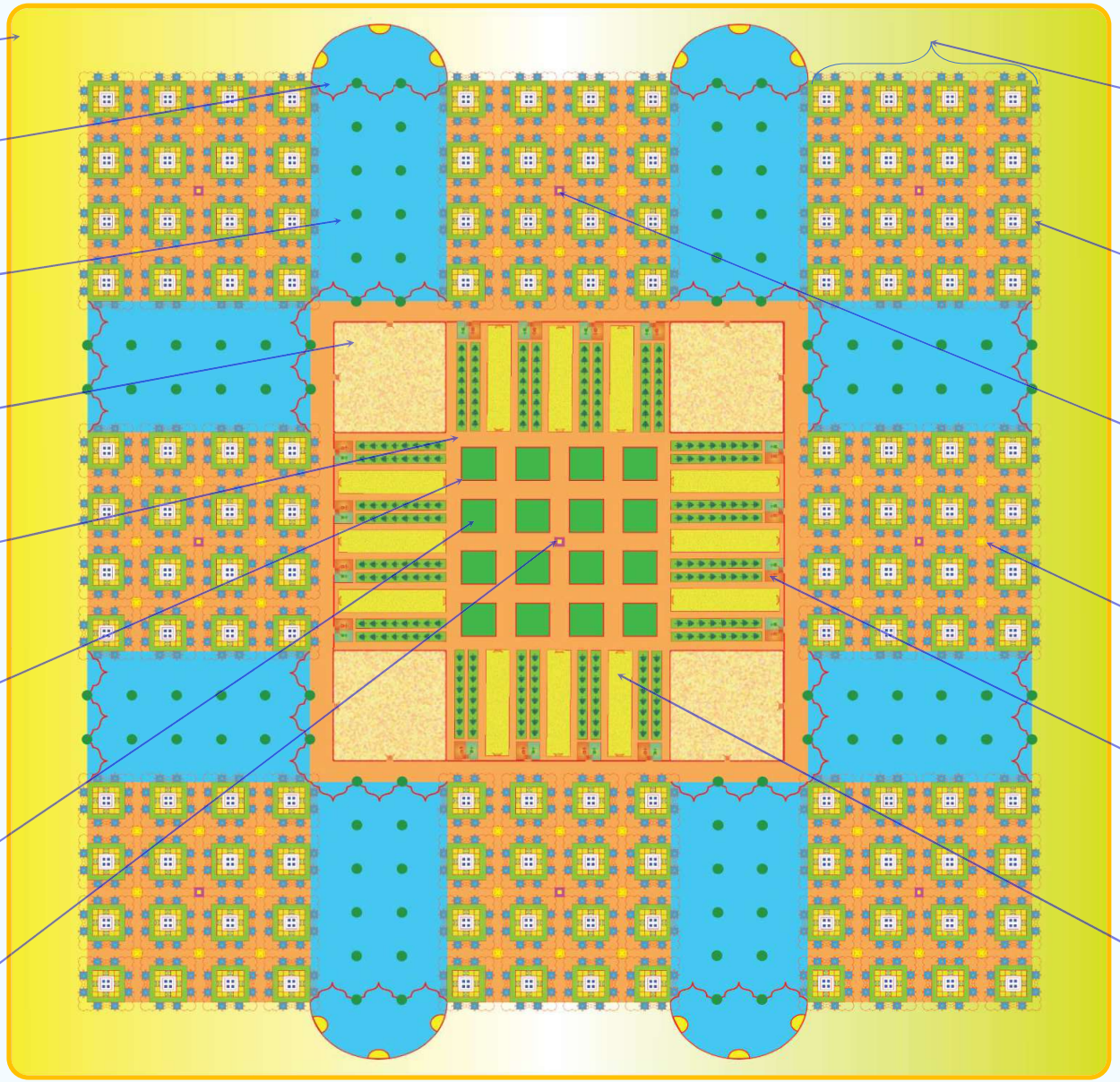

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

गोल गुर्ज
(बड़े त्रिपोलिये के सामने)

बड़ा त्रिपोलिया

रेती का मैदान
(सागर के चारों कोनों में)

रौंस (जमीन को घेरकर
1600 कोस चौड़ी)

12000 हवेलियों की
12000 हारें
(भोमभर ऊँचे चबूतरे पर)

महाहवेली (भोमभर ऊँची
पाल पर सम्पूर्ण शोभा नूरी
फूलों पत्तों की)

मध्य की हवेली
(महाहवेली के मध्य में)

8 महाबिलंद हवेलियाँ
(जमीन की चारों दिशाओं व
कोनों में)

12000 हवेलियों की
12000 हारें,
12,000 भोम ऊँची
(एक महाबिलंद हवेली में)

मध्य की हवेली
(महाबिलंद हवेलियों के
मध्य के त्रिपोलियों में)

चबूतरे
(हवेलियों के चारों कोनों में)

12000 चाँदनी चौक
(12,000 हवेलियों के
सामने)

24,000 रौंस
(12,000 त्रिपोलियों के
सामने, 12,000 चाँदनी
चौक के मध्य में))

नक्शा नं. 101 बड़ी रांग : एक सागर व एक जिमी/जमीन के चारों तरफ की शोभा

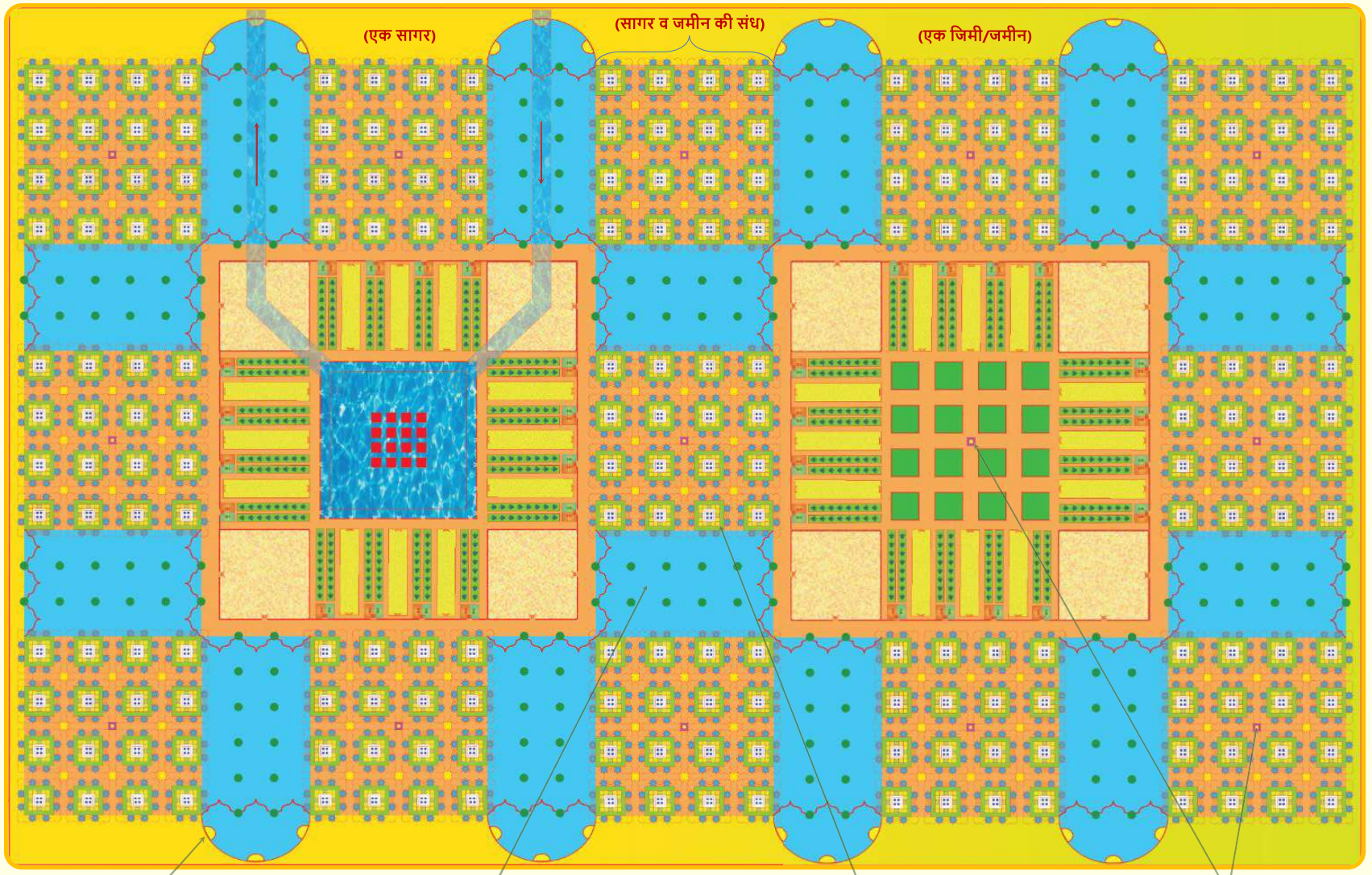

एक जमीन की महाबिलंद हवेली की भीतरी शोभा

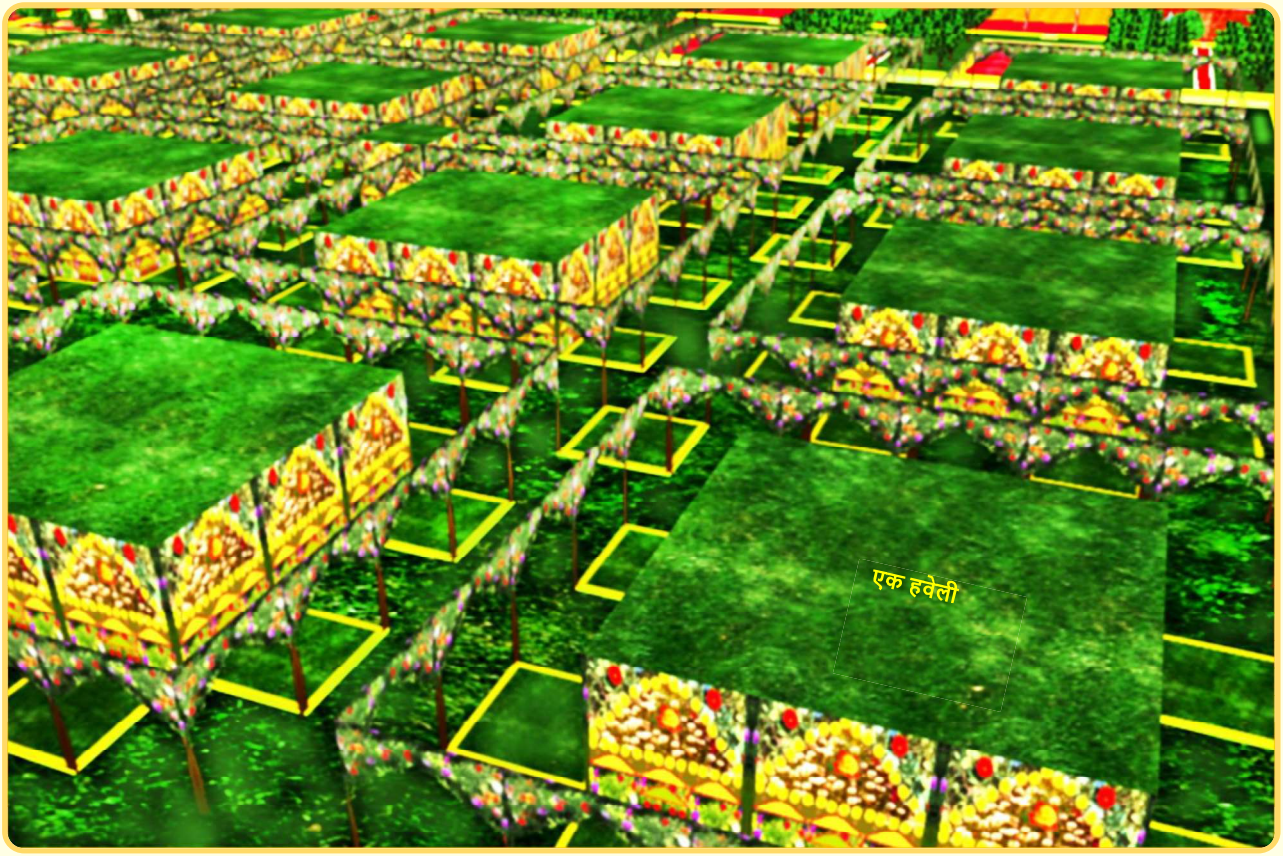

जमीन व सागर की शोभा

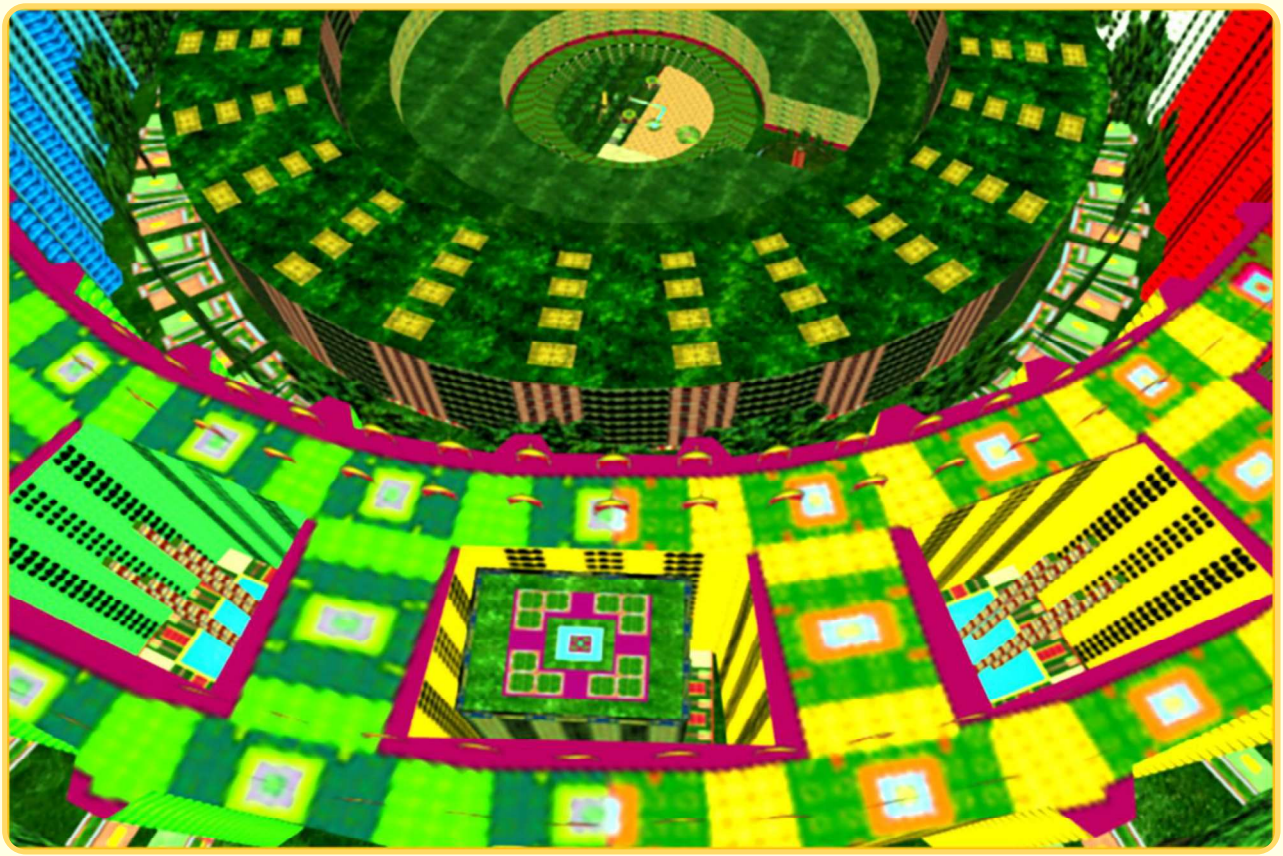

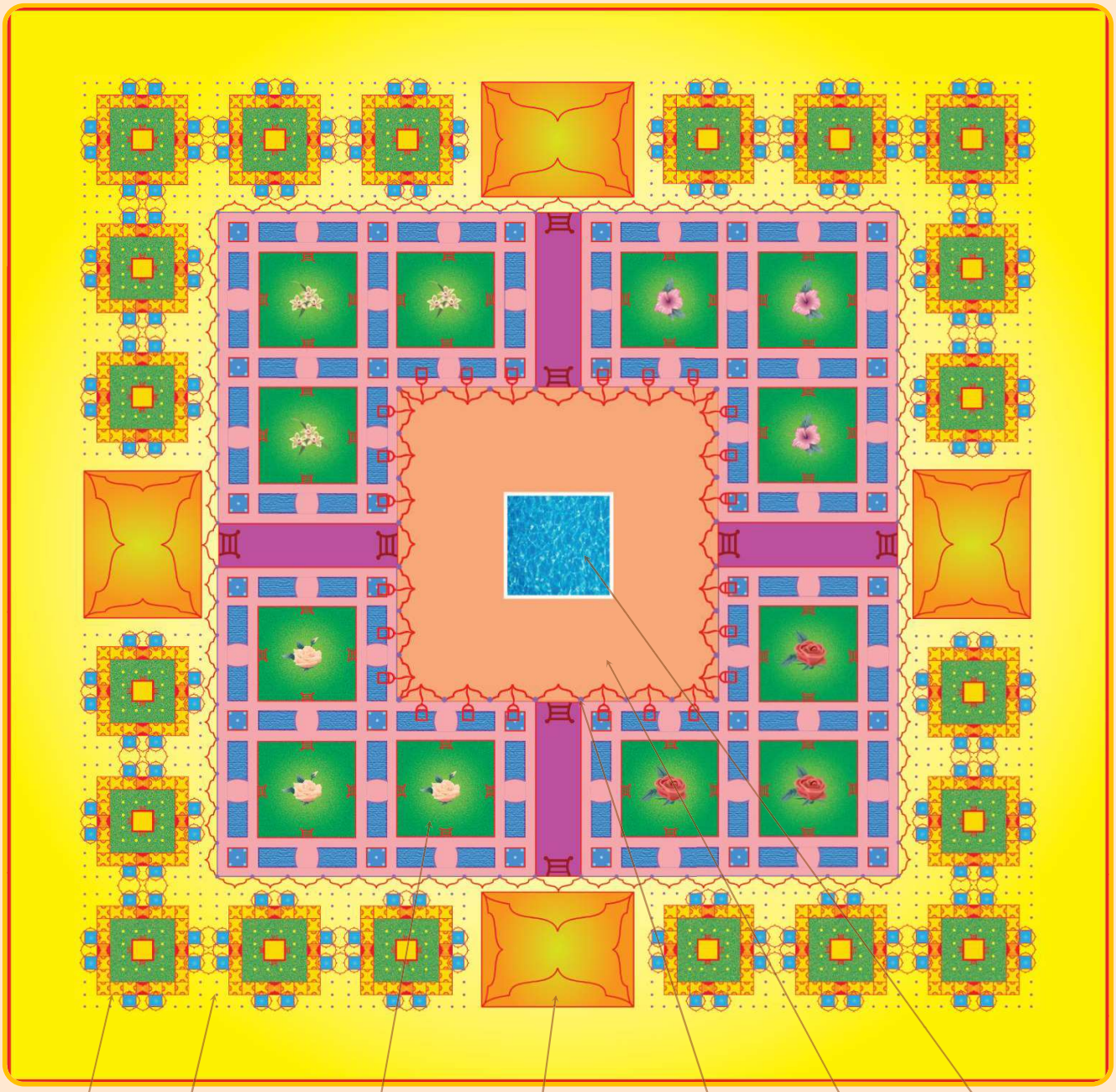

तो नूर रांग पार की क्यों कहूं, जाको सुमार नहीं वार पार।
वह मोमिन देखें दिल अर्स में, जो दिल अर्स परवरदिगार ।।

एक महाबिलंद हवेली की शोभा

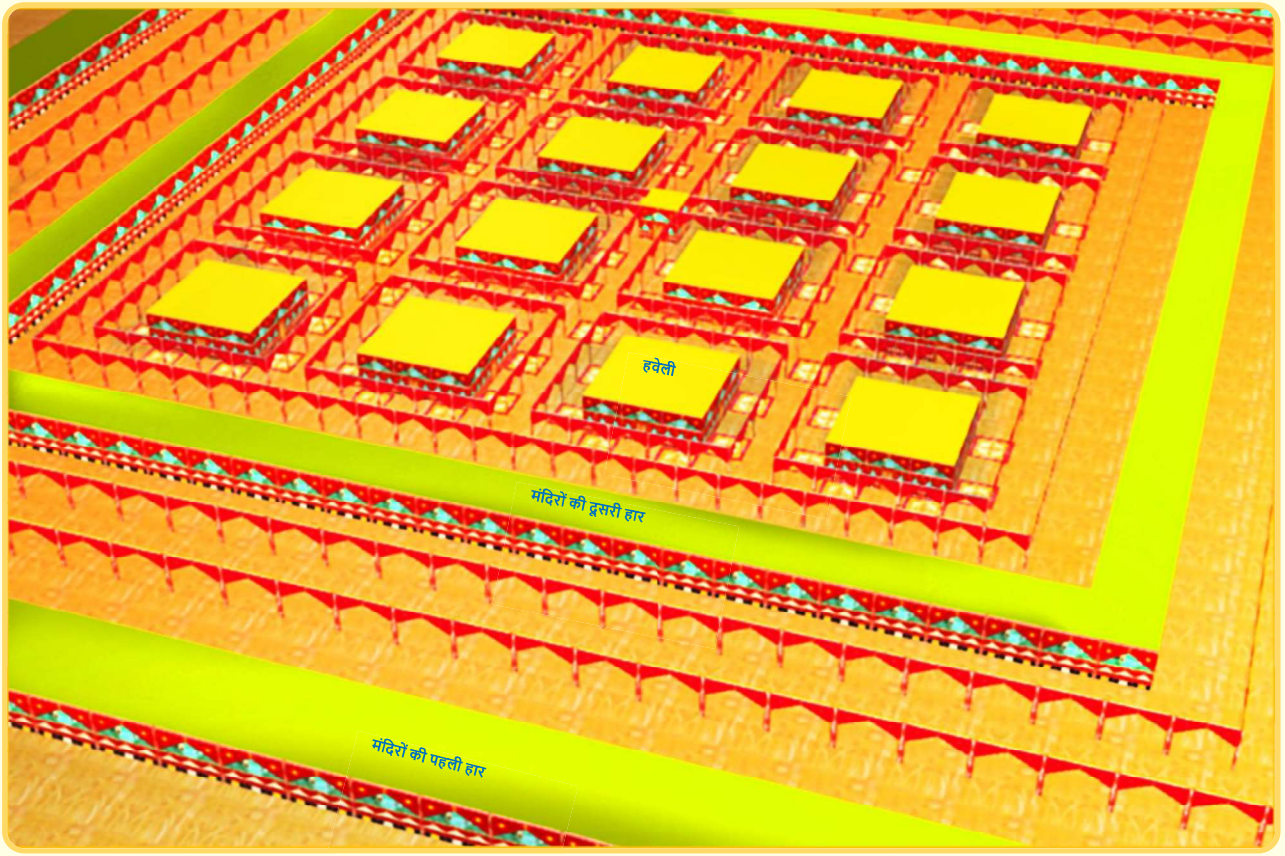

महाबिलंद हवेली के मध्य की हवेली की शोभा

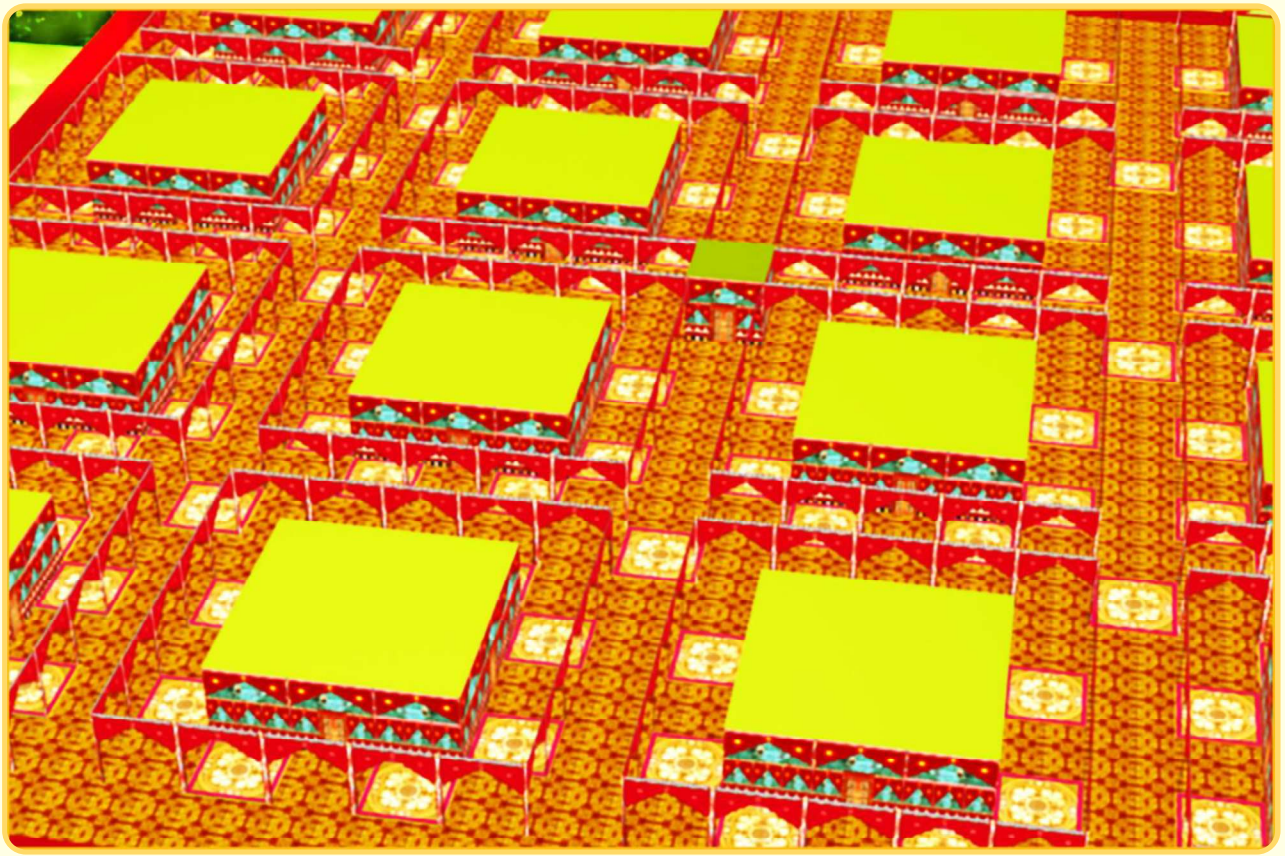

नक्शा नं. 103 बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी की शोभा

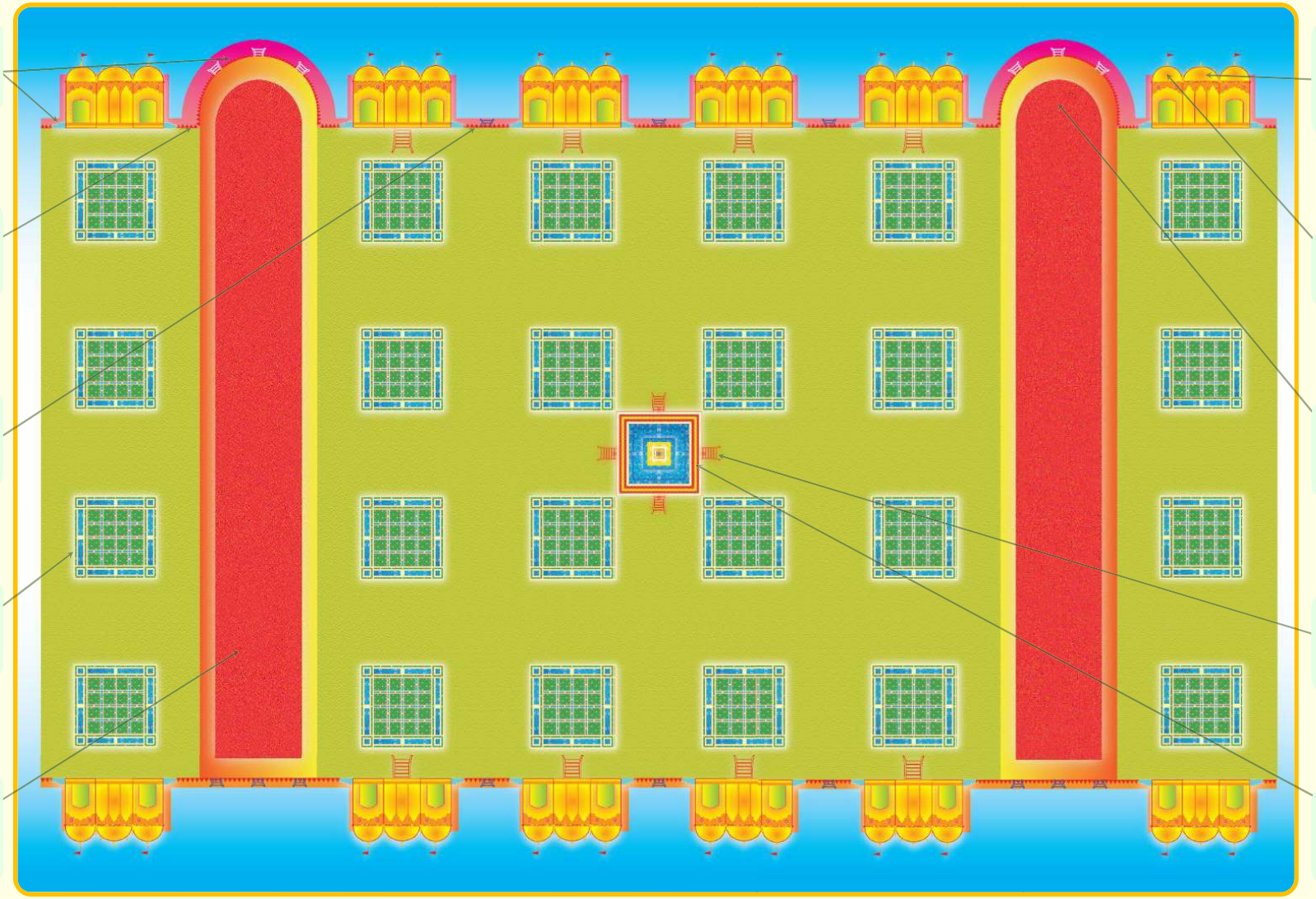

महाबिलंद हवेली की चाँदनी की शोभा

नक्शा नं. 104 बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर एक बगीचे की शोभा

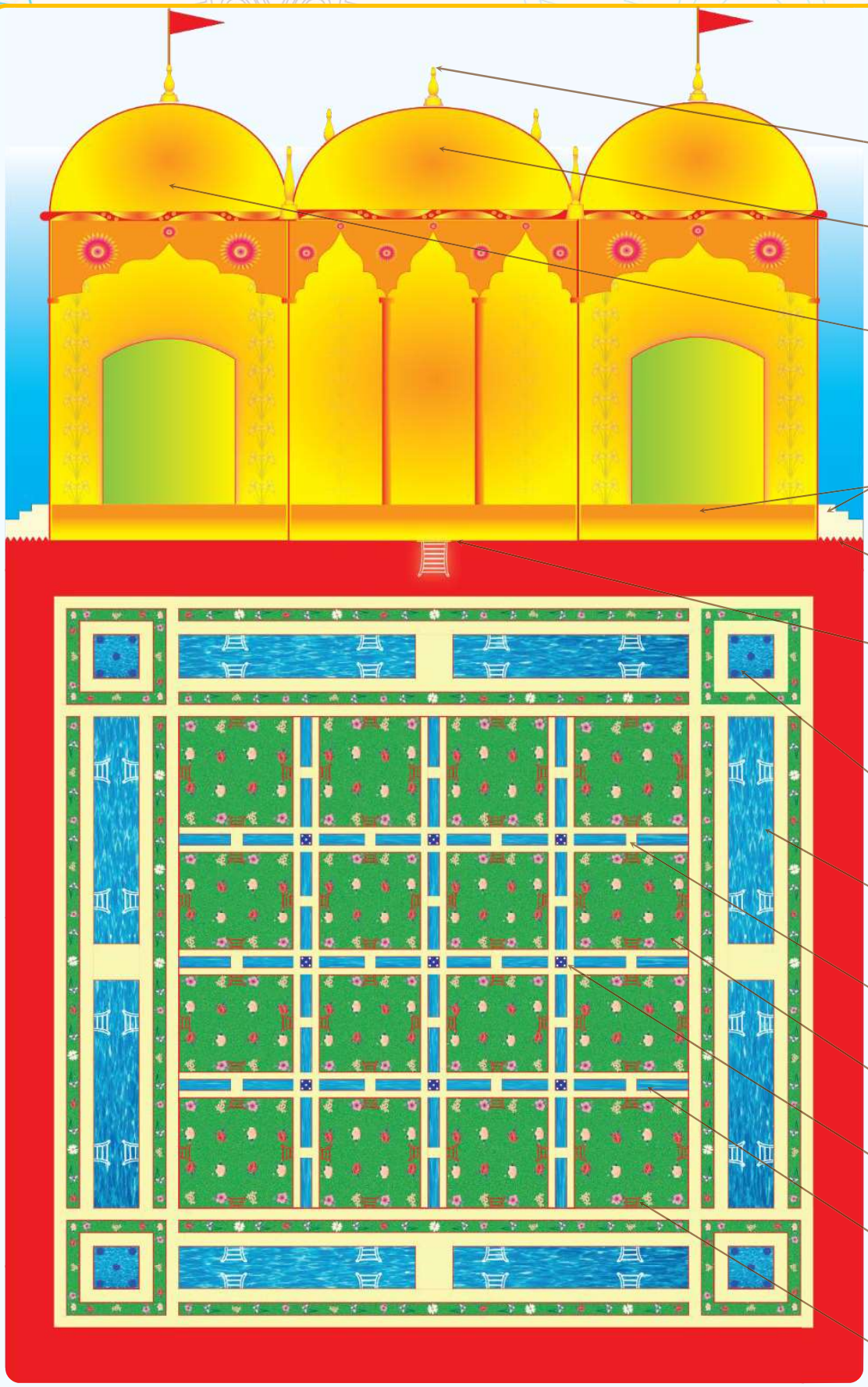

महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर बगीचे, गुम्मट व कमानों की शोभा

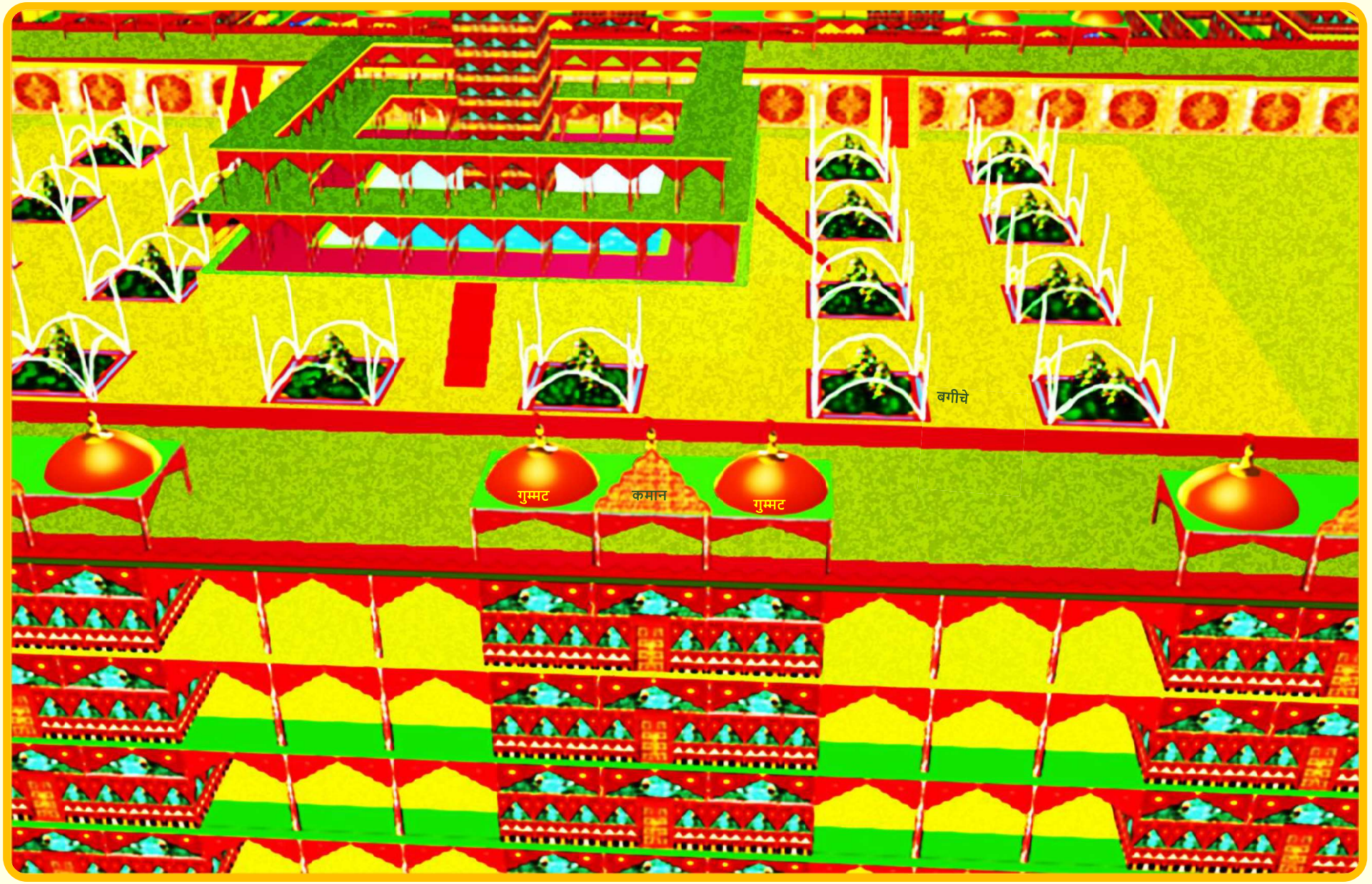

नक्शा नं. 105(अ) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल, ताल व देहलान की शोभा

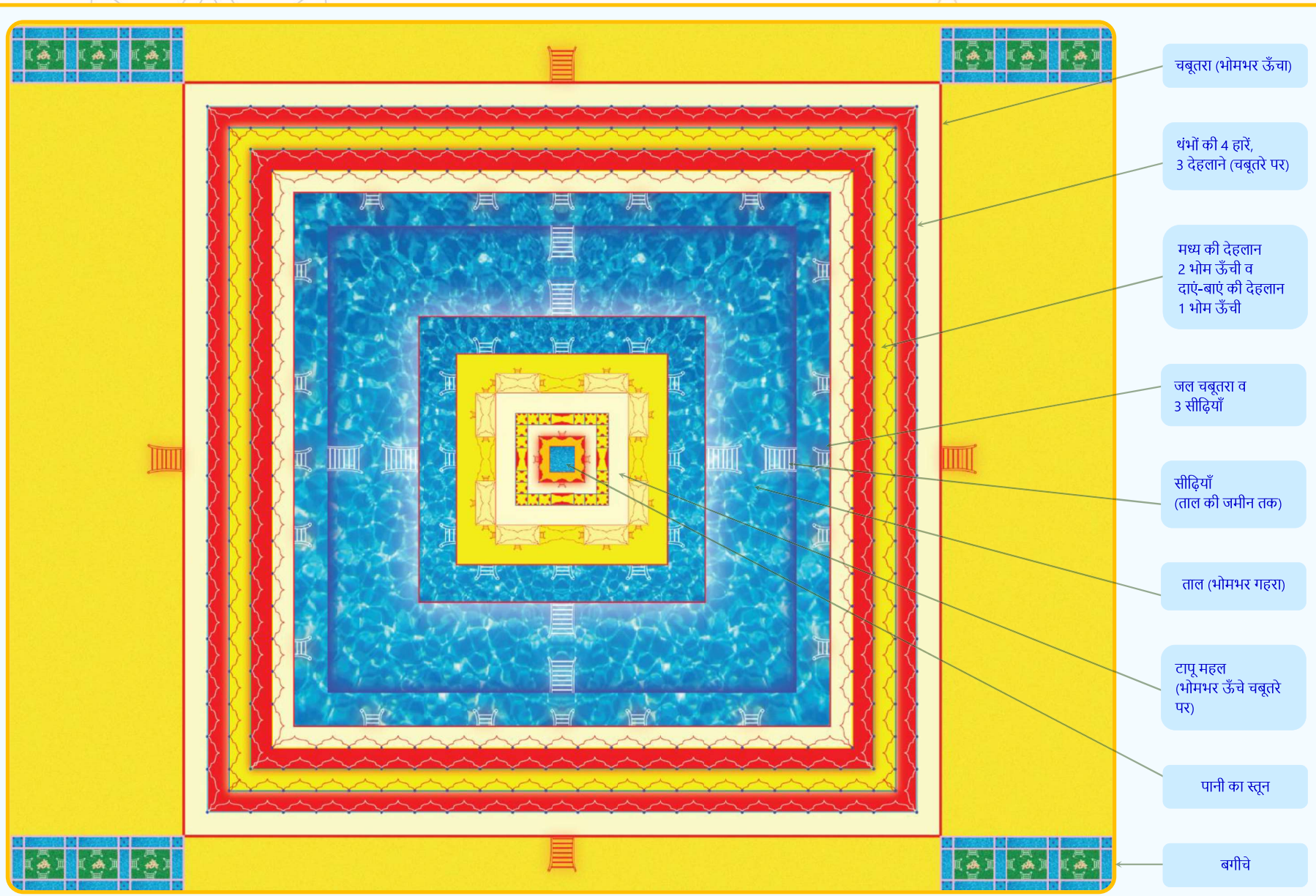

नक्शा नं. 105(ब) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल की शोभा

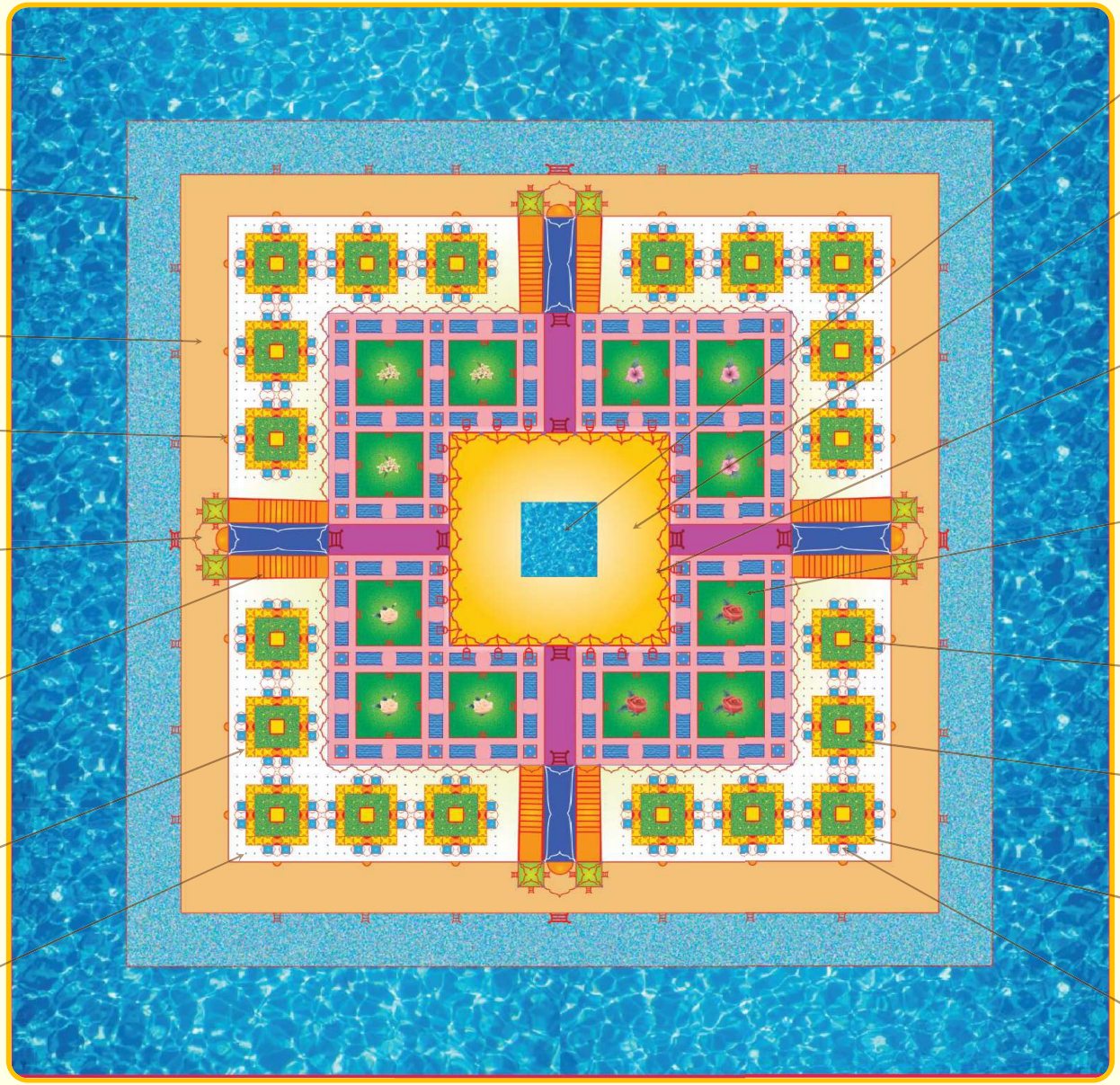

नक्शा नं. 105(स) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली के टापू महल की चाँदनी

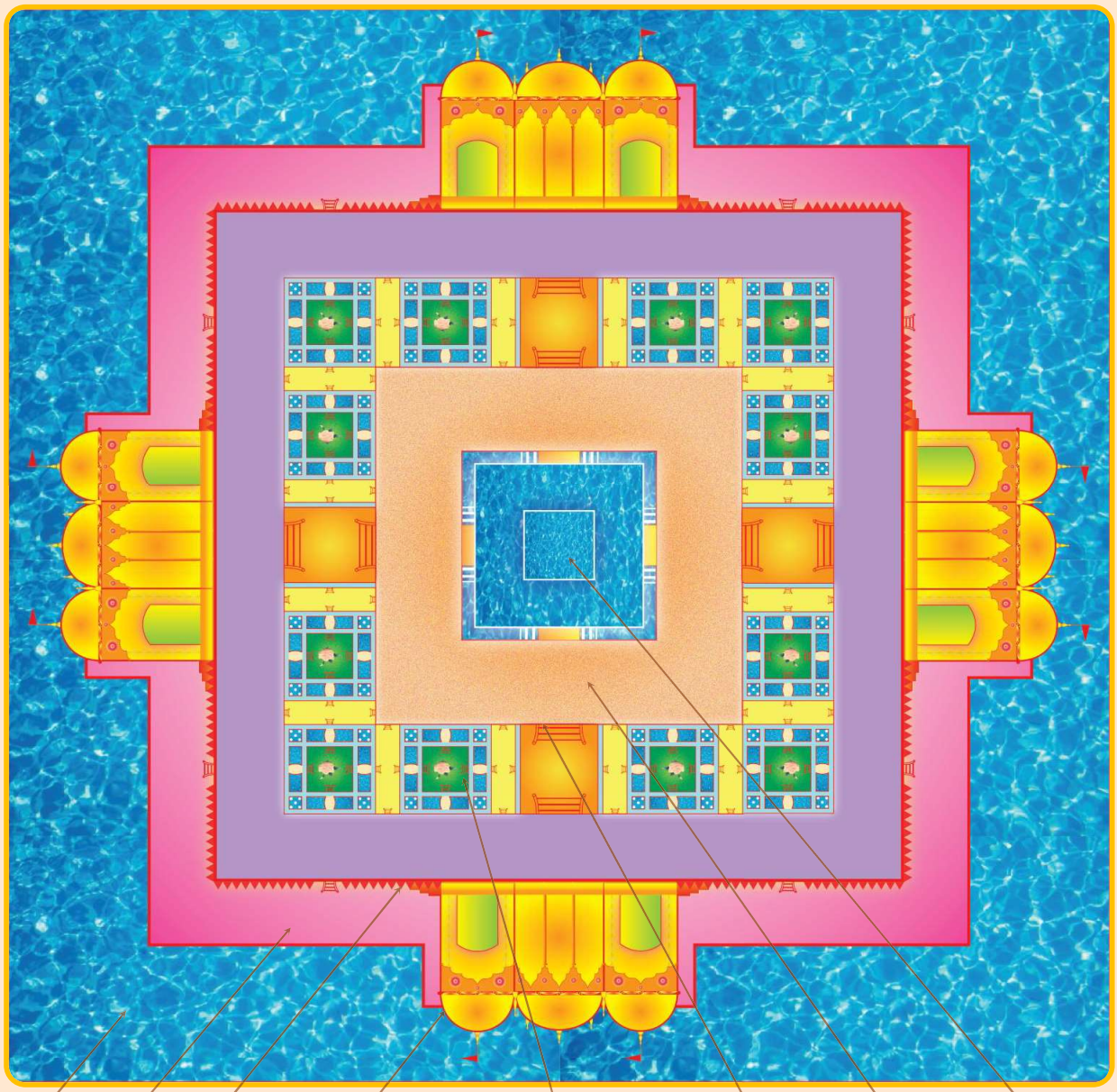

ताल | छज्जा व 3 सीढ़ियाँ | कांगरी | गुम्मट,कमानें, कलश,ध्वजा व पताका | बगीचे (कमरभर नीचे) | चबूतरा (कमरभर ऊँचा) व 3 सीढ़ियाँ | बैठक | पानी का कुंड व मध्य में खुलता हुआ स्तून

पार सोभा ना पार सागर, ना पार टापू ना इमारत।
पार टापू ना मोहोल किनारें मोहोल, सोभा आसमान नूर झलकत ।।

महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल, ताल व देहलान की शोभा

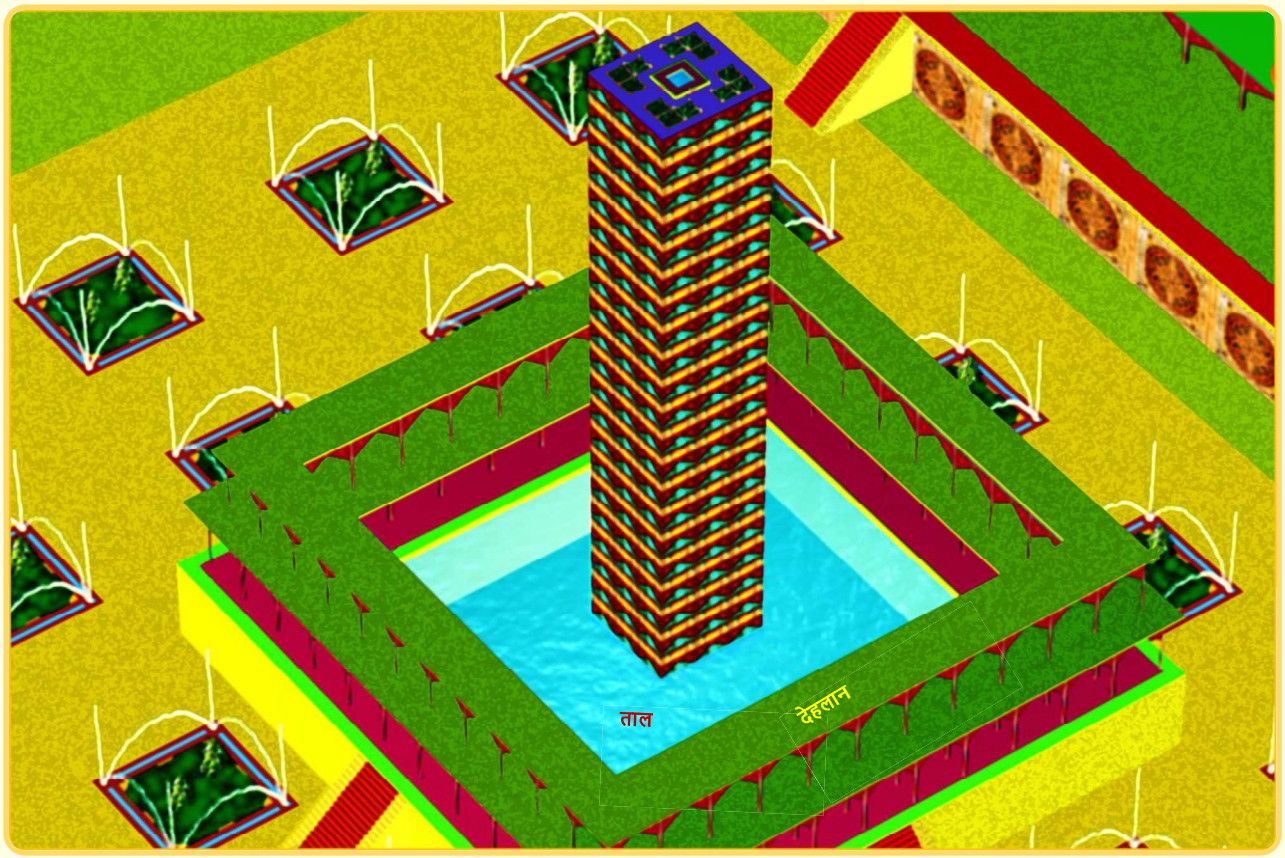

टापू महल की चाँदनी की शोभा

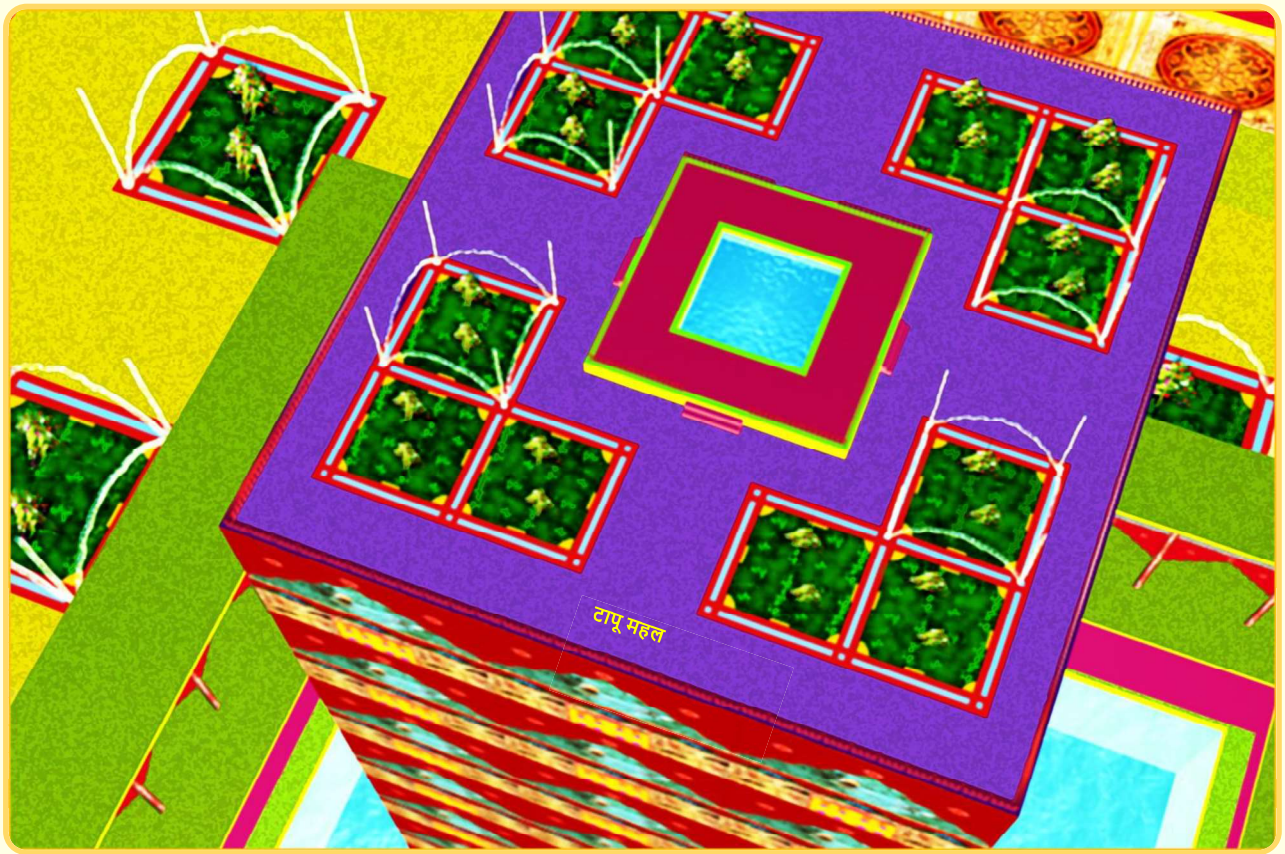

नक्शा नं. 106 बड़ी रांग : सागर के टापू में से एक टापू की शोभा

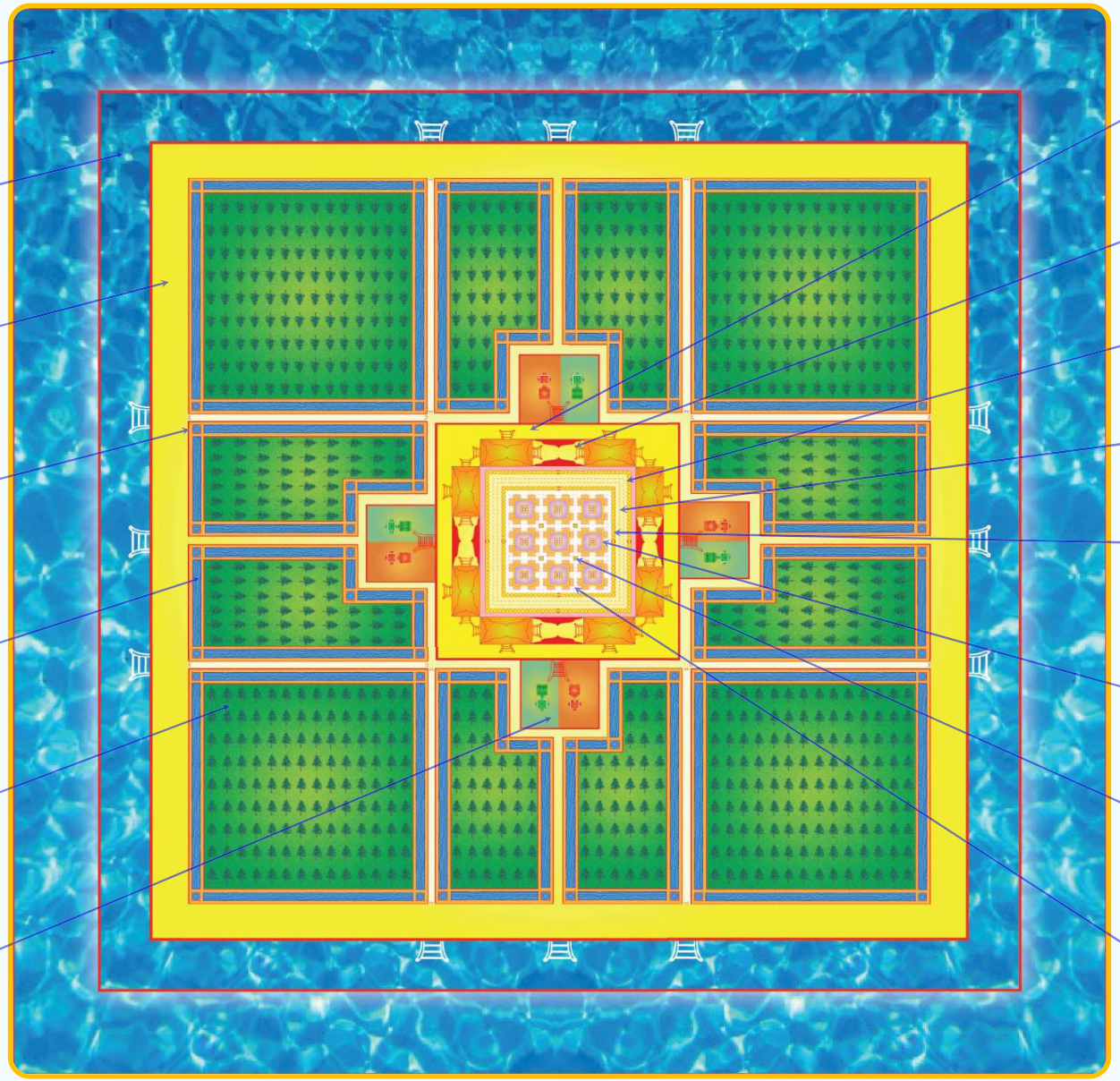

सागर का जल

जल चबूतरा व 3 सीढ़ियाँ

रोंस
(कमरभर ऊँची)

चेहबच्चे व फव्वारे
(बगीचे के चारों कोनों में)

नहरें
(बगीचे की चारो दिशाओं में)

12 बगीचे
(चारो दिशाओं व कोनों में)

चाँदनी चौक व
भोमभर सीढ़ियाँ
(चारो दिशाओं में)

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

दिशा के दरवाजे व
दाएं- बाएं चबूतरे

6000 मंदिरो की पहली हार

6000 थंभों की 2 हारें

6000 मंदिरो की दूसरी हार

महल
(12000 महलों की 12000 हारें, कुल ऊँचाई 14,40,00,000 भोम)

चबूतरे
(महल के कोनों में)

थंभों की 1 हार
(महल को घेरकर)

सागर के एक टापू की शोभा

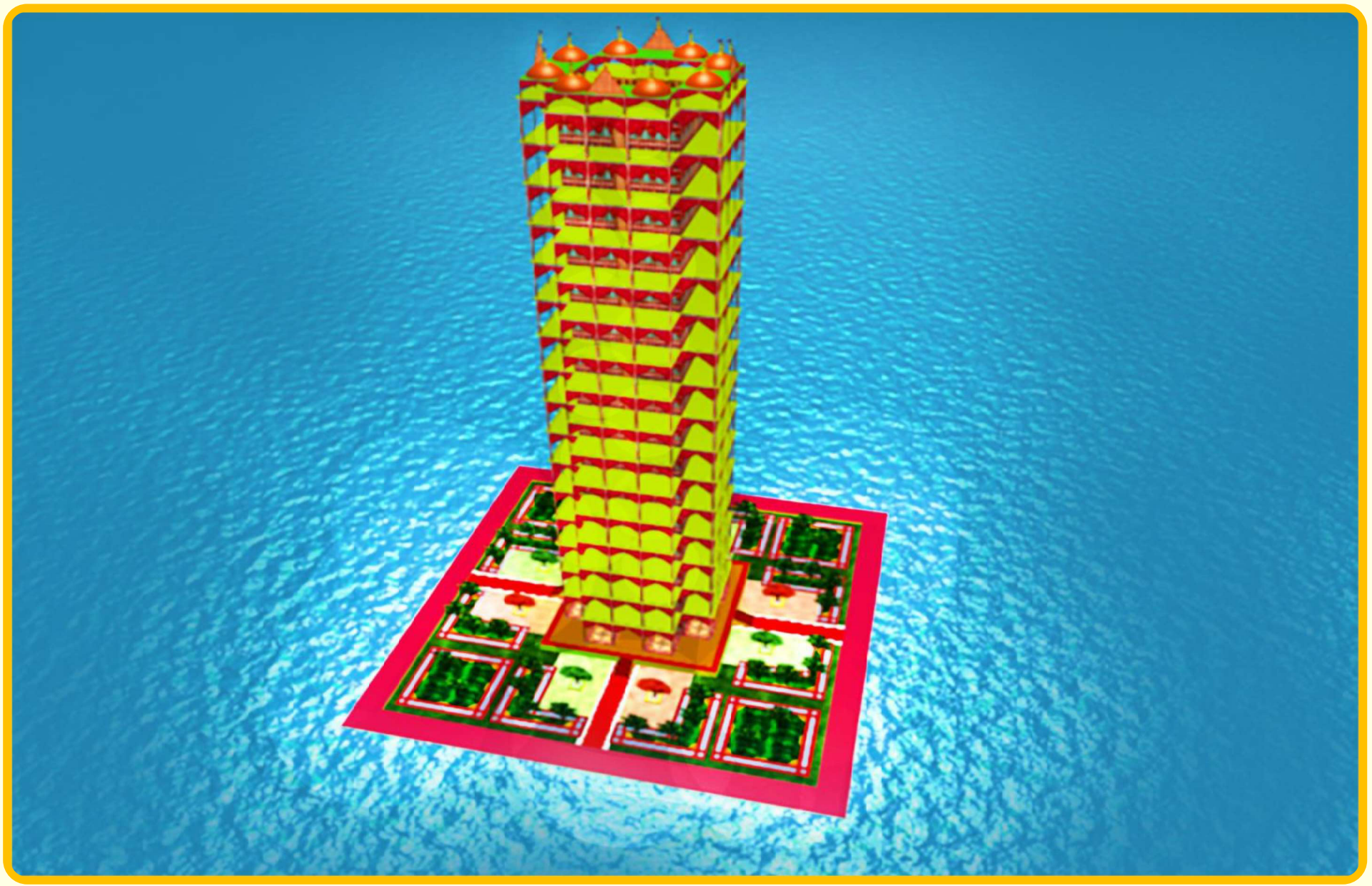

जमीन के मध्य एक टापू की शोभा

नक्शा नं. 107 बड़ी रांग : सागर के टापू में से एक टापूमहल की चाँदनी की शोभा

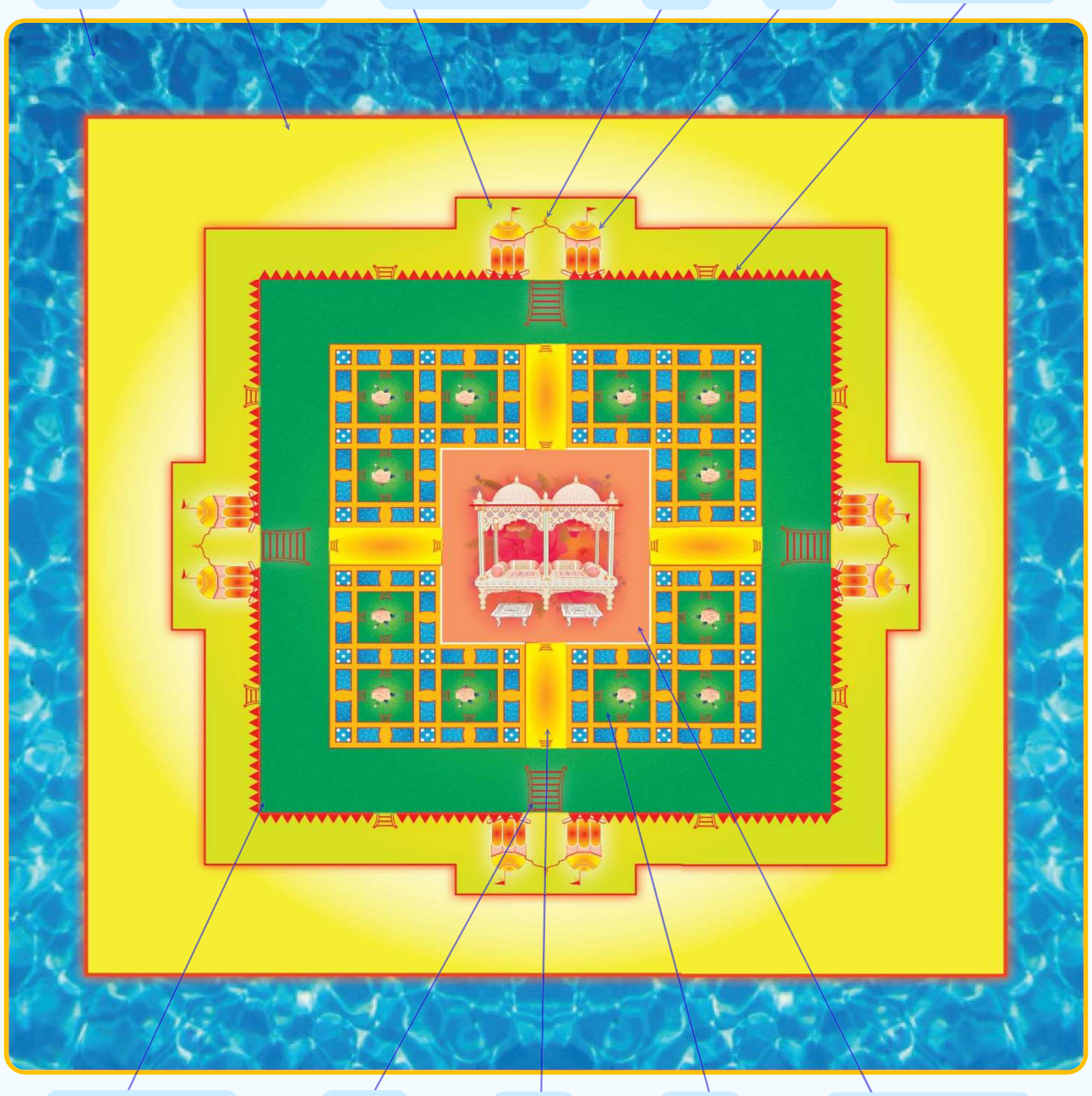

अर्स सूर कई एक मोहोल में, तैसे मोहोल टापू अपार किनार ।
एक मोहोल अंबर कई बीच में, जुबां क्यों कहे गिनती सुमार ।।

सागर के एक टापू की चाँदनी की शोभा

जमीन की चाँदनी के मध्य टापू महल, ताल व देहलान की शोभा

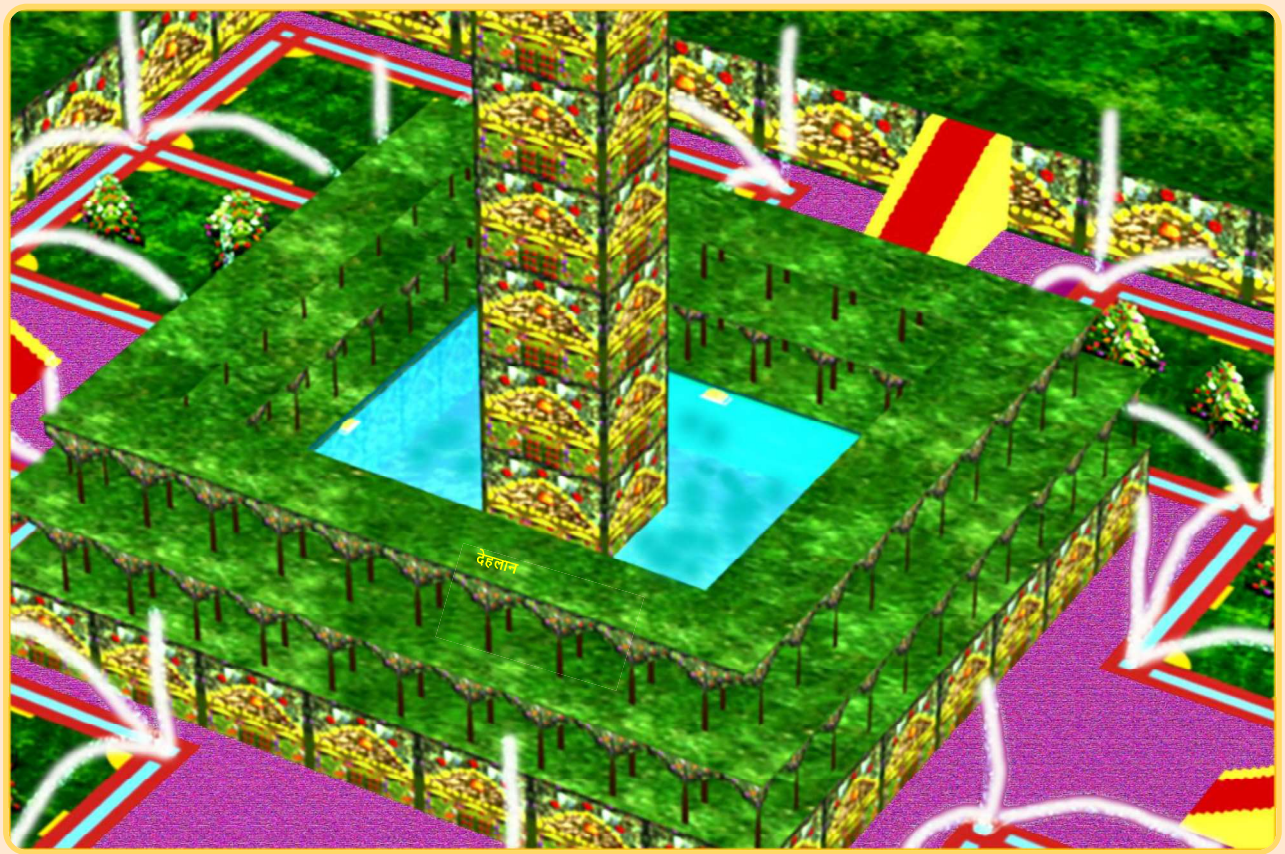

नक्शा नं. 108 बड़ी रांग : आठ सागर व आठ जमीन की चाँदनी की सम्पूर्ण शोभा

श्री परमधाम की सात परिक्रमा

1. रंगमहल की नजदीकी परिक्रमा
2. हौज कौसर तालाब, कुंज- निकुंज वन, 24 हांस का महल, पश्चिम की चौगान, पुखराज पहाड़, यमुना जी व अक्षरधाम
3. जवेरों की नहरों/महलों के 9 फिरावे
4. माणिक पहाड़ की हद में बड़ोवन, मधुवन व महावन के फिरावे
5. वन की नहरें/महल
6. छोटी रांग/चार हार हवेली
7. बड़ी रांग - आठ सागर व आठ जमीन

आठ सागर

1. नूर सागर - श्री राजजी के मुखारबिंद की शोभा का सागर (सफेद)
2. नीर सागर - रूहों की शोभा का सागर (लाल)
3. क्षीर सागर - रूहों की एक दिली/वाहेदत का सागर (पीला)
4. दधि सागर - श्री युगल स्वरूप के सिनगार का सागर (हरा)
5. घृत सागर - इश्क का सागर (आसमानी)
6. मधु सागर - खुदाई इलम का सागर (स्याम)
7. रस सागर - निसबत का सागर (10 रंग)
8. सर्वरस सागर - मेहर का सागर (सर्व रंग/अनंत रंग)

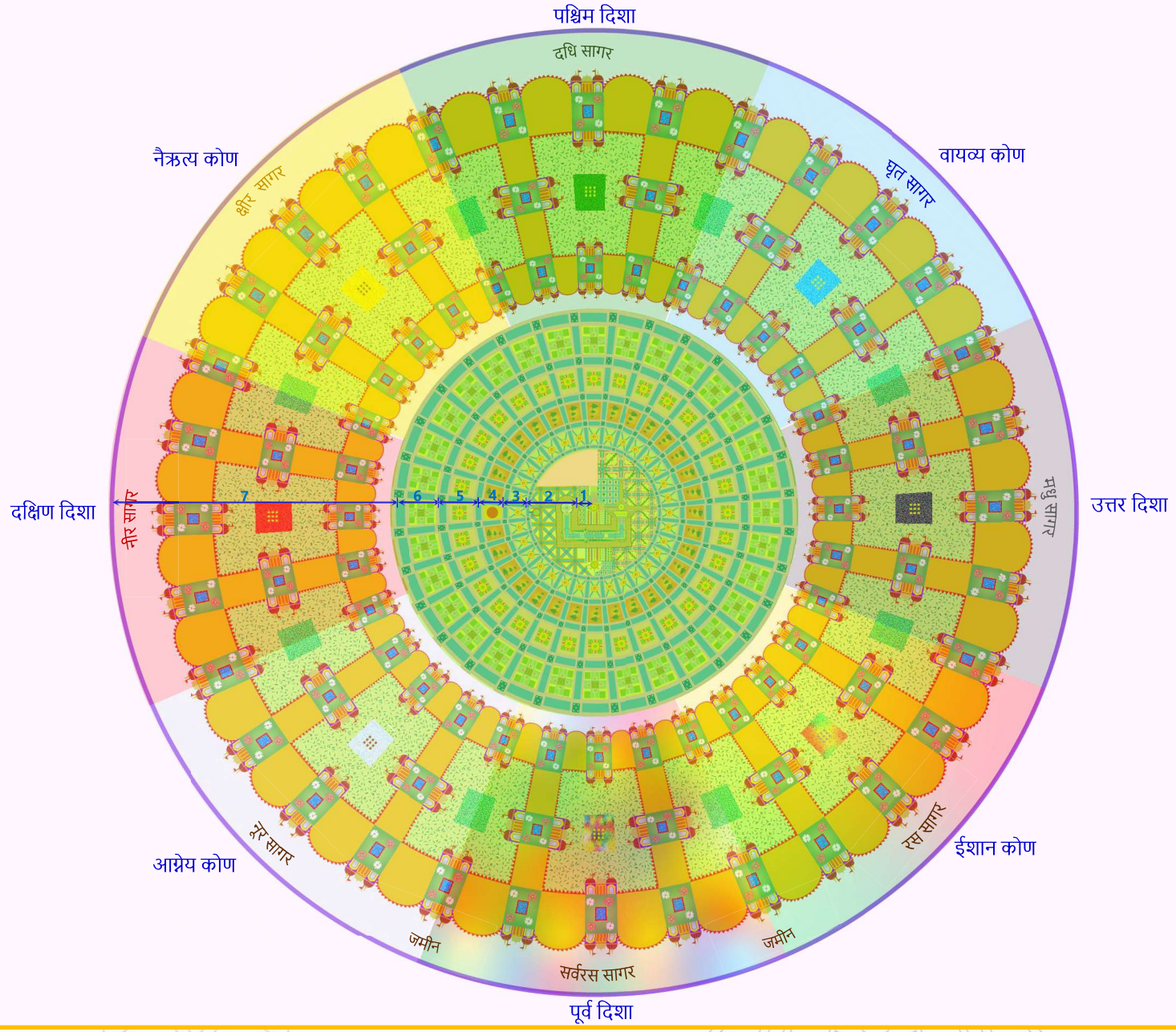

आठ सागर व आठ जमीन की चाँदनी की शोभा

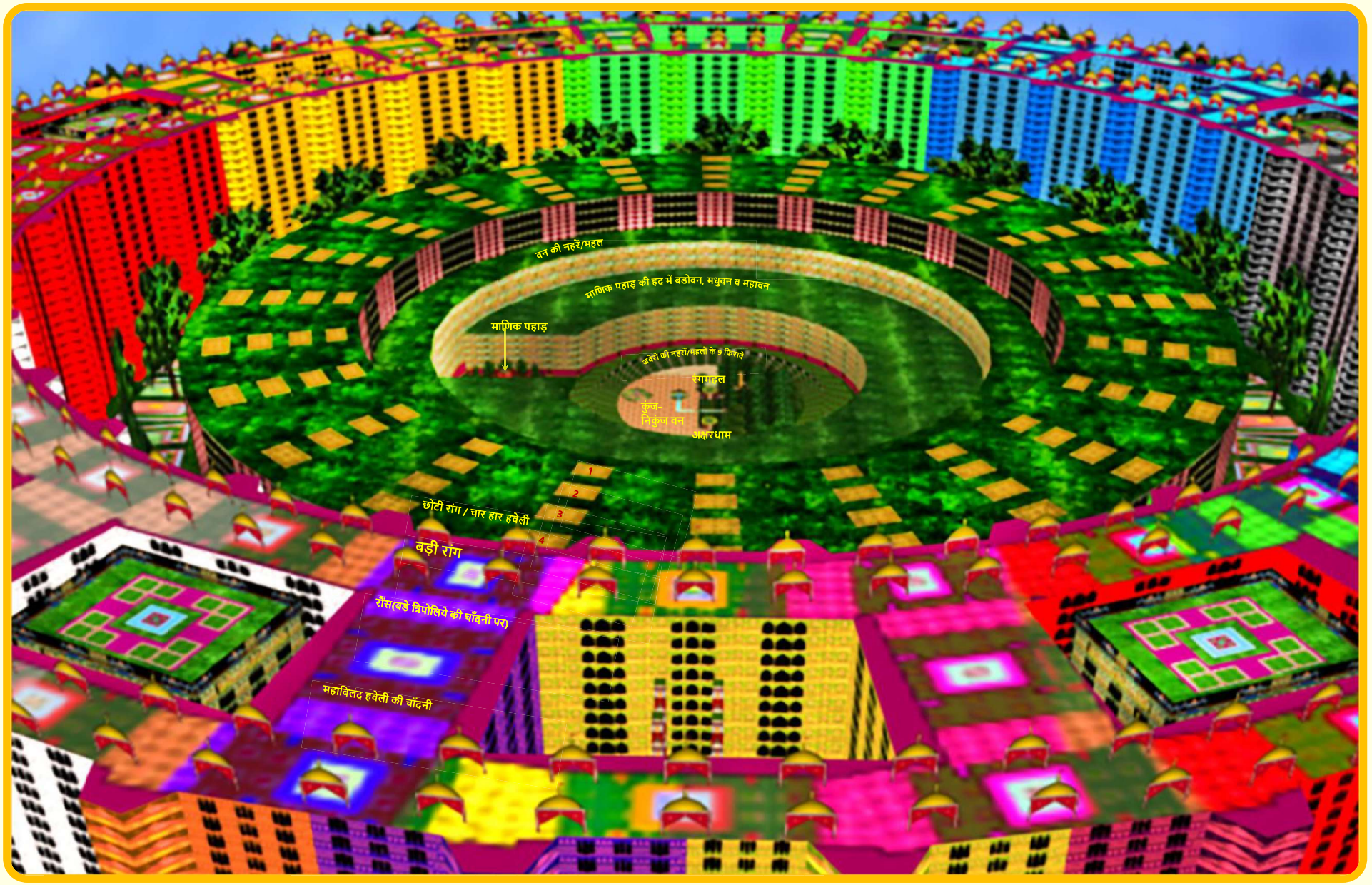

चाँदनी चौक : हरा वृक्ष (दक्षिण दिशा) व लाल वृक्ष (उत्तर दिशा) की शोभा

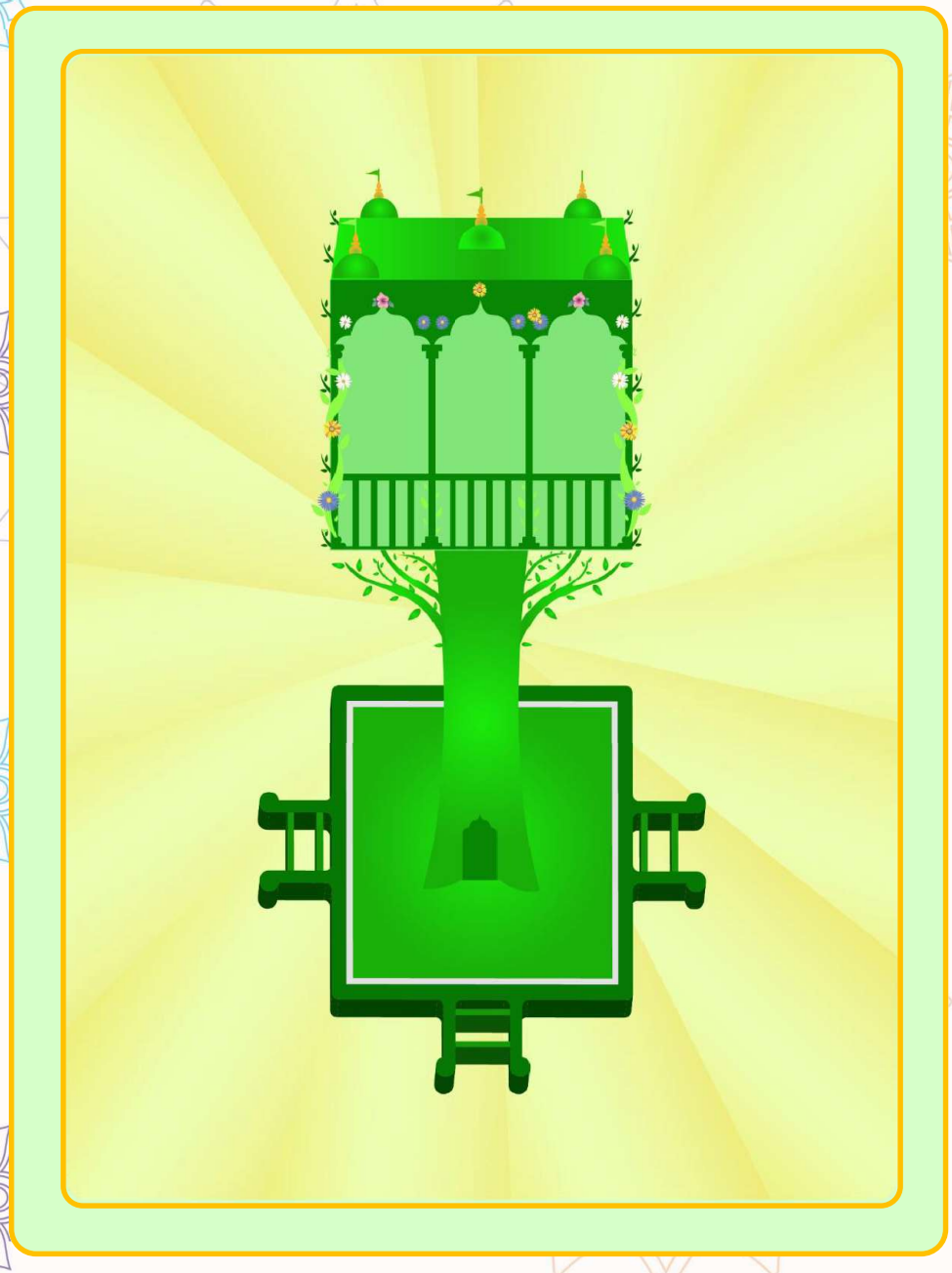

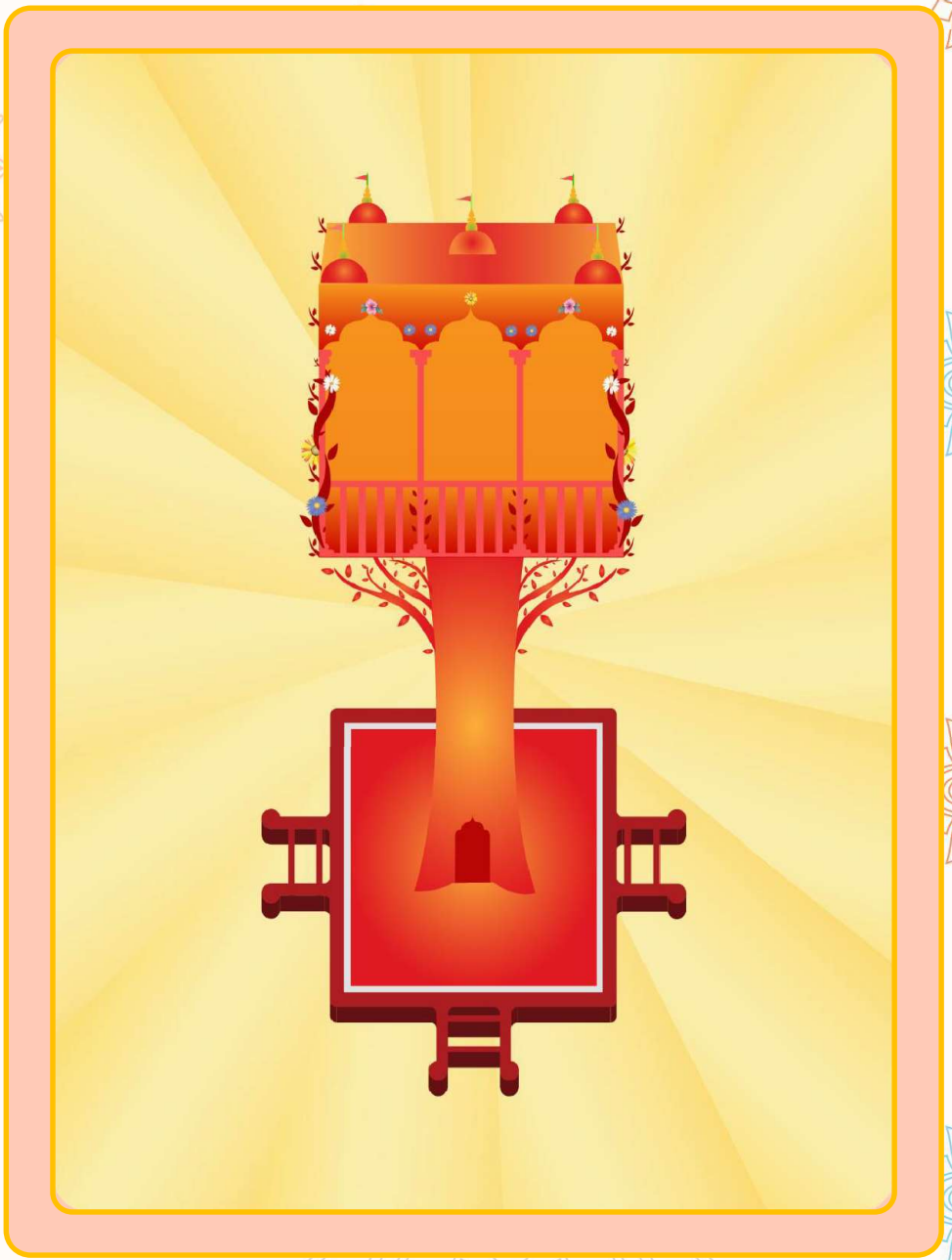

24 मेहराबों की शोभा (दो हवेली के मध्य आए त्रिपोलिये में)

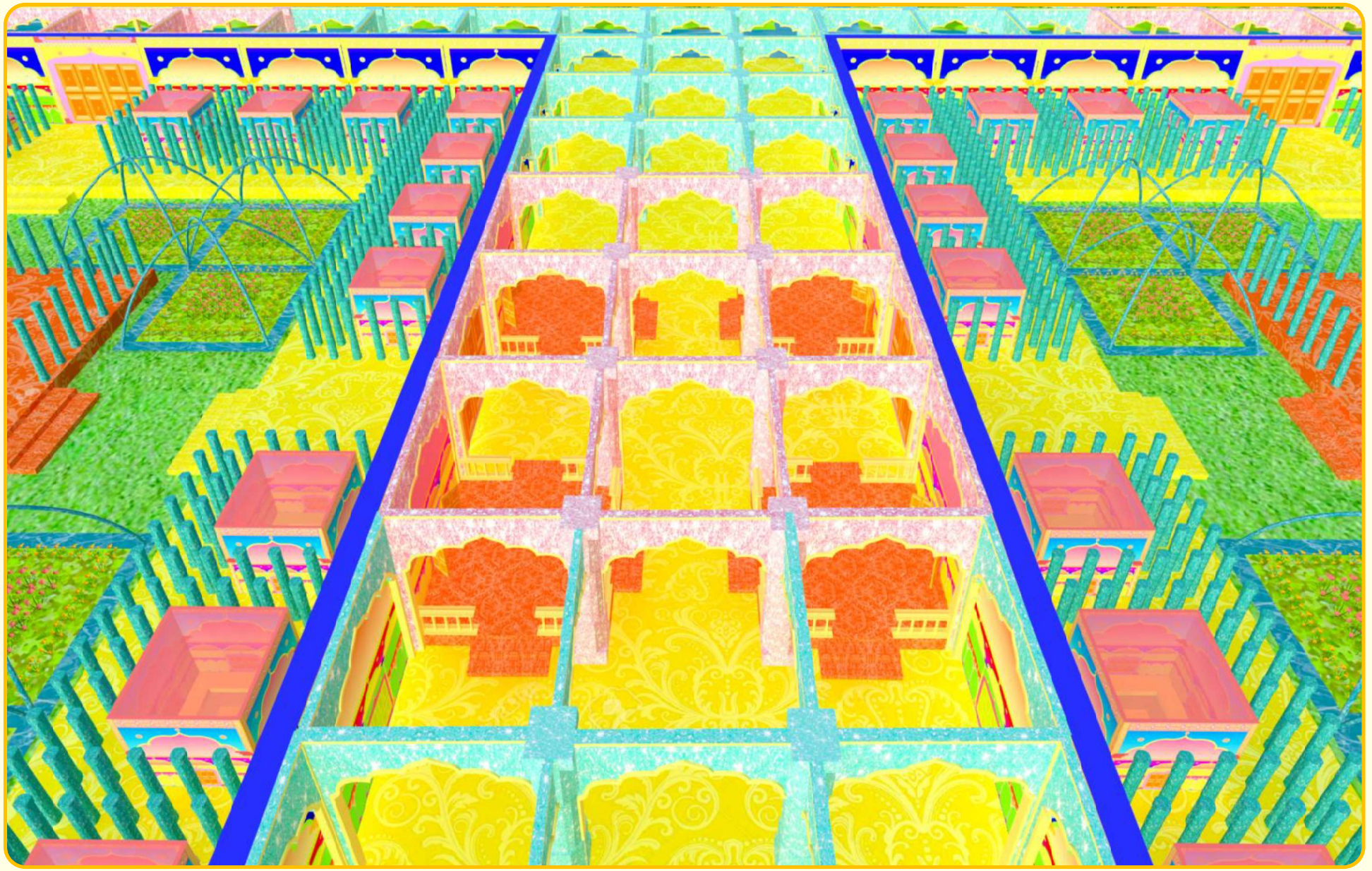

माणिक पहाड़ : एक हवेली में महलों की शोभा

माणिक पहाड़ : एक महल में मंदिरों की शोभा

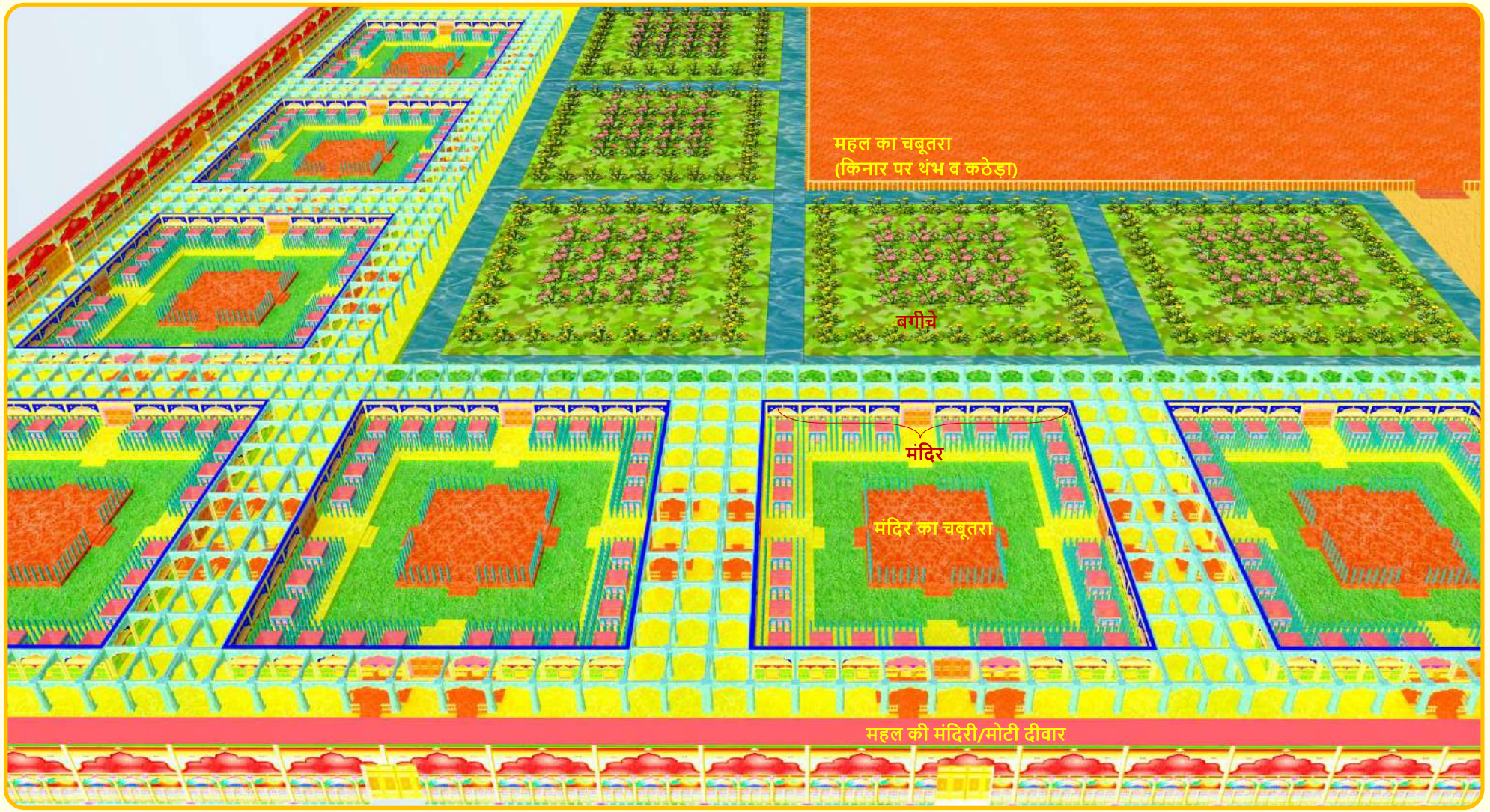

माणिक पहाड़ : एक मंदिर में कोठरियों की शोभा

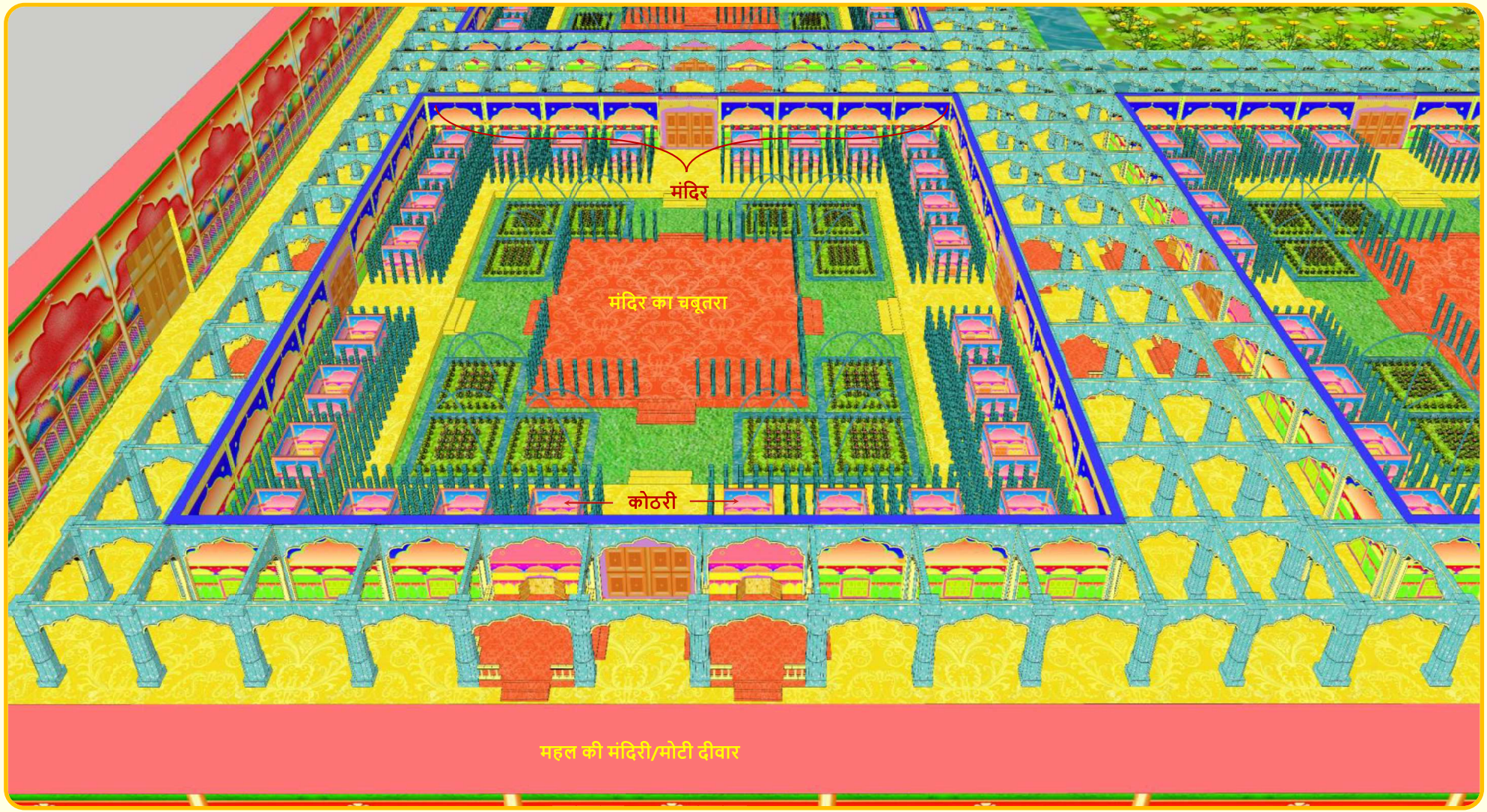

छोटी रांग/बड़ी रांग : एक हवेली की शोभा

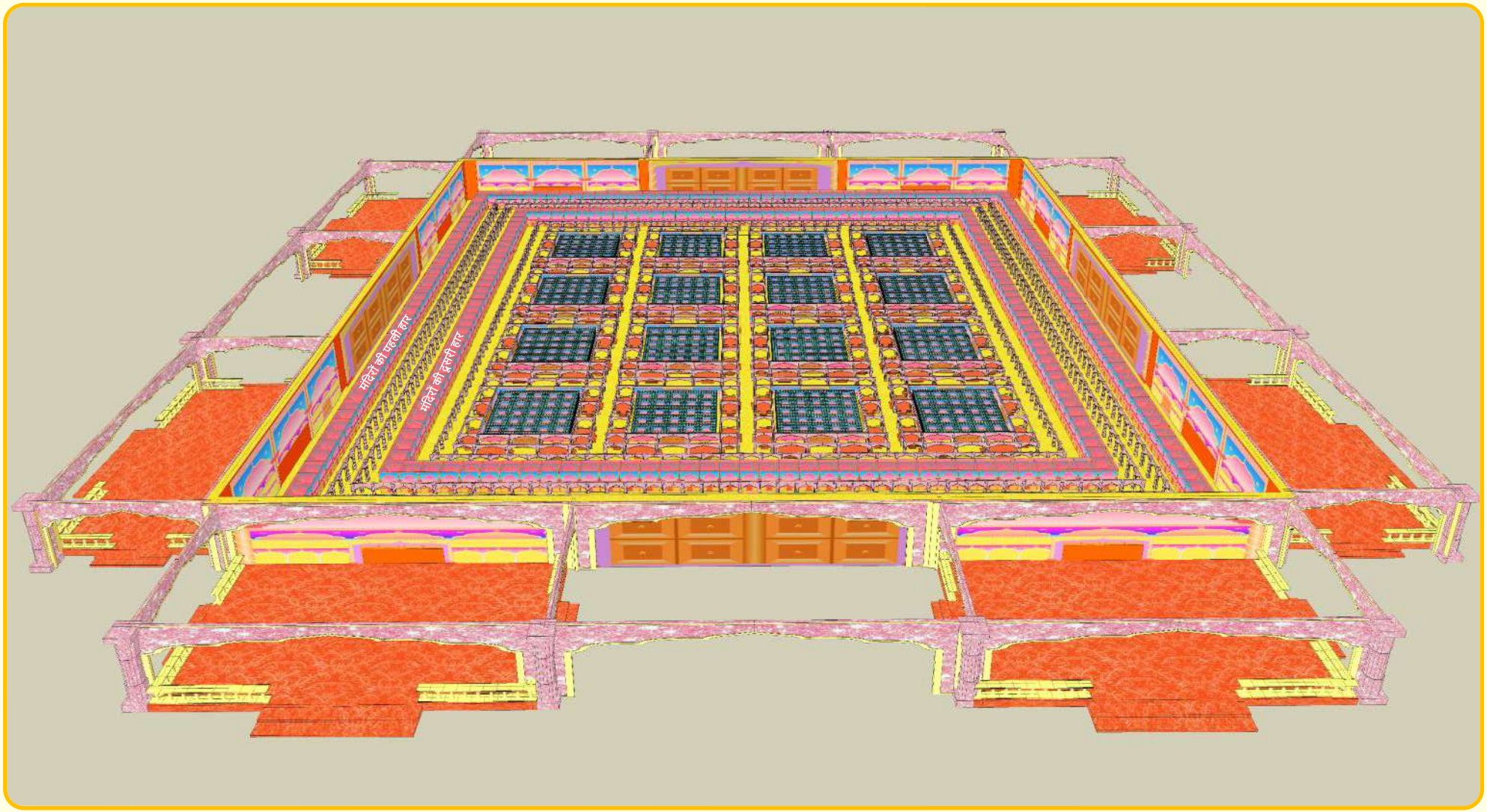

छोटी रांग : एक महाबिलंद हवेली की शोभा

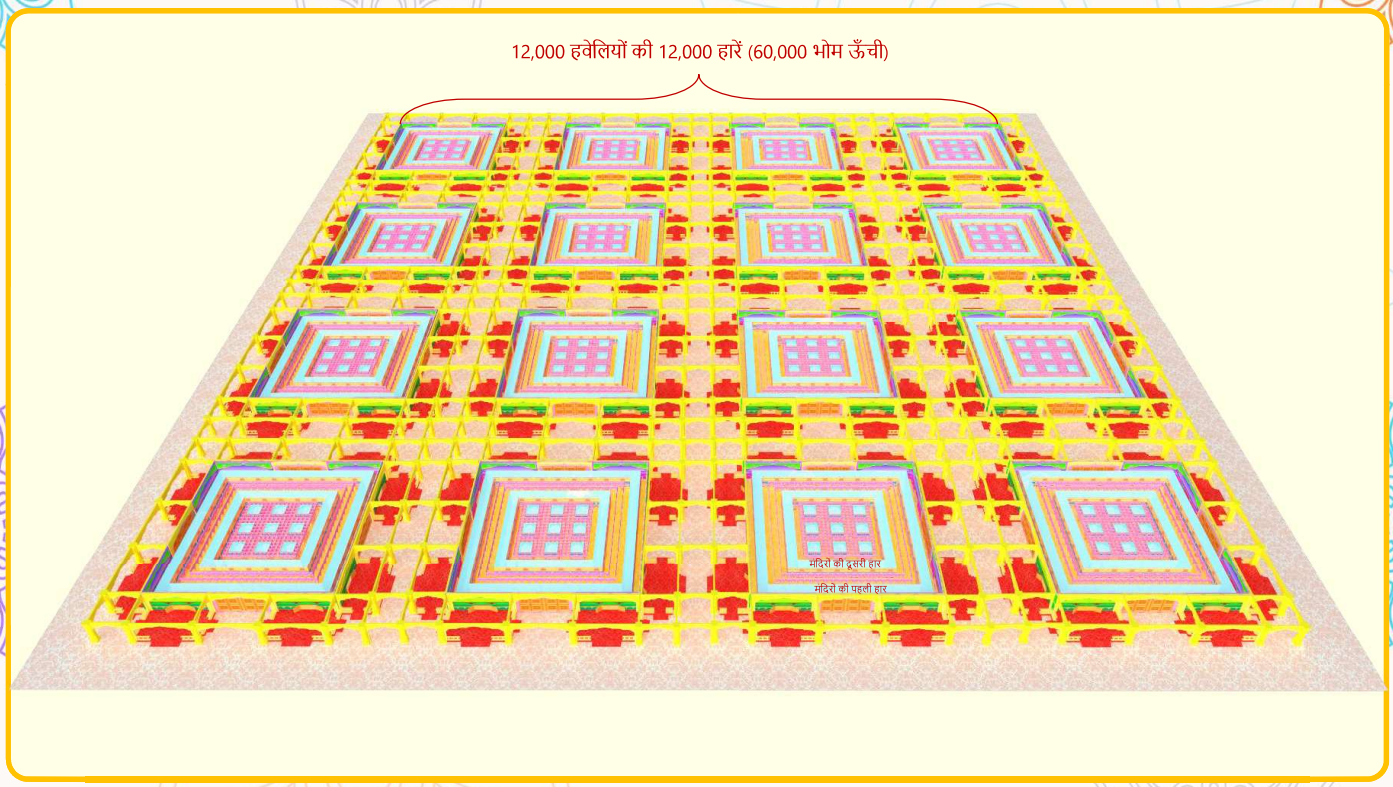

बड़ी रांग : एक महाबिलंद हवेली की शोभा

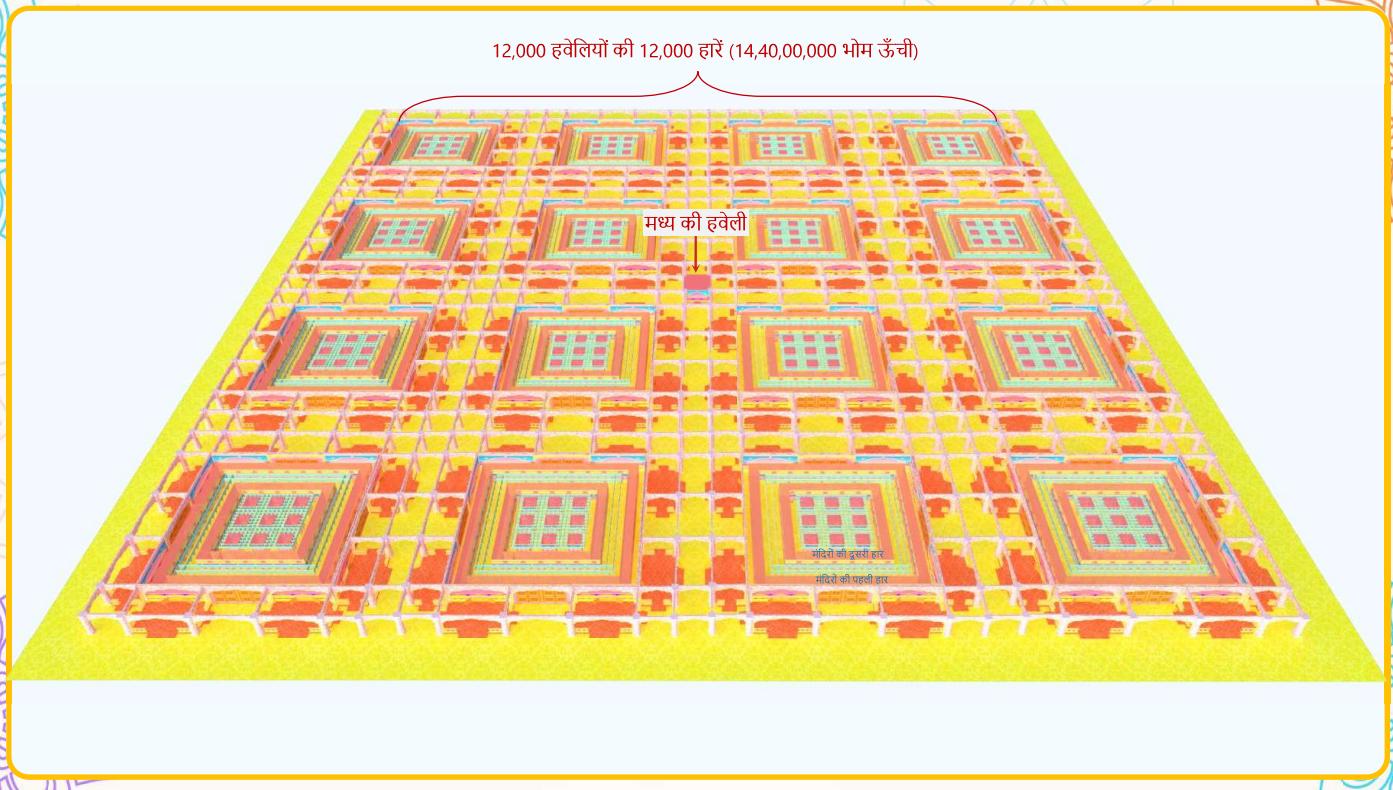

बड़ी रांग : मध्य की हवेली की शोभा